नई दिल्ली

शुक्रवार 19 जून 2026

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष,
पंचमी वर्ष : 30, अंक : 61
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 39.0°C
न्यून. 31.0°C

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

11 उरुग्वे को हराकर भारत ने सेफा में मारी एंट्री, दीपिका रहीं मैच की हीरो

पेरिस में हुए वीवाटेक-2026 सम्मेलन को संबोधित करते हुए बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भारत के लिए एआई के मायने 'सर्व-समावेशी', लोकतंत्रीकरण से तकनीक बनेगी प्रगति का साधन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

दुनिया में बनी हुई जटिल वैश्विक चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ गुरुवार को पेरिस में आयोजित किए गए 'वीवाटेक-2026' नामक अंतरराष्ट्रीय तकनीक सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने सबसे पहले कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उल्लेख करते हुए भारत की नजर में इसका अर्थ सर्व-समावेशी यानी ऑल इंक्लूसिव बताते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार जितना अहम है। उतना ही महत्वपूर्ण उसकी पहुंच भी है। तकनीक तभी प्रगति का साधन बन सकती है। जब उसका लोकतंत्रीकरण हो। भारत का यह मानना है कि इस परिवर्तनकारी युग में तकनीक सबके लिए लाभकारी होनी चाहिए। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री का यह बयान अमेरिका द्वारा विदेशी नागरिकों पर एआई के लेटेस्ट मॉडल एंथ्रोपिक के इस्तेमाल पर लगाई गई पाबंदियों के बीच आया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। जिसमें बताया कि इस वर्ष वीवाटेक का यह दसवां संस्करण है। जिसमें भारत का नेतृत्व पीएम मोदी ने किया है।

⏩ भारत की तकनीकी विकास यात्रा को किया रेखांकित, भारत मंडप देखने का किया अनुरोध

स्पष्ट किया भारत का दृष्टिकोण

उन्होंने कहा कि पूर्व में वर्ष 2021 में कोरोना काल के दौरान मैंने इस महत्वपूर्ण आयोजन में शिरकत की थी। आज मैं उस वक्त दिए अपने एक संदेश को पुनः दोहराना चाहता हूं। जिसमें मैंने कहा था कि जहां परंपरागत उपाय सफल नहीं होते हैं। वहां नवाचार ही सहायता कर सकता है। प्रधानमंत्री ने बताया कि मामले पर हमारा दृष्टिकोण बिल्कुल साफ है। सरकार सक्षम बनाएगी, उद्योग नवाचार करेगा, स्टार्टअप परिवर्तन लाएंगे और अंतरराष्ट्रीय साझेदार हमारे साथ ⏩ शेष पेज 7 पर

एफिल टॉवर, पेरिस हवाईअड्डे पर चलेगा यूपीआई

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई की वजह से आज दुनिया के करीब आधे रियल टाइम डिजिटल लेनदेन हमारे देश में ही होते हैं। उन्होंने कहा कि अब आप एफिल टॉवर और पेरिस हवाईअड्डे पर भी यूपीआई का उपयोग कर सकते हैं। नई दिल्ली का डिजिलॉकर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल दस्तावेज भंडारों में से एक है। जिसकी मदद से 70 करोड़ से ज्यादा उपयोगकर्ता कहीं भी, कभी भी प्रमाणिक दस्तावेज हासिल कर सकते हैं। यह एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहां 2 हजार से अधिक मानक दस्तावेज ⏩ शेष पेज 7 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बाबा महाकाल के गर्भगृह में वीआईपी एंट्री पर विवाद

उज्जैन। प्रसिद्ध बाबा महाकालेश्वर मंदिर की दर्शन व्यवस्था एक बार फिर विवादों में है। गर्भगृह में प्रवेश पर प्रतिबंध के बाद भी 15 जून को एक डिजिटल क्रिएटर अक्षय आनंद और उनके साथियों को गर्भगृह में प्रवेश दे दिया गया। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें सामने आने के बाद आम भक्तों में भारी नाराजगी है। सोमवती अमावस्या के दिन मंदिर में करीब ढाई लाख श्रद्धालुओं की भीड़ थी, जो घंटों लाइन में लगकर दूरी से दर्शन कर रहे थे। ऐसे में वीआईपी ट्रीटमेंट पर सवाल उठ रहे हैं। देकर डिजिटल क्रिएटर को गर्भगृह में ले जाने को लेकर लोग सोशल मीडिया पर मंदिर प्रशासन को घेर रहे हैं और व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

अमेरिका-ईरान जंग खत्म

दुनिया ने ली चैन की सांस, ट्रंप और पजशकियान ने समझौते पर किए दस्तखत

4 महीने बाद ट्रंप ने युद्ध से 'पीछा' छुड़ाया, एक दिन बाद होने वाले हस्ताक्षर पहले ही कर डाले

होर्मुज

इस समझौते पर 19 जून को स्विट्जरलैंड के लूसर्न शहर में दस्तखत होने थे, लेकिन दोनों देशों ने निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही इस शांति समझौते को अंतिम रूप दे दिया

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन डीसी/ तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग को खत्म करने के लिए एक ऐतिहासिक अंतरिम समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार रात फ्रांस के वर्साय पैलेस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मौजूदगी में इस डील पर साइन किए। फ्रांस में चल रहा जी-7 शिखर सम्मेलन उस पल का गवाह बना। जब ट्रंप ने वर्साय के महल में ईरान समझौते पर हस्ताक्षर किए। डील साइन करने के बाद जब वर्साय पैलेस से बाहर आते वक्त एक रिपोर्टर ने शांति समझौते को लेकर सवाल किया, तो ट्रंप ने चिल्लाकर जवाब दिया, 'डील साइन हो गई है।'

ट्रंप के दस्तखत के बाद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से इस समझौते पर अपनी सहमति जताई। भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह 5:30 बजे इस ⏩ शेष पेज 7 पर

तत्काल ये होगा

1. बहाल होगा होर्मुज जलडमरूमध्य, ये 60 दिन के लिए रहेगी फ्री
2. अमेरिका 30 दिन में ईरान पर लगी अपनी नौसैनिक नाकेबंदी को खत्म करेगा
3. सभी देशों में आसमान छू रही तेल की कीमतें कम होने लगेंगी

मीडिया के सामने खुशी से चिल्लाते हुए कहा-डील साइन हो गई है

ट्रंप साइन करते हुए

पत्र दिखाते पजशकियान

⏩ *फ्रांस में चल रहा जी-7 शिखर सम्मेलन उस पल का गवाह बना जब ट्रंप ने वर्साय के महल में ईरान समझौते पर हस्ताक्षर किए*

⏩ *भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह 5:30 बजे 14 बिंदुओं के इस समझौते का औपचारिक ऐलान किया गया*

डील से भारत पर क्या होगा असर?

अपनी जरूरत का 85% से अधिक तेल आयात करने वाले भारत के लिए यह बड़ी राहत है, जिससे देश का भारी आयात बिल कम होगा और घरेलू बाजार में महंगाई से राहत मिलेगी।

भारतीय निर्यात को दोबारा रफ्तार मिली है, जिससे अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत और स्थिर हुआ है। प्रतिबंधों का दबाव हटने से भारत ⏩ शेष पेज 7 पर

जानें...समझौते की खास बातें

- 60 दिनों के अंदर अंतिम समझौते पर बात होगी
- अमेरिका, ईरान के विकास के लिए 300 अरब डॉलर की योजना बनाएगा
- ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा
- अमेरिका ईरान को तेल निर्यात और बैंकिंग में छूट देगा
- ईरान की फंसी संपत्ति और पैसा रिलीज किया जाएगा
- समझौते की निगरानी के लिए एक सिस्टम बनाया जाएगा
- अंतिम समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मंजूरी मिलेगी

समझौते के बाद तेल की कीमतों में भारी गिरावट

ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल

समझौते के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। दुनिया भर में तेल की कीमतें तय करने वाला बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड पिछले तीन दिनों से 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से नीचे बना हुआ है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड में करीब 2% की और गिरावट आई, जिससे यह 78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। पश्चिम एशिया में जंग के चरम पर होने के दौरान इसकी कीमत 114.44 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जिसके मुकाबले ⏩ शेष पेज 7 पर

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने कहा

जनजातीय समुदायों की जीवनशैली आध्यात्मिक मूल्यों के ही 'अनुरूप'

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल/ओंकारेश्वर/भोपाल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को बैतूल में आयोजित 'आध्यात्मिक जागरण द्वारा जनजातीय समाज का सशक्तिकरण' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आज की तेज रफ्तार और उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रभावित दुनिया में समाज के हर वर्ग के लिए आध्यात्मिक शुद्धता बेहद जरूरी हो गई है। इसी आधार पर समानता पर आधारित आचरण और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति संवेदनशील जीवनशैली विकसित की जा सकती है, जो लंबे समय तक टिकाऊ हो। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया तनाव और संघर्षों से घिरी हुई है, ऐसे में 'आध्यात्मिक जागरण द्वारा जनजातीय समाज का सशक्तिकरण' जैसे सम्मेलन और अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समुदायों ⏩ शेष पेज 7 पर

इस साल सितंबर में भारत में होगा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

अगले सप्ताह भारत यात्रा पर रहेंगे वांग यी ब्रिक्स की एनएसए बैठक में होंगे शामिल

2026 में भारत कर रहा है ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता, 22 से 23 जून तक नई दिल्ली में होगी बैठक

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

क्षेत्रीय-वैश्विक सुरक्षा चिंताओं के मध्य चीन के विदेश मंत्री वांग यी अगले सप्ताह भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसका उद्देश्य नई दिल्ली में 22 से 23 जून तक आयोजित की जाने वाली ब्रिक्स समूह के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) की 16वीं उच्च-स्तरीय बैठक में भागीदारी करना है। साथ ही वह मौजूदा साल के सितंबर महीने में भारत की मेजबानी में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से ⏩ शेष पेज 7 पर

सहकारिता क्षेत्र में डिजिटल क्रांति का रोडमैप तैयार, सहकारी बैंकों को साइबर सुरक्षा और साझा प्लेटफॉर्म से जोड़ने पर जोर: अमित शाह

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारी बैंकिंग, जैविक उत्पादों और सहकारी निर्यात को मजबूत बनाने के लिए तैयार किए गए राष्ट्रीय रोडमैप की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में सहकारिता क्षेत्र को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने, साइबर सुरक्षा बढ़ाने, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने और सहकारी उत्पादों की वैश्विक पहुंच बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के सहकारी बैंकों को साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म, साइबर सुरक्षा प्रणालियों और साझा सेवाओं को जल्द से जल्द अपनाना चाहिए, ताकि वे आधुनिक बैंकिंग चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकें। ⏩ शेष पेज 7 पर

गुरुवार को पेरिस में फ्रांस की कई बड़ी कंपनियों के प्रमुखों से हुई मुलाकात में बोले प्रधानमंत्री

पीएम मोदी ने फ्रांसीसी कंपनियों के सीईओ को दिया भारत में निवेश का न्योता

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मौजूदा विदेश यात्रा के अंतिम पड़ाव के रूप में पेरिस में गुरुवार को फ्रांस की कई कंपनियों के अध्यक्षों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ मुलाकात की है। जिसमें उन्होंने मुख्य रूप से सभी से भारत में तेजी से बढ़ती निवेश की संभावनाओं और विस्तार योजना में भागीदारी करने का आह्वान किया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम की चर्चा में भारत और फ्रांस के बीच शिपिंग, लॉजिस्टिक्स से लेकर रेलवे, निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे कई क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की यह मुलाकात फ्रांस की आधिकारिक यात्रा से जुड़ी हुई है। जिसमें उन्होंने जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया और उससे इतर समूह के कई अन्य भागीदार देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी की हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बीते बुधवार को एक बैठक हुई थी। जो कि पश्चिम-एशिया व खाड़ी क्षेत्र में युद्ध की शुरुआत के बाद हुई पहली प्रत्यक्ष मुलाकात थी।

इन कंपनियों के प्रमुखों से मिले मोदी

पीएम ने फ्रांस की जिन कंपनियों के अध्यक्षों, सीईओ से मुलाकात की है। उनमें सीएमए सीजीएम के रोडोल्फ सादे, सैंट गोबैन के बेनोइट बाज़िन, अल्स्टॉम के मार्टिन सियोन, मिस्ट्रल एआई के आर्थर मेनश मुख्य हैं। अपनी कुछ एक्स पोस्ट के जरिए पीएम ने इन मुलाकातों के बारे में तस्वीर के साथ जानकारी साझा की है। जिसमें बताया कि ⏩ शेष पेज 7 पर

अभूतपूर्व बदलाव का अनुभव करता भारत

सैंट गोबैन के बेनोइट बाज़िन से हुई मुलाकात को लेकर प्रसन्नता जताते हुए पीएम ने एक्स पोस्ट में लिखा कि भारत अपनी बुनियादी ढांचा, शहरी विकास में अभूतपूर्व बदलाव अनुभव कर रहा है। हमने अपनी वार्ता में सैंट गोबैन की भारत में उपस्थिति बढ़ाने के तरीकों, नवाचार, परिपत्र अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में साझेदारियां विकसित करने के ⏩ शेष पेज 7 पर

13 गिरफ्तार, पांच नवजात बच्चे बरामद

अंतरराज्यीय बाल तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मध्य जिला पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने वाले एक अंतर-राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए कथित तस्कर, बिचौलिए, खरीदार और एक अस्पताल के मालिक समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह के पास से पांच नवजात शिशुओं को बरामद किया गया।

डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने एक प्रैसवार्ता में बताया कि पांच जून को पहाड़गंज में आरके आश्रम मेट्रो स्टेशन के पास एक नकली ग्राहक भेजा गया, जिसके बाद गिरोह का पर्दाफाश हुआ। उन्होंने बताया कि पुलिस ने तीन आरोपियों, ज्योति उर्फ कमलेश (37), शालू (43) और ललित को तब पकड़ा जब वे चार-पांच दिन के एक नवजात बच्चे को नकली ग्राहकों को कथित तौर पर बेचने की कोशिश कर रहे थे। बच्चे को मुक्त करा फर्जी ग्राहकों द्वारा अग्रिम भुगतान के तौर पर दिए गए 20 हजार रुपये भी बरामद कर लिए गए। इस संबंध में पहाड़गंज थाने में मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने कहा कि जांच से पता चला कि आरोपी एक बाल तस्करी गिरोह का हिस्सा हैं जो विभिन्न राज्यों से शिशुओं को लाते थे और उन्हें निःसंतान दंपतियों को लाखों रुपये में बेचते थे। जांचकर्ताओं के अनुसार ज्योति गिरोह की प्रमुख समन्वयक थी और बिचौलियों के माध्यम से नवजात शिशुओं को खरीदती थी। इसमें एक आरोपी सायबा भाई घमर उर्फ कालिया भी शामिल था, जो राजस्थान और गुजरात से शिशुओं को कथित रूप से लाता था। गिरफ्तार आरोपियों द्वारा किए गए खुलासे के आधार पर, पुलिस ने बाद में एक निजी अस्पताल से जुड़ी स्वतंत्र प्रयोगशाला तकनीशियन प्रतिभा और एक चालक विपिन को गिरफ्तार किया, जिसने शिशुओं और गिरोह के सदस्यों को लाने ले जाने में कथित तौर पर मदद की थी। पुलिस ने उनके पास से 2.92 लाख रुपये नकद बरामद किए, जो नवजात बच्चे को कथित तौर पर खरीदने के लिए थे। पुलिस ने बताया कि एक अन्य आरोपी गुरुग्राम की रहने वाली घरेलू सहायिका ओमवती कथित तौर पर बिचौलिये का काम करती थी और तस्करी गिरोह के लिए बच्चों का इंतजाम करती थी।

अस्पताल मालिक भी हुआ गिरफ्तार

जांचकर्ताओं को बेगमपुर के हीरा मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के मालिक डॉ. विवेकी की भी कथित भूमिका का पता चला। जांचकर्ताओं के अनुसार वह तस्करी करके लाए गए बच्चों को अपने अस्पताल में रखकर गैर-कानूनी तरीके से उन्हें गोद दिलाने में मदद करता था। इसके लिए वे प्रजनन संबंधी इलाज करवा रहे बेऔलाद जोड़ों में से संभावित खरीदारों की पहचान करता था और माता-पिता होने का सबूत दिखाने के लिए जाली मेडिकल और जन्म से जुड़े दस्तावेज तैयार करवाता था। जांचकर्ताओं के अनुसार यह गिरोह दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में फैले तस्कर, ट्रांसपोर्टर, बिचौलिये और खरीदारों के नेटवर्क के जरिए काम करता था। पुलिस ने बताया कि बच्चों को अलग-अलग जगहों से लाया जाता था और दिल्ली पहुंचाया जाता था। इसके बाद उनके कानूनी माता-पिता होने का झूठा रिकॉर्ड बनाकर उन्हें खरीदारों को बेच दिया जाता था। पुलिस ने कथित खरीदारों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें ग्वालियर के मुकेश और रीमा पाल शामिल हैं, जिन्होंने कथित तौर पर दो नवजात बच्चों को खरीदा था जबकि पानीपत के सनी अरोड़ा और रितु अरोड़ा ने एक नवजात बच्चे को खरीदा था। उन्होंने बताया कि पानीपत की सारिका के पास से तस्करी करके लाया गया एक बच्चा मिला है। पुलिस ने बताया कि गिरोह का मुख्य तस्कर माने जाने वाले कालिया को 17 जून को गुजरात से गिरफ्तार किया गया। हरियाणा के पानीपत और मध्य प्रदेश के ग्वालियर से चार और बच्चों को मुक्त कराया गया, जिससे बरामद बच्चों की कुल संख्या पांच हो गई है। पुलिस ने बताया कि इनमें लगभग 27 दिन के दो बच्चे और लगभग चार महीने का एक बच्चा शामिल है। बरामद बच्चों में से चार के आदिवासी होने का अनुमान है, जबकि एक बच्चा दिल्ली का है। पुलिस ने बताया कि जांच में कई लाख रुपये के गैर-कानूनी लेन-देन का भी पता चला है, जिसमें कथित तौर पर शिशुओं को 1.5 से 2 लाख रुपये में खरीदा जाता था और फिर 6 से 8 लाख रुपये में बेच दिया जाता था। पुलिस ने बताया कि बरामद सभी पांच बच्चों को बाल कल्याण समिति के सामने पेश किया गया है, जिसने उनकी देखभाल, सुरक्षा और पुनर्वास के लिए निर्देश जारी किए हैं। पुलिस ने बताया कि बरामद बच्चों के असली माता-पिता की पहचान करने और तस्करी के पूरा नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

घरेलू सहायिका की हत्या करने के आरोप में डॉक्टर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- अमर कालोनी थानाक्षेत्र के माउंट कैलाश इलाके में वारदात

दक्षिण पूर्वी जिले के पॉश माउंट कैलाश इलाके में गुरुवार सुबह 45 साल की घरेलू सहायिका की हत्या कर दी गई। महिला का शव खून से लथपथ हालत में घर की छत पर मिला। हत्या के आरोप में पुलिस ने मनीष गुप्ता नामक व्यक्ति को पकड़ा है। आरोपी पेशे से डॉक्टर है। इसी डॉक्टर के घर में मृतका घरेलू सहायिका के तौर पर कार्य करती थी। हत्या पीट-पीटकर और चाकू घोंपकर की गई। पुलिस ने बताया कि डॉक्टर मनीष गुप्ता घटनास्थल पर ही मौजूद मिला था।

पुलिस के अनुसार शुरुआती पूछताछ में मनीष ने मीना नाम की महिला पर बैट से हमला करने और फिर चाकू घोंपने की बात कबूली है। इलाके के लोग इस भयानक घटना से हैरत में हैं, क्योंकि ठीक दो महीने पहले ही यहां एक आईआरएस अधिकारी की बेटी की कथित रूप से बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। इस वारदात का आरोपी पूर्व घरेलू सहायक था। पुलिस को सुबह करीब 11:30 बजे सूचना मिली जिसमें बताया गया कि पास की एक इमारत की छत पर एक महिला की हत्या कर दी गई है और वह खून से लथपथ हालत में वहां पड़ी है।

डीसीपी हेमंत तिवारी ने बताया कि पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और महिला को मृत पाया। जब वे वहां पहुंचे तो शव के पास 50 साल की उम्र का एक व्यक्ति भी मौजूद था। आरोपी को तुरंत पकड़ लिया गया और हत्या की वजह जानने के लिए उससे पूछताछ की गई। डीसीपी तिवारी ने बताया कि आरोपी की पहचान त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष गुप्ता के तौर पर हुई है और पीड़िता उसके यहां लंबे समय से घरेलू सहायिका के तौर पर काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि हत्या का मुख्य मकसद साफ नहीं है और इसका पता लगाने के लिए जांच चल रही है। अधिकारी ने हत्या को काले जादू या तंत्र-मंत्र से जोड़ने वाली अटकलों को भी खारिज कर दिया और कहा कि अब तक की जांच में ऐसा कोई पहलू सामने नहीं आया है। जांचकर्ताओं को शक है कि यह अपराध किसी आपसी झगड़े का नतीजा हो सकता है। हालांकि सभी पहलुओं से अपराध की जांच की जा रही है। पुलिस हत्या से जुड़ी घटनाओं के क्रम को फिर से समझने की भी कोशिश कर रही है। घटनास्थल की जांच करने और फोरेंसिक सबूत इकट्ठा करने के लिए अपराध टीम को बुलाया गया। आसपास की इमारतों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और घटना के बारे में जानकारी जुटाने के लिए स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और अमर कालोनी थाने में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही आरोपी से विस्तार से पूछताछ की जा रही है। अपराध में इस्तेमाल किए गए बैट और चाकू को घटनास्थल से जब्त कर लिया गया। पीड़िता का परिवार अब भी यह समझ नहीं पा रहा है कि यह घटना कैसे हुई। पीड़िता के बेटे रॉबिन ने कहा, मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि क्या हुआ। जब मां घर से निकली थीं, तो ठीक थी। किसी ने मुझे फोन करके बताया कि उसकी मां की मौत हो गई है। उसने पुलिस पर यह आरोप भी लगाया कि उन्होंने उसे शव नहीं देखने दिया। उसने कहा कि वह पिछले 15 सालों से डॉक्टर के घर पर घरेलू सहायिका के तौर पर काम कर रही थी। मां हमेशा की तरह सुबह करीब सात बजे निकलीं और नौ बजे तक वहां पहुंच गईं। एक अन्य घरेलू सहायिका पूजा वर्मा ने कहा कि डॉक्टर का क्लीनिक साकेत में है। उनका एक बेटा भी है। वह घर पर और बाहर, दोनों जगह क्लीनिक चलाते है। उसने यह भी कहा कि उसने आरोपी डॉक्टर के घर पर मीना के साथ सात साल तक काम किया था। घटनास्थल पर तनावपूर्ण माहौल देखा गया और कई लोगों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। भीड़ में से कुछ लोगों ने आरोपी को उन्हें सौंपने की मांग की, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा बढ़ाई और भीड़ को शांत करने की कोशिश की।

पूर्व पीएम के बेटे से 7 करोड़ 80 लाख रुपये की ऑनलाइन ठग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- पुलिस ने चार करोड़ रुपये फ्रीज कराए

साइबर जालसाजों ने राज्यसभा के पूर्व सदस्य नरेश गुजराल की पहचान का इस्तेमाल कर ऑनलाइन 'मैसेजिंग एप्लिकेशन' के माध्यम से उनकी कंपनी के वित्तीय कर्मचारियों से 7.8 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। नरेश गुजराल (78) पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे हैं। इंद्र कुमार गुजराल 1997 से 1998 तक भारत के 12वें प्रधानमंत्री रहे थे।

पुलिस के पास मंगलवार को धोखाधड़ी के मामले में एक ई-प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसके बाद जांच शुरू हुई। पुलिस के अनुसार, यह धोखाधड़ी 12 से 16 जून के बीच हुई। इस दौरान ठगों ने नरेश गुजराल की 'डिस्प्ले पिक्चर' (डीपी) का इस्तेमाल करके एक ऑनलाइन 'मैसेजिंग' प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाया। इसके बाद जालसाजों ने उनके एक कर्मचारी को मैसेज भेजकर कारोबारी जरूरतों का हवाला देते हुए एक निर्दिष्ट बैंक खाते में 'रियल-टाइम ग्रॉस सेटलमेंट' (आरटीजीएस) के माध्यम से तत्काल धनराशि हस्तांतरित करने का निर्देश दिया। पुलिस ने बताया कि निर्देशों को सही मानकर कर्मचारी ने चार दिनों में चार बार में आरटीजीएस के जरिए 7.8 करोड़ रुपये बताए गए खाते में भेज दिए। यह कर्मचारी गुजराल की कंपनी का वित्तीय कामकाज देखता है। यह ठगी 16 जून को तब सामने आई जब गुजराल की बेटी की नजर इन लेन-देन पर पड़ी और उन्होंने तुरंत अपने पिता से इस बारे में पुष्टि की। पुलिस ने बताया कि नरेश गुजराल ने ऐसे कोई भी निर्देश जारी करने से इनकार किया और पैसे भेजने जाने के बारे में कोई जानकारी न होने की बात कही, जिसके बाद परिवार और कंपनी के कर्मचारियों को एहसास हुआ कि वे धोखाधड़ी का शिकार हो गए हैं। जांचकर्ताओं ने बताया कि तेजी से कार्रवाई करने से अधिकारियों को ठगे गए पैसे में से करीब चार करोड़ रुपये फ्रीज कराने में कामयाबी मिली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बस हेल्पर की हत्या में दो आरोपी पकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- लूटा गया मोबाइल फोन और हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद

शास्त्री पार्क पुलिस ने बस हेल्पर के ब्लाइंड मर्डर केस की गुत्थी सुलझा ली है। हत्या के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनसे लूटा गया मोबाइल फोन और हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद हो गया है।

पुलिस के अनुसार 14/15 जून की रात शास्त्री पार्क पुलिस को एक घायल व्यक्ति के बारे में सूचना मिली थी। घायल को सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर, सिविल लाइन्स ले जाया गया था। पुलिस टीम तुरंत शास्त्री पार्क और कश्मीरी गेट के बीच जीटी रोड पर युधिष्ठिर सेतु पहुंची, जहां सड़क पर खून के धब्बे मिले। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की और महत्वपूर्ण सबूत इकट्ठा किए। इस बीच ट्रॉमा सेंटर से सूचना मिली कि एक अज्ञात पुरुष को चाकू लगने के बाद बेहोश और अचेत अवस्था में कैजुअल्टी वार्ड में लाया गया था। इलाज के बावजूद चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। शास्त्री पार्क थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान सीलमपुर के एसीपी मलकीत सिंह की देखरेख में और शास्त्री पार्क पुलिस स्टेशन के एसएचओ इंस्पेक्टर मंजीत तोमर के नेतृत्व में कई टीमों ने इस मामले पर लगातार काम किया। इलाके में सीसीटीवी कवरेज न होने के बावजूद टीमों ने विभिन्न स्रोतों से मेहनत से सबूत जुटाए और पीड़ित की पहचान मुसरफ (26) पिता मुबीन, निवासी चंदोली, अलवर, राजस्थान के रूप में की। आगे पता चला कि मृतक दिल्ली और जयपुर के बीच चलने वाली एक टूरिस्ट बस में हेल्पर के तौर पर काम करता था। शव का पोस्टमार्टम जीटीबी अस्पताल में करवाया गया था। पुलिस टीमों की लगातार कोशिशों के परिणामस्वरूप आरोपी अनवर (26) निवासी झुग्गी, यमुना खादर, शास्त्री पार्क का पता चला और उसे गिरफ्तार किया गया। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी अनवर ने अपराध में अपनी भूमिका कबूल की और बताया कि उसने अपने साथी के साथ मिलकर पीड़ित को लूटने की कोशिश की थी। जब पीड़ित ने विरोध किया तो उन्होंने उसे चाकू मार दिया और उसका मोबाइल फोन छीनकर मौके से भाग गए। आरोपी की निशानदेही पर मृतक का लूटा गया मोबाइल फोन और हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया गया। आगे की जांच और कार्रवाई के बाद दूसरे आरोपी इरशाद (19) को गिरफ्तार किया गया।

गोली मारकर हत्या केस में शामिल दो शूटर मुठभेड़ में गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के यमुना खादर इलाके में एक व्यक्ति की हत्या के मामले में वांछित दो शूटरों को क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान आतिफ और इस्माइल के रूप में हुई है। ये दोनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में राशिद पर दिनदहाड़े गोली चलाते दिखे थे। पुलिस के अनुसार, दोनों हत्या के बाद से फरार थे और कई टीम उनकी तलाश में जुटी थी। पुलिस ने बताया कि इस दौरान आरोपियों और पुलिस टीम के बीच गोलीबारी हुई, जिसके बाद दोनों को पकड़ लिया गया।

हत्या का आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

गांधी नगर थानाक्षेत्र के कैलाश नगर, चंद्रपुरी में हुई महिला की हत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। हत्या के आरोप में महिला के पति को मुंबई से अरेस्ट किया गया। आरोपी ने घरेलू कलह के चलते वारदात को अंजाम दिया था।

13 जून को गांधी नगर पुलिस स्टेशन को सूचना मिली कि चंद्रपुरी की रहने वाली लगभग 30 वर्षीय महिला की किसी अज्ञात व्यक्ति ने हत्या कर दी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। क्राइम और एफएसएल टीम ने घटनास्थल को सुरक्षित किया और बारीकी से जांच की। जांच के दौरान घटनास्थल से खून से सना एक चाकू बरामद किया गया, जिसके अपराध में इस्तेमाल हथियार होने का संदेह था। जांच के दौरान परिवार के सदस्यों और गवाहों के बयान दर्ज किए गए। कैमरा फुटेज से पता चला कि घटना के बाद मृतका का पति खालिद नवी घटनास्थल से भाग गया था। जांच में आरोपी के बदायूं (यूपी), हुबली (कर्नाटक), मुंबई और गोवा में कनेक्शन का पता चला, जिसके बाद इन जगहों पर खास टीमें भेजी गईं। तीन दिनों की लगातार कोशिशों और अलग-अलग राज्यों की पुलिस के बीच तालमेल के बाद आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने बताया कि उसकी शादी मृतक महिला से लगभग 15 साल पहले हुई थी और उनके तीन बच्चे हैं। पिछले एक साल से पत्नी के किसी दूसरे व्यक्ति के साथ कथित संबंधों के शक के कारण अक्सर झगड़े होते रहते थे। चाकू से हत्या के बाद आरोपी दिल्ली से भाग गया था। इसने बिना टिकट कई ट्रेनों में सफर किया और मुंबई पहुंचा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने निगम सफाई कर्मियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

- भाजपा नेतृत्व सफाई कर्मियों के हितों के लिए प्रतिबद्ध : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में आयोजित भव्य समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री एवं भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने, महापौर प्रवेश वाही की उपस्थिति में, 41 सफाई कर्मियों को स्थायी नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान मुख्यातिथि हर्ष मल्होत्रा ने कुल 5,750 दैनिक वेतन भोगी सफाई कर्मियों की वरिष्ठता सूची भी जारी की जिन्हें भविष्य में नियमित किया जाएगा। इस अवसर पर 109 दिवंगत सफाई कर्मियों के आश्रितों को करुणामूलक आधार पर नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का विषय है कि आज 41 सफाई कर्मियों को नियमित किया जा रहा है। सफाई कर्मचारी अपने मेहनत व समर्पण से नागरिकों का जीवन सुरक्षित व स्वस्थ बनाते हैं। इस अवसर पर महापौर प्रवेश वाही ने केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा के निरंतर सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। प्रवेश वाही ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा सरकार आगे भी चरणबद्ध तरीके से और भी अस्थायी सफाई कर्मियों को स्थायी करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष मल्होत्रा ने घोषणा करते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम अगले एक वर्ष के अंदर चरणबद्ध तरीके से लगभग 9345 कर्मियों को नियमित करेगी। हमारा लक्ष्य है कि दिल्ली नगर निगम का कोई भी कर्मचारी अस्थायी न रहे।

मालवीय नगर अग्निकांड में घायल हुए रोहित को 5 लाख रुपये की सहायता राशि जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घायल को भेजा भावनात्मक पत्र

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मालवीय नगर में हाल ही में हुई दुखद अग्नि दुर्घटना के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना कई लोगों की जान बचाने वाले खिड़की एक्सटेंशन निवासी रोहित मुखिया के साहस और मानवता को नमन किया है। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए रोहित के उपचार और उनके परिवार की सहायता के लिए मुख्यमंत्री ने तत्काल 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की है। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया है कि रोहित के पूर्ण स्वास्थ्य लाभ तक उपचार पर होने वाले समस्त चिकित्सा व्यय का वहन दिल्ली सरकार द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रोहित को भावनात्मक पत्र लिखकर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और इस कठिन समय में उनके एवं उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पश्चिमी दिल्ली जिला के जिलाधिकारी (डीएम) ने रोहित के आवास पर पहुंचकर उनके परिवार से मुलाकात की और 5 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक सौंपा। डीएम ने परिवार को आश्वस्त किया कि दिल्ली सरकार इस कठिन समय में उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और उपचार से संबंधित हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने पत्र में कहा कि मालवीय नगर की दुखद अग्नि दुर्घटना में रोहित के घायल होने का समाचार जानकर उन्हें गहरा दुख हुआ। इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं रोहित और उनके परिवार के साथ हैं।

दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

दिल्ली ट्रांसको लि. (राराक्षे दिल्ली सरकार का उपक्रम) निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करता है :

निविदा संख्या T25P131644 : 220 केवी सब स्टेशन ओखला में नियंत्रण कक्ष भवन की विशेष मरम्मत।

निविदा के पूर्ण विवरण के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइट्स देखें :- https://govtprocurement.delhi.gov.in (निविदा आईडी संख्या: 2026_DTL_293284_1) और www.dtl.gov.in के साथ यूनिक नंबर DTL-0049-120626.

बोली जमा करने की अंतिम तिथि : 22.07.2026, 13:00 बजे।

इस ई-निविदा के सभी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/ संशोधन/ विस्तार की तिथि/स्पष्टीकरण इत्यादि केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाएंगे। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर पधारना चाहिए।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

इलेक्ट्रानिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतू निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110055 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्रम सं0	निविदा सं0	विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	93256295A	साथ में दिए गए टेक्निकल स्पेसिफिकेशन के अनुसार LHB और ICF कोच के लिए कंप्यूटराइज्ड और ऑटोमेटेड सिंगल कार टेस्ट रिंग की सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग।	15 Nos	15-07-2026

निविदा शर्तें– 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाईट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगा।

टेंडर नोटिस सं0–93256295A दिनांक :– 17.06.2026 2078/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **अकबर, पुत्रः कमरुद्दीन, निवासीः एच.नं. जी–4/71, नजब कबाड़ी के पास, सुंदर नगरी, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No. 479/2022 U/S 379/511 IPC** के तहत एक मामला **थाना खजूरी खास, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **अकबर** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **अकबर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No. 479/2022 U/S 379/511 IPC, थाना खजूरी खास, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **अकबर**, को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 24-07-2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री श्रुति सारस्वत,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03,
उत्तर–पूर्व जिला, कमरा नंबर 22, पहली मंजिल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली।

DP/8211/NE/2026
(अदालती मामला)

हरियाणा सरकार — **निविदा सूचना**

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प जीन्द	जीन्द जिले में जीन्द में सेशन हाउस की विशेष मरम्मत + 1 कार्य।	बंद होने की तिथि 23.06.2026	17.86 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8398098075 pwdeepdjind@gmail.com
2	लोनिवि भ व प रोहतक	जिला उद्योग केन्द्र, रोहतक का निर्माण (विद्युत उपकरणों का प्रावधान केवल) + 6 कार्य।	16.06.2026 23.06.2026	109.48 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9034929655 pwd-eeed-rohtak@hry.nic.in
3	लोनिवि भ व प हिसार	सिरसा जिले में ऐलनाबाद में ज्यूडीशियल कोर्ट कॉम्पलैक्स में 57 केवीए डीजी सैट का प्रावधान + 1 कार्य।	16.06.2026 22.06.2026	23.51 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
4	लोनिवि भ व प करनाल	सैनिक कॉलोनी कुंजपुरा, जिला करनाल में स्टाफ क्वार्टर्स टाइप-ए की विशेष मरम्मत (वैद्युत सेवाएं) + 10 कार्य।	17.06.2026 24.06.2026	96.38 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
5	लोनिवि भ व प चण्डीगढ़	कुरूक्षेत्र जिले में (पेहोवा निर्वाचन क्षेत्र) कि.मी. 85.00 से 90.00 तक सहानपुर-यमुनानगर-लाडवा-कुरुक्षेत्र-पिहोवा रोड (एसएच-06) (रोड आईडी 8023) के प्लांटेशन कार्य का विकास और 2 अन्य।	22.06.2026 30.06.2026	16.06 लाख	https://etenders.hry.nic.in	779691170 eehortpwd@gmail.com
6	पंचायती राज पानीपत	गांव बराना, ब्लॉक पानीपत, जिला पानीपत में ग्राम सचिवालय का निर्माण + 5 कार्य।	17.06.2026 25.06.2026	339.49 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9068676922 prexeeng.pnp@gmail.com
7	पंचायती राज करनाल	गांव बरसात ब्लॉक घरौंडा में गली और ड्रेन का निर्माण I) एयरटेल टावर से पशु चिकित्सालय तक II) महिन्दर बलछा से आशादीप स्कूल तक III) पीर से दलेर हाउस तक + 4 कार्य।	15.06.2026 23.06.2026	106.03 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896634422 prexeeng.krl@hry.nic.in
8	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा करनाल	एमआईटीसी कॉलोनी आहिल्या बाई मार्ग करनाल में क्वार्टर नं. 3 की मरम्मत + 6 कार्य।	15.06.2026 22.06.2026	65.11 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0184-2255291 knldivn335@gmail.com
9	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा नारनौल	कैनाल कॉलोनी, नारनौल में आवास कोठी नं. आर-5 की मरम्मत / पुनरोद्धार + 1 कार्य।	बंद होने की तिथि 23.06.2026	2.21 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01282-251214 xen-wsnrl.irr@gov.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच-11/2027/180/46352/I/88/7 दि. 18.06.26

मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग इलाके में किया 'जन कल्याण शिविर' का शुभारंभ

तीन इंजन की सरकार स्वयं पहुंच रही है जनता के द्वार: रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

जनता के प्रति समर्पित तीन इंजन की सरकार स्वयं जनता के द्वार पहुंच रही है और 'सेवा, सुविधा और समाधान' के संकल्प के साथ लोगों की समस्याओं का समाधान कर रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को शालीमार बाग के संदेश विहार स्थित एमसीडी कम्युनिटी हॉल में 'जन कल्याण शिविर' का शुभारंभ करने के बाद यह संबोधन दिया।

उन्होंने कहा कि '12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के' की भावना के साथ आयोजित किए जा रहे ये शिविर 18 से 20 जून तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक राजधानी के सभी जिलों में कुल 42 स्थानों पर संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इन शिविरों का उद्देश्य नागरिकों को केंद्र सरकार एवं दिल्ली सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर त्रि नगर से विधायक तिलकराम गुप्ता सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे। यहां मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले दिल्ली के लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। कई ऐसी सुविधाएं थीं, जो वर्षों तक दिल्लीवासियों को उपलब्ध नहीं हो सकीं लेकिन अब दिल्ली सरकार जनता के नजदीक जा रही है। वहीं, प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार के मंत्रियों, लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों, विधायकों, महापौर प्रवेश वाही, उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत, एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत चहल, सदस्यों के अलावा प्रदेश महामंत्री और अन्य पदाधिकारियों ने जगह जगह जन कल्याण शिविरों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की जन कल्याणकारी यात्रा और दिल्ली सरकार के एक वर्ष के प्रयासों का लाभ सीधे नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से इन शिविरों का संचालन किया गया है। जो भी नागरिक विभिन्न योजनाओं के लिए पात्र हैं, उन्हें अब सभी विभागों द्वारा एक ही स्थान पर आवश्यक जानकारी, सहायता और पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पूरी दिल्ली में 42 स्थानों पर तीन दिनों तक चलने वाले इन शिविरों में नागरिक अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचकर विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। दिल्ली जल बोर्ड, हाउस टैक्स विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा अलग-अलग काउंटर स्थापित किए गए हैं ताकि लोगों को बिना किसी परेशानी के त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

जन कल्याण शिविर में उपलब्ध प्रमुख सुविधाएं एवं सेवाएं

इन शिविरों में नागरिकों को अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराया जा रहा है। इनमें पिंक कार्ड, राशन कार्ड, ई-श्रम कार्ड, जन धन खाता, लखपति बिटिया योजना तथा पीएम-उदय योजना से संबंधित सेवाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, आधार पंजीकरण काउंटर, 'टैलेंट हंट - हौसलों की उड़ान', राष्ट्रीय वयोश्री योजना, हाउस टैक्स संबंधी सेवाएं, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सोलर पावर संबंधी जानकारी एवं एमएसएमई और उद्योगों के लिए ऋण सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री की अपील, जन कल्याण शिविरों का लाभ उठाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के साथ दिल्ली भी विकसित दिल्ली के रूप में आगे बढ़ रही है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र व्यक्ति किसी योजना के लाभ से वंचित न रहे और शासन की सुविधाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने निकटतम जन कल्याण शिविर में पहुंचकर केंद्र सरकार एवं दिल्ली सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और उनका लाभ उठाएं।

दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने क्या कहा

दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने एनडीएमसी सामुदायिक केंद्र, बंगाली मार्केट में आयोजित जन कल्याण शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाना और नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र के हस्तसाल स्थित राजकीय बालिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जन कल्याण शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि एक ही जगह पर केंद्र और दिल्ली सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी, रजिस्ट्रेशन की सुविधाएं और नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने चांद नगर, राजौरी गार्डन में 'जन कल्याण शिविर' का उद्घाटन कर कहा कि दिल्ली सरकार ने विभिन्न स्थानों पर जनकल्याण शिविरों की शुरुआत की है।

इन स्थानों पर आयोजित हो रहे हैं जन कल्याण शिविर

1. जी.बी.एस.एस.एस., एक्स-लॉक, ब्रह्मपुरी, दिल्ली
2. जी.जी.एस.एस.एस. चीर सावरकर कॉम्प्लेक्स, साम करावल नगर, दिल्ली
3. सर्वोदय कन्या विद्यालय नं. 1, चंद नगर, दिल्ली-110018
4. राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, हस्तसाल, नई दिल्ली-110059
5. सामुदायिक केंद्र (डूसिब), सबलाइट कॉलोनी-2, नई दिल्ली-110014
6. सर्वोदय सह-शिक्षा विद्यालय, गुलाबी बाग, दिल्ली
7. सीएम श्री स्कूल, लिबासपुर, दिल्ली
8. एस. के. वी., विश्वास सगर, कड़कड़डूमा कोर्ट रोड के निकट, दिल्ली
9. राणा प्रताप सर्वोदय कन्या विद्यालय, सेक्टर-5, रोहिणी, दिल्ली
10. सीएम श्री स्कूल, अमलवास, ज्वालापुरी, कैंप नं. 4, दिल्ली
11. सर्वोदय विद्यालय, इंद्रपुरी, नई दिल्ली
12. नवयुग स्कूल, लोदी कॉलोनी, नई दिल्ली-110003
13. सामुदायिक भवन, मुख्य स्थान विहार, गोयला दीनपुर रोड, दिल्ली
14. एस. के. वी., राज नगर-2, पालम कॉलोनी, दिल्ली
15. एम.सी.डी. प्राथमिक कन्या विद्यालय, सावित्री नगर, नई दिल्ली
16. सामुदायिक भवन, पंजाबी कॉलोनी, करेला, दिल्ली
17. एम.सी.डी. सामुदायिक भवन, के-लॉक, संदेश विहार, दिल्ली
18. जी.एस.के.वी., कंझावला, दिल्ली
19. जी.बी.एस. स्कूल / सर्वोदय कन्या विद्यालय, दौडीए फ्लैट्स, ईस्ट लोजी रोड, दिल्ली
20. राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, गोकलपुर, दिल्ली-110094
21. सीएम श्री स्कूल, सी-ब्लॉक, जनकपुरी, दिल्ली
22. साकेत भवन, 55-बी, तुगलकाबाद इंस्टीट्यूसनल एरिया, नई दिल्ली-110062
23. सीएम श्री स्कूल, राउज एवेन्यू, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, दिल्ली-110002
24. जी.एस.बी.पी., बुराड़ी, दिल्ली-110084
25. ब्लॉक-17 सामुदायिक केंद्र, गीता कॉलोनी, गीता अपार्टमेंट के सामने, दिल्ली
26. सर्वोदय बाल विद्यालय, ब्लॉक-20, त्रिलोकपुरी, दिल्ली
27. राजकीय सर्वोच्य कन्या विद्यालय, एच-ब्लॉक, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110066
28. सर्वोदय विद्यालय, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली-110015
29. एम.डी.एम.सी. सामुदायिक केंद्र, बंगाली मार्केट, नई दिल्ली
30. एस. के. वी. नं. 1, सागरपुर, नई दिल्ली
31. नजफगढ़ स्टेडियम, नजफगढ़ मेट्रो स्टेशन के पीछे, दिल्ली
32. सामुदायिक केंद्र, मालवीय नगर, नई दिल्ली
33. सामुदायिक भवन एवं श्री राधा कृष्ण वाटिका, सी.सी. कॉलोनी, दिल्ली
34. सामुदायिक भवन, ऋषि नगर, रानी बाग, दिल्ली
35. एस. के. वी., प्रहलादपुर गांव, दिल्ली
36. सीएम श्री स्कूल सर्वोदय विद्यालय, लखनऊ रोड, तिमारपुर-54
37. दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली-110024
38. सर सी.वी. रमन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बुराड़ी क्रॉसिंग के निकट, आउटर रिंग रोड, धौत्पुर, निरंकारी पार्क, गोपालपुर, दिल्ली-110009
39. श्रीमती इंदिरा गांधी केंद्रीय माध्यमिक वरिष्व माध्यमिक विद्यालय, दिल्ली कैंट, दिल्ली-110010
40. सर्वोदय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुतुब, महरौली / एस.बी.वी.-1, कालका दास मार्ग, दिल्ली
41. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-5, रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली-110022
42. आचार्य तुलसी सर बाल विद्यालय, 60 फुट रोड, डॉ. अंबेडकर कॉलोनी, छतरपुर, दिल्ली

नीट परीक्षार्थियों के साथ अब अभिभावकों की चिंता भी बांटेगी दिल्ली सरकार: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। देशभर में 21 जून को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने अभूतपूर्व और मानवीय पहल करते हुए न केवल नीट परीक्षार्थियों बल्कि उनके साथ आने वाले अभिभावकों की सुविधा का भी विशेष प्रबंध किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह पहली बार है जब परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देने वालों के साथ-साथ उनके माता-पिता और परिजनों के आराम एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए कूलिंग जोन बनाए जा रहे हैं, जहां उनके बैठने की सुविधा, स्वच्छ पेयजल, शिकंजी आदि आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में नीट परीक्षा के लिए कुल 97 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 69 सरकारी विद्यालय में तथा 28 केंद्रीय विद्यालयों में हैं। इन परीक्षा केंद्रों के आसपास जिला प्रशासन द्वारा विशेष कूलिंग जोन स्थापित किए जा रहे हैं, जहां अभिभावकों और परिजनों के बैठने, विश्राम करने तथा गर्मी से राहत पाने की समुचित व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि हर वर्ष लाखों परिवार अपने बच्चों के भविष्य के सपनों के साथ परीक्षा केंद्रों तक पहुंचते हैं। परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी तो केंद्र के भीतर होते हैं, लेकिन बाहर कई घंटे तक प्रतीक्षा कर रहे माता-पिता की चिंता, धूप, गर्मी और असुविधा पर अक्सर किसी का ध्यान नहीं जाता। दिल्ली सरकार ने इस मानवीय पहलू को समझते हुए यह निर्णय लिया है कि परीक्षा के दिन अभिभावकों को असुविधा का सामना न करना पड़े।

टीईटी अनिवार्यता विषय पर दिल्ली के सभी 13 जिलों में सौंपे ज्ञापन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, दिल्ली प्रदेश (दिल्ली अध्यापक परिषद) द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) संबंधी विषय पर गुरूवार को दिल्ली के सभी 13 जिलों में जिलाधीशों के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपे गए। यह अभियान संगठन द्वारा देशव्यापी स्तर पर संचालित ज्ञापन कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसके अंतर्गत विभिन्न राज्यों में भी जिला प्रशासन के माध्यम से केंद्र सरकार तक शिक्षकों की चिंताओं एवं मांगों को पहुँचाया गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 23 अगस्त 2010 को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा संबंधी अधिसूचना तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 29 मई 2026 को दिए गए निर्णय के बाद वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के सेवा हितों, वरिष्ठता, पदोन्नति एवं अन्य वैधानिक अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका उत्पन्न हुई है। संगठन ने केंद्र सरकार से इस विषय पर आवश्यक विधायी एवं नीतिगत हस्तक्षेप करते हुए प्रभावित शिक्षकों को उचित संरक्षण प्रदान करने की मांग की है।

खबर संक्षेप

ठगी के मामले में खाताधारक गिरफ्तार

फरीदाबाद। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी करने के मामले में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने 17 जून को सीतापुर बिहार से खाताधारक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बलराम राठौर वासी गांव जिला सीतापुर उत्तरप्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में दी शिकायत में बताया कि उसके 19 दिसम्बर 2025 को पर एक लिंक प्राप्त हुआ।

आर्डर के नाम पर एक लाख 45 हजार रुपए की ठगी

फरीदाबाद। पेपर बॉक्स रीम आर्डर के नाम पर 1,45,000 रुपए की ठगी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना एनआईटी की टीम ने खाताधारक सहित 2 आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है, पहचान अवधेश सिंह व सचिन कुमार निवासी नई दिल्ली के रूप में हुई है। थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसका प्रिन्टिंग मशीन पेपर बोक्स का काम है।

अवैध नशा बेचने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा बॉर्डर व अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने अवैध नशा बेचने बारे 2 अलग-अलग मामलों में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनसे 3 ग्राम स्मैक व 430 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि अपराध शाखा बॉर्डर की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 17 जून को हिमांशु निवासी ओल्ड फरीदाबाद को 3 ग्राम स्मैक सहित बाई पास रोड मथुरा रोड से गिरफ्तार किया है।

एसआईआर अभियान के तहत डीसी आयुष सिन्हा ने भारत कॉलोनी में किया औचक निरीक्षण

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में किसी पात्र मतदाता का नाम न छूटेः डीसी आयुष सिन्हा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त आयुष सिन्हा ने वीरवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 अभियान के अंतर्गत भारत कॉलोनी क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर किए जा रहे गणना प्रपत्र वितरण एवं मतदाता सत्यापन कार्य का जायजा लिया तथा क्षेत्र के निवासियों से सीधे संवाद कर अभियान की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उनके साथ संबंधित निर्वाचन अधिकारी एसडीएम डॉ. हनी बंसल भी उपस्थित रहे।

मतदाता सत्यापन अभियान में नागरिकों से की सहयोग की अपील

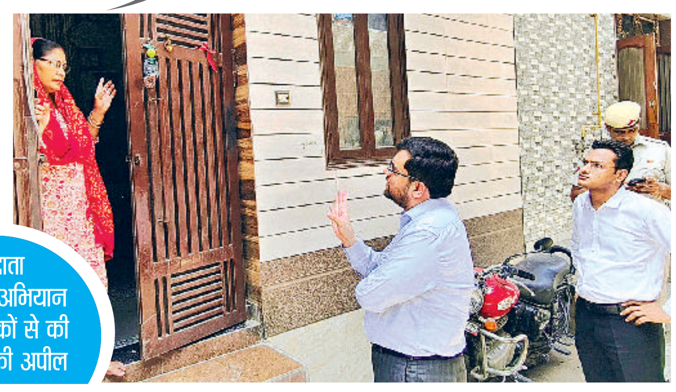

उपायुक्त आयुष सिन्हा ने निरीक्षण के दौरान विभिन्न परिवारों से बातचीत कर यह सुनिश्चित किया कि गणना प्रपत्र सही व्यक्तियों तक पहुंच रहे हैं तथा मतदाता सूची में शामिल होने योग्य प्रत्येक नागरिक का सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने मतदाताओं से उनके स्थायी निवास, मतदान केंद्र और पूर्व में मतदान करने संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा बीएलओ को निर्देश दिए कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए।

निरीक्षण के दौरान कुछ ऐसे मामलों की भी समीक्षा की गई जिनमें मतदाता वर्तमान में जिले में निवास कर रहे हैं, जबकि उनका मतदाता पंजीकरण अन्य राज्यों अथवा जिलों में दर्ज है।

प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए

इस संबंध में उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे नागरिकों को नियमानुसार आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए तथा मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त आयुष सिन्हा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि प्रशासन का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र अथवा दोहरे पंजीकरण जैसी त्रुटियों को दूर करना है। इसके लिए बीएलओ, सुपरवाइजर और निर्वाचन विभाग की टीमें पूरी सक्रियता के साथ कार्य कर रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक परिवार तक पहुंच बनाकर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री के निर्देशों से विकास कार्यों को मिलेगी नई रफ्तार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मेयर एवं वित्त एवं संविदा समिति के सदस्यों की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

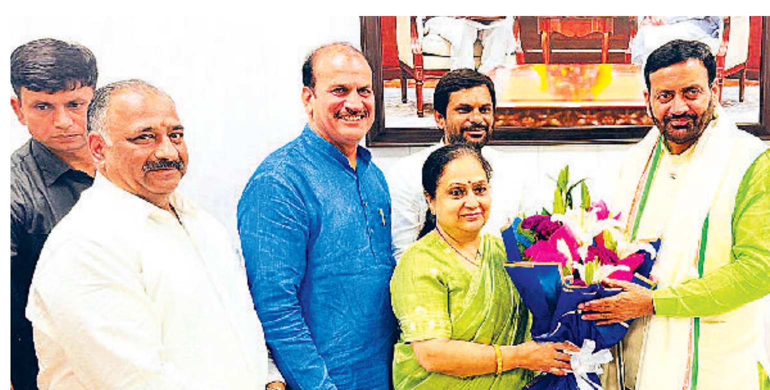

फरीदाबाद के मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने नगर निगम फरीदाबाद की नवगठित वित्त एवं संविदा समिति के सदस्यों के साथ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से उनके आवास कबीर कुटीर चंडीगढ़ में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मेयर प्रवीण बत्रा के अलावा वित्त एवं संविदा समिति के सदस्य मनोज नसवा, प्रदीप टोंगर, वरिष्ठ भाजपा नेता संदीप जोशी, मेयर के निजी सहायक योगेश सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

- फरीदाबाद की प्रमुख विकास परियोजनाओं को मिली गति

इस अवसर पर फरीदाबाद शहर के विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा नगर निगम की विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक के दौरान मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने मुख्यमंत्री को नगर निगम फरीदाबाद द्वारा संचालित एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देते हुए शहर की आवश्यकताओं और भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने विशेष रूप से अमूल्य चंद्र पार्क तथा सेक्टर-8 में आधुनिक ई.लाइब्रेरी की स्थापना, नगर निगम मुख्यालय परिसर में अत्याधुनिक कन्वेंशन हॉल के निर्माण तथा मुझेड़ी एवं प्रतापगढ़ स्थित हॉर्टिकल्चर वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांटों की क्षमता वृद्धि से संबंधित प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखे मेयर ने बताया कि अमूल्य चंद्र पार्क एवं सेक्टर-88 में प्रस्तावित ई.लाइब्रेरी परियोजनाएं युवाओं, विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए ज्ञान एवं तकनीक आधारित आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराएंगी।

वहीं नगर निगम मुख्यालय में प्रस्तावित कन्वेंशन हॉल शहर में बड़े स्तर के सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक महत्वपूर्ण आधारभूत सुविधा सिद्ध होगा। इसके अतिरिक्त मेयर ने मुझेड़ी एवं प्रतापगढ़ में संचालित हॉर्टिकल्चर वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांटों की वर्तमान क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया।

उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के निरंतर विस्तार के साथ बागवानी एवं हरित अपशिष्ट की मात्रा में भी वृद्धि हो रही है, जिसके प्रभावी एवं वैज्ञानिक निस्तारण के लिए इन प्लांटों की क्षमता में विस्तार आवश्यक है। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा बल्कि स्वच्छ एवं हरित फरीदाबाद के लक्ष्य को भी मजबूती प्राप्त होगी।

सीएम ने विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फरीदाबाद के विकास से जुड़े इन महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरता से चर्चा करते हुए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार फरीदाबाद को आधुनिक, स्वच्छ एवं विकसित शहर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और शहर के विकास से संबंधित परियोजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व विकासोन्मुख सोच एवं सकारात्मक मार्गदर्शन से फरीदाबाद निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए स्पष्ट निर्देशों के पश्चात इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को शीघ्र गति मिलेगी।

निगम प्रशासन से तोड़फोड़ बंद करने की मांग की

नेहरू कालोनी बचाओ संघर्ष समिति का धरना चौथे दिन भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नेहरू कॉलोनी बचाओ संघर्ष समिति का धरना आज चौथे दिन भी जारी रहा। आज के धरने की अध्यक्षता बलबीर सिंह, देवकी, विजेंद्र, लक्ष्मी ने संयुक्त रूप से की। धरने पर बैठे नेहरू कॉलोनी के निवासियों को अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कामरेड इंद्रजीत सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने नेहरू कॉलोनी में प्रशासन द्वारा की गई तोड़फोड़ की कठोर शब्दों में निंदा की।

उन्होंने बताया कि भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में किसी भी विकास कार्य के लिए यदि भूमि का अधिग्रहण सरकार के द्वारा किया जाता है। तो पहले उस जमीन में बसे लोगों को दूसरे स्थान पर मकान बनाकर दिए जाने का प्रावधान है। यहां पर सरकार ने सभी पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। एक तरफा कार्रवाई करके आधी रात को पहले धार्मिक स्थलों को तोड़ा गया। उसके बाद दूसरे दिन लोगों के घर तोड़ दिए गए। जिन लोगों के घर तोड़े गए वह लोग यहां पर 50 वर्ष पहले से रह रहे थे। सरकार को तोड़े गए लोगों के मकान बनाकर देने चाहिए और उन्हें मुआवजा प्रदान करना चाहिए भविष्य में तोड़फोड़ नहीं हो इसकी भी गारंटी सरकार को देनी चाहिए क्योंकि यह जमीन पुनर्वास विभाग की है। उन्होंने सरकार से तोड़फोड़ की कार्रवाई पर तुरंत प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने नेहरू कॉलोनी में जाकर इस मंजर को देखा। उन्होंने पीड़ित परिवारों से भी मुलाकात की। जिन लोगों के मकान तोड़े गए उन्होंने आप बीती बताई ।

उन्होंने कहा कि जिस दिन से मकान टूटे हैं। उस दिन से हम काफी परेशान है। पूरा परिवार सड़कों पर आ गया है। कहीं पर किराए के लिए मकान भी नहीं मिल रहा है। क्योंकि महंगाई बढ़ रही है।

मकान मालिक अधिक किराया ले रहे हैं। सरकार के द्वारा नशा बेचने के बहाने मकानों को गिरा देना उचित नहीं है। उन्होंने निगम प्रशासन से तोड़फोड़ को बंद करने की मांग की। आज के धरने को देवा भड़ाना, वीरेंद्र सिंह डंगवाल, नवल सिंह, पूनम, नरेश कुमार, आकाश, विजेंद्र सिंह, नरेश, नीता, वीना, हरीश, राम सिंह, सोनू डॉ लाल सिंह, राजू, संतरा, पूनम, नीता, देवकी, गीता बलबीर आदि ने भी संबोधित किया।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मायलोमा एंड लिंफोमा का शुभारंभ

फोर्टिस ने मायलोमा और लिंफोमा के लिए भारत का पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम ने भारत में पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मायलोमा एंड लिंफोमा का शुभारंभ किया है। इस पहल के माध्यम से ब्लड कैंसर के मरीजों के लिए स्पेश्यलाइज्ड, मरीज-केंद्रित और शोध-आधारित देखभाल प्रदान की जाएगी।

इस केंद्र को सन डिज़ीज़ वन डॉक्टर, वन फोकस के सिद्धांत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जहां विशेषज्ञों के अलावा एडवांस डायग्नॉस्टिक क्षमताओं, इनोवेटिव थेरेपी, प्रिसीजन मेडिसिन, स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन, सैलुलर थेरेपी, क्लीनिकल रिसर्च तथा व्यापक मरीज सपोर्ट सेवाओं को एक ही एकीकृत प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराया जाएगा। इस लॉन्च के बारे में, डॉ राहुल भार्गव, प्रिंसीपल डायरेक्टर एवं चीफ, हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ओंकोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम ने कहा कि भारत के पहले

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मायलोमा एंड लिंफोमा का लॉन्च जटिल एवं चुनौतीपूर्ण प्रकार के ब्लड कैंसर से जूझ रहे मरीजों के लिए अत्यंत विशिष्ट प्रकार की उपचार सुविधाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की दिशा में बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ श्रीनिधि नथानी, कंसल्टेंट, मॉलीक्यूलर हेमेटोलॉजी एंड ओंकोलॉजी, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम ने कहा, जीनोमिक्स प्रत्येक मरीज के रोग को मॉलीक्यूलर स्तर पर बेहतर तरीके से समझकर ब्लड कैंसर केयर को पुनःपरिभाषित कर रही है।

आज के पिताओं की बदलती भूमिका को दर्शाती है हैशटैग पापा हैं न फिल्म

गुरुग्राम। पिताओं को अक्सर अपने बच्चों का रक्षक माना जाता है, लेकिन उनकी भूमिका सिर्फ उन्हें चुनौतियों से बचाने तक सीमित नहीं हो। पितृत्व की इसी बदलती सोच को सामने लाते हुए एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने हैशटैग पापा हैं न एक नया डिजिटल वीडियो कमर्शियल जारी किया है। यह नई डिजिटल फिल्म एक ऐसे पिता की कहानी बयां करती है, जो यह महसूस करता है कि बच्चे को भविष्य के लिए तैयार करने का मतलब उसे हर चुनौती से बचाना नहीं, बल्कि उसे खुद जीवन की राह पर चलना सिखाना है। यह फिल्म आज के पिताओं की बदलती भूमिका को दर्शाती है, जो सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना जानते हैं, डिजिटल फिल्म के लॉन्च पर बोलते हुए एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑफ ब्रांड, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और सीएसआर रवींद्र शर्मा ने कहा कि आज पितृत्व के मायने बदल रहे हैं। बच्चों को अनिश्चितता से बचाने की कोशिश में, हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि चुनौतियां और गलतियां ही उनमें आत्मविश्वास पैदा करती हैं।

कर्मियों को अन्य कोई विकल्प और पेंशन योजना स्वीकार नहीं

एनपीएस में विकल्प नहीं, कर्मियों की मांग ओल्ड पेंशन स्कीम बहाली : सुभाष लांबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि सरकार द्वारा एनपीएस में दिया विकल्प कर्मचारियों की मांग नहीं है।

उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य कर्मियों की मांग एनपीएस में विकल्प या संशोधन नहीं है, उनकी मांग पेंशन फंड रेगुलेटरी डेवलपमेंट अथॉरिटी को रद्द कर जनवरी 2004 से पुरानी पेंशन लागू करने की है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य कर्मियों को एनपीएस और यूपीएस को स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि ओपीएस बहाली की मांग को केन्द्र और राज्यों में देशभर में आंदोलन तेज हो रहें। जिसको कमजोर करने के लिए सरकार एनपीएस में संशोधन या कोई विकल्प कर रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले भी एकतरफा तरीके यूपीएस लागू की थी, जिसके परिणाम हम सब के सामने है। उन्होंने बताया कि यूपीएस को कर्मचारियों ने स्वीकार नहीं किया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **नीरज पत्नीः** जितेंद्र **पताः** ग्राउंड फ्लोर, प्लॉट नंबर 73ए के पास की जगह, गाँव गोयला खुर्द, नजफगढ़, नई दिल्ली, ने **Ct Case 1750/2024 थानाः छावला, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नीरज** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नीरज** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct Case 1750/2024 थानाः छावला, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **नीरज** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्रीमती हरलीन सिंह
एएसजे स्पेशल इलेक्ट्रिसिटी, कमरा नंबर 609
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/8109/DW/2026
(Court Matter)

खाताधारक सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

ठगो ने टेलीग्राम के माध्यम से पार्ट-टाइम नौकरी और घर बैठे कमाई का झांसा दिया

टेलीग्राम टास्क एवं क्रिप्टो ट्रेडिंग के नाम पर 43.12 लाख रुपए की साइबर ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने टेलीग्राम टास्क एवं क्रिप्टो ट्रेडिंग के नाम पर 43.12 लाख की साइबर ठगी के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिनकी पहचान प्रशांत शर्मा, निवासी ग्राम उघनपुरा जिला आगरा उत्तर प्रदेश हाल निवासी गढ़ी चौखंडी, जिला गौतमबुद्ध नगर, विक्रम सिंह, निवासी ग्राम खेरी बांका, जिला मधुबनी हाल निवासी गढ़ी चौखंडी, थाना ममूरा जिला गौतमबुद्ध नगर तथा विवेक कुमार मंडल निवासी ग्राम सिधपकला जिला मधुबनी बिहार हाल निवासी गढ़ी चौखंडी, जिला गौतमबुद्ध नगर के रूप में हुई है। जिनको साइबर

थाना की टीम ने 17 जून को गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से काबू किया है।

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि सेक्टर-31 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 15 मई 2026 को उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। इसके बाद ठगो ने टेलीग्राम के माध्यम से पार्ट-टाइम नौकरी और घर बैठे कमाई का झांसा दिया। शुरुआत में उसको विभिन्न ऑनलाइन टास्क दिए गए, जिनमें ई-कॉमर्स वेबसाइटों के उत्पादों के लिंक पर क्लिक कर स्क्रीनशॉट सांझा करना शामिल था। ठगों ने बाद में उसको क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश करने के लिए प्रेरित किया। प्रारंभिक निवेश पर लाभ और सफल निकासी दिखाकर उसका विश्वास जीता गया। इसके बाद अधिक राशि निवेश कराने के बाद निकासी रोक दी गई और खाते में 30 से 50 प्रतिशत तक का काल्पनिक लाभ दिखाया जाता रहा। जब उसने अपनी राशि निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने खाता अपग्रेड शुल्क, एडवांस टैक्स और अन्य चार्ज के नाम पर लगातार पैसे जमा करवाए।

शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया

यहां तक कि पहले खाते को सस्पेंड बताकर नया खाता भी खुलवाया गया। उसने 17 मई से 1 जून 2026 के बीच अपने बैंक खाता में कुल 43,12,928 ठगों द्वारा बताए गये खाता में ट्रांसफर कर दिए। बाद में न तो निवेश की गई राशि वापस मिली और न ही कथित लाभ मिला। शिकायत के आधार पर साइबर थाना सेंट्रल में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि तीनों आरोपी निजी नौकरी करते हैं। विवेक कुमार मंडल खाताधारक हैए जिसके बैंक खाते में लगभग 3.80 लाख की राशि प्राप्त हुई थी। विवेक ने अपना बैंक खाता विक्रम सिंह को उपलब्ध कराया था और विक्रम ने यह खाता आगे प्रशांत शर्मा को दे दिया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाहरुख, पुत्र निजामू निवासी 100 फुटा रोड, प्रेम नगर, लोनी, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 0033725/2019 भा.द.सं. की धारा 379/411 के तहत, थाना वजीराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **शाहरुख** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **शाहरुख** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 0033725/2019 भा.द.सं. की धारा 379/411 के तहत, थाना वजीराबाद, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शाहरुख** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **20.08.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
आकाश मोहन सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-12 (केन्द्रीय)
कमरा नं.264, द्वितीय तल, तीस हजारी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/8162/N/2026

वांछित व्यक्ति की तलाश

ढीठ

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यह व्यक्ति जिसका **नामः ढीठ** पुत्र नामालूम, **उम्रः** नामालूम, **रंगः** सांवला, जिसने गुलाबी रंग की टी–शर्ट और काले रंग की पेन्ट पहने हुए थी दिनांक 18.05.2026 को थाना जहांगीरपुरी, दिल्ली के अधिकार क्षेत्र से एक व्यक्ति से के.–ब्लॉक, जी.बी.एस.एस. सरकारी स्कूल, जहांगीरपुरी, दिल्ली के पास छीना झपटी और हमला किया है। इस संबंध में प्रथम **सूचना रिपोर्ट सं. 293/2026 धारा 309(6)/311/317(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत दिनांक 18.05.2026 को थाना जहांगीरपुरी, दिल्ली** में दर्ज है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस वांछित व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो अधोलिखित को सूचित करने की कृपा करें:–

ई–मेलः cic@cbi.gov.in
वेबसाईटः http://cbi.nic.in
फैक्सः 24368639,
दूरभाषः 24368638/24368641

थानाध्यक्षः
थाना जहांगीरपुरी, दिल्ली
दूरभाष सं.: 8750870228

DP/8122/NW/2026

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	नगर निगम रोहतक	एम.सी. रोहतक में माता दरवाजा तालाब के पुनरोद्धार हेतु आकलन।	16.06.2026 26.06.2026	99.54 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467717422 xenmcrohtak@gmail.com
2	नगर निगम रोहतक	वार्ड नं. 14, एम.सी. रोहतक में 3 सीसी गलियों का निर्माण - 1. राधा स्वामी मेडिकल शॉप से जेल रोड तक, 2. शिशु मंदिर गली गौतम डेंटल क्लीनिक से ज्योति प्रकाश स्कूल तक, 3. दुर्गा कॉलोनी में हेयर ड्रेसर शॉप से मयंक जे.ई. के मकान तक।	16.06.2026 23.06.2026	61.41 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467717422 xenmcrohtak@gmail.com
3	नगर निगम रोहतक	वार्ड नं. 21, एम.सी. रोहतक में झज्जर रोड से एचपी पैट्रोल पम्प के निकट कन्हेली राजस्व रास्ता तक आईपीबी गली का निर्माण, ULB_RTK_04199.	16.06.2026 26.06.2026	83.04 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467717422 xenmcrohtak@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

संवाद–13/2027/80/46333/I/88/7 दि. 18.06.26

डॉ.मोहन यादव सरकार के प्रयासों से प्रदेश की धरती दुग्ध क्रांति के लिए तैयार

मध्यप्रदेश की धरती पर दुग्ध क्रांति से आई समृद्धि, पशुपालक हुए खुशहाल

प्रतिदिन 12 लाख लीटर दूध कलेक्शन 1300 नई गौशालाओं का निर्माण

मध्यप्रदेश में गौपालन की समृद्ध परम्परा को आगे बढ़ाते हुए अब डॉ. मोहन यादव सरकार मध्यप्रदेश को देश की दुग्ध क्रांति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दुग्ध व्यवसाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह पशुपालकों के आर्थिक स्वावलंबन का माध्यम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों और पशुपालकों की समृद्धि के नये द्वार खुल रहे हैं। डेयरी सेक्टर में निवेश बढ़ाने के लिए कार्ययोजना सरकार आगे बढ़ रही है। इस सेक्टर में गाँवो में ही रोजगार की नई सम्भावनाएं मौजूद हैं। दुग्ध उत्पादन से जुड़े किसानों और पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने सरकार अब मिशन मोड पर काम कर रही है। आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल में पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों की भागीदारी को बढ़ाया जा रहा है। पशुधन के स्वास्थ्य एवं उपचार की स्थानीय स्तर पर सुविधा मुहैया कराने के लिए ग्वालियर में पशुओं का केयर एंड वेलनेस सेंटर खोलने, ग्वालियर के पशु स्वास्थ्य एवं उपचार केन्द्र का उन्नयन करने तथा डबरा में नया पशु चिकित्सालय खोलने की घोषणा के साथ ही इस दिशा में काम शुरू हो चुका है।

पशुपालकों को बड़ी राहत

मध्यप्रदेश में पशुपालकों और डेयरी व्यवसाय से जुड़े किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से पशुपालकों को आसान ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। योजना के तहत पशुपालक बिना किसी जमानत के 1 लाख 60 हजार रुपए तक का लोन प्राप्त कर सकते हैं। इससे पशुपालकों को पशु खरीदने, चारा व्यवस्था करने, डेयरी व्यवसाय बढ़ाने और अन्य जरूरी कार्यों के लिए आर्थिक सहायता मिल रही है। सरकार का मानना है कि पशुपालन और डेयरी गतिविधियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं। आसान ऋण सुविधा मिलने से छोटे और मध्यम पशुपालकों को अपना व्यवसाय बढ़ाने में मदद मिल रही है। इससे उनकी आय बढ़ रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी बन रहे हैं।

डेयरी उद्यमियों का बढ़ा मुनाफा

डेयरी उद्यमिता को एक लाभकारी, टिकाऊ और तकनीक से जुड़े 'रोजगार सृजन मॉडल' के रूप में स्थापित करने के लिए हर स्तर पर काम जारी है। फलस्वरुप प्रदेश में 9 लाख लीटर प्रतिदिन कलेक्शन बढ़कर 12 लाख लीटर प्रतिदिन हो गया है। दूध कलेक्शन को 50 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। नस्ल सुधार, गौशालाओं को हाइटेक बनाने और स्वावलंबी बनाने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। दो साल पहले तक प्रदेश में करीब 1800 गौशालाएं थीं। गौवंश सहायता राशि 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए प्रति गौवंश करने के बाद 1300 नई गौशालाओं का निर्माण हुआ है।

देश में प्रदेश को प्रथम बनाना ही लक्ष्य

वर्तमान में मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन के मामले में देश में तीसरे स्थान पर है, सरकार का लक्ष्य प्रदेश को पहले स्थान तक पहुंचाना है। इस दिशा में शुरू किए गए प्रयास अब सफल होते दिखाई दे रहे हैं। प्रदेश में अब तक 1752 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है। इसके साथ ही दुग्ध क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई बड़े फैसले लिए गए हैं। सरकार द्वारा ग्वालियर डेयरी प्लांट के आधुनिकीकरण का कार्य किया जा रहा है। शिवपुरी डेयरी प्लांट को फिर सक्रिय कर नया जीवन दिया गया है। वहीं, इंदौर में प्रतिदिन 3 लाख लीटर क्षमता वाले मिल्क पाउडर प्लांटकी शुरुआत की गई है। सरकार का मानना है कि इन ठोस प्रयासों से प्रदेश को दुग्ध उत्पादन और विपणन के क्षेत्र में नई पहचान मिल रही है और मध्यप्रदेश तेजी से देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है।

गौशाला के लिए 10 लाख का अनुदान

हर गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और हर किसान, पशुपालक, दुग्ध उत्पादक को आत्मनिर्भर बनाने में डेयरी सेक्टर को मजबूत बनाया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन के जरिए आर्थिक स्वावलंबन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास हो रहा है। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर दूध उत्पादन बढ़ाने की ओर कदम बढ़ा दिया है। नई-नई गौशालाएं खोली जा रही हैं। मात्र 25 गायों की गौशाला खोलने वाले पशुपालक को सरकार 10 लाख रुपए प्रति यूनिट सब्सिडी दे रही है।

ऐसे आएगी दुग्ध क्रांति

देश में मध्यप्रदेश की दुग्ध उत्पादन हिस्सेदारी
9.12 प्रतिशत
****
देश में स्थान
तीसरा
****
वार्षिक दुग्ध उत्पादन
2.13 करोड़ टन से अधिक
****
नई दुग्ध सहकारी समितियां
7000+
1752 नई गठित
****
30 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता का मिल्क पाउडर संयंत्र
इंदौर में प्रारंभ
****
153 नए बल्क मिल्क कूलर स्थापित

मोबाइल ऐप बताएगा दूध का पूरा हिसाब

डिजिटल क्रांति से 'दुग्ध क्रांति' की तरफ तेजी से बढ़ रहे कदम

मध्यप्रदेश में डिजिटल क्रांति से मिल्क क्रांति की तरफ तेजी से बढ़ते कदम बढ़ रहे हैं। वजह ये है कि डेयरी सेक्टर अब तेजी से डिजिटल हो रहा है। किसानों को दूध का सही दाम और पूरी पारदर्शिता मिले, इसके लिए राज्य सरकार तकनीक का सहारा ले रही है। अब दुग्ध उत्पादकों को मोबाइल ऐप के जरिए तुरंत यह जानकारी मिल सकेगी कि उन्होंने कितना दूध दिया, उसकी गुणवत्ता क्या है और उन्हें कितना भुगतान मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डेयरी क्षेत्र को मजबूत बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अधिकारियों को समय-सीमा तय कर विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। सरकार का लक्ष्य डेयरी गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाना और प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में नई ऊंचाई तक ले जाना है। प्रदेश में दुग्ध संकलन के लिए अब मोबाइल ऐप आधारित व्यवस्था शुरू की जा रही है। इस ऐप के जरिए दूध देने वाले किसानों को तुरंत दूध की मात्रा, गुणवत्ता और उसके मूल्य की जानकारी मिल जाएगी। इससे भुगतान में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसानों का भरोसा मजबूत होगा। इसके साथ ही क्षेत्रीय संचालन और विपणन कार्य में लगे मैदानी अमले की निगरानी के लिए फील्ड फोर्स मॉनीटरिंग ऐप भी शुरू किया गया है। इससे डेयरी नेटवर्क की मॉनीटरिंग बेहतर होगी और कामकाज में तेजी आएगी।

राज्य स्तर पर फेडरेशन

योजना के मुताबिक पहले जिला स्तर पर नस्ल आधारित एसोसिएशन बनाई जाएंगी। इसके बाद चुनाव कराकर राज्य स्तरीय कार्यकारिणी गठित की जाएगी। शुरुआती दौर में इन संगठनों का संचालन प्रशासनिक सहयोग से होगा, लेकिन 3 से 5 साल के भीतर इन्हें पूरी तरह स्वायत्त बना दिया जाएगा। बाद में इनका संचालन खुद पशुपालक करेंगे। सरकार इन संगठनों को तकनीकी प्रशिक्षण, फडिंग और मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की मदद भी उपलब्ध कराएगी, ताकि प्रदेश की देसी नस्लों को नई पहचान मिल सके। इस मॉडल के लागू होने के बाद पशुपालकों की आय केवल दूध बेचने तक सीमित नहीं रहेगी। फेडरेशन के पास शुद्ध नस्ल की ब्रीडिंग का अधिकार होगा, जिससे अच्छी नस्ल के पशुओं की बाजार कीमत बढ़ेगी। पशुपालक नस्ल आधारित पशुओं की बिक्री कर अतिरिक्त आय कमा सकेंगे। इसके अलावा चारा, दवाइयां और पशुपालन से जुड़े उपकरण थोक में खरीदने से लागत भी कम होगी।

गांवों में बड़ा बदलाव

मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना बन गई राज्य में समृद्धि की मिसाल

मध्यप्रदेश सरकार पशुपालकों और किसानों की आय बढ़ाने के लिए डेयरी क्षेत्र को लगातार मजबूत कर रही है। इसी कड़ी में राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के जरिए पशुपालकों को बड़ा लाभ देने की पहल की है। इस योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को 2 मुर्रा भैंसें उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि वे डेयरी व्यवसाय शुरू कर सकें और अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें। योजना के तहत प्रति यूनिट लागत 2 लाख 95 हजार रुपए निर्धारित की है। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को रोजगार और आय का मजबूत माध्यम बनाना है। मुर्रा नस्ल की भैंसों को अधिक दूध उत्पादन के लिए जाना जाता है। सरकार का मानना है कि इस योजना से पशुपालकों को बेहतर दुग्ध उत्पादन और स्थायी आय का अवसर मिलेगा।

75 प्रतिशत तक अनुदान

सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 75 प्रतिशत तक सब्सिडी मिल रही है। इससे छोटे और आर्थिक रूप से कमजोर पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय शुरू करने में बड़ी मदद मिल रही है। डेयरी प्लस योजना के जरिए सरकार का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा किसान डेयरी व्यवसाय से जुड़ें और आत्मनिर्भर बनें।

प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों को मिले 1609 करोड़

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रदेश को दुग्ध कैपिटल बनाने का लक्ष्य बनाया उन्हों जानकारों और संबंधित विभागों से चर्चा की। तय किया लाना है। नतीजा ये हुआ की एक व्यवस्थित रणनीति के तहत काम शुरु हुआ और प्रदेश में औसत दुग्ध संकलन 9.67 लाख किलोग्राम प्रतिदिन दर्ज हुआ जो पिछले वर्ष से 11 प्रतिशत अधिक है। पिछले छह महीनों में यह 11 लाख किलोग्राम प्रतिदिन से अधिक रहा। मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है और लक्ष्य इसे पहले स्थान पर पहुंचाने का है। प्रदेश में 1752 नई दुग्ध सहकारी समितियां गठित की गईं। तथा अंबेडकर कामधेनु, विद्यासागर गौसंवर्धन और डेयरी प्लस सहित कई योजनाएं संचालित की गईं।

1609 करोड़ का दुग्ध उत्पादकों को भुगतान: दुग्ध उत्पादकों को 2025-26 में 1609 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया जो पिछले वर्ष के 1398 करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है तथा प्रति लीटर खरीद मूल्य में 2.50 से 8.50 रुपये वृद्धि की गई। इंदौर में 3 लाख लीटर क्षमता का मिल्क पाउडर प्लांट शुरू किया गया तथा ग्वालियर प्लांट के आधुनिकीकरण और शिवपुरी डेयरी के पुनर्जीवन के कार्य हुए हैं। सांची ब्रांड के अंतर्गत घी की बिक्री 17 प्रतिशत बढ़ी है तथा दही, छाछ और फ्लेवर्ड दूध की बिक्री में भी वृद्धि हुई है।

दुग्ध संकलन के लिए मजबूत हुआ नेटवर्क

सीएम डॉ.मोहन यादव के प्रयासों से 26 हजार गांव जुड़े

प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में डेयरी सेक्टर को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई ताकत बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। सरकार अब डेयरी नेटवर्क को गांव-गांव तक पहुंचाने और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर विस्तार योजना पर काम कर रही है। डेयरी विकास योजना के तहत अगले चरण में प्रदेश के 26 हजार गांवों को डेयरी नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही प्रतिदिन दुग्ध संकलन को बढ़ाकर 52 लाख किलोग्राम तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। इससे किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ेगी। सरकार केवल दूध उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि डेयरी सेक्टर को आधुनिक और तकनीक आधारित उद्योग के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। इसी उद्देश्य से नई डेयरी प्रोसेसिंग यूनिट, दुग्ध उत्पाद निर्माण इकाइयों और पशु चारा संयंत्रों के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का फोकस ऐसी व्यवस्था तैयार करने पर है, जिससे दूध की गुणवत्ता बेहतर हो और पशुपालकों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिल सके।

पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सीएम डॉ.यादव समृध्द बना रहे प्रदेश

पशुपालकों का होगा सम्मान : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ने जिला स्तर पर डेयरी से जुड़े विशेष कार्यक्रम आयोजित कर आदर्श पशुपालकों का सम्मान करने की योजना बनाई है। साथ ही दुधारू पशुओं की प्रदर्शनी और डेयरी संबंधी जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य डेयरी व्यवसाय को पारंपरिक दायरे से बाहर निकालकर उसे रोजगार और उद्यम का बड़ा माध्यम बनाना है।

बढ़ रहा डेयरी नेटवर्क : राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के बीच हुए कार्यअनुबंध के बाद प्रदेश में डेयरी नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है। वर्ष 2025-26 में 1752 नई दुग्ध समितियों का गठन किया है। इससे बड़ी संख्या में किसान और पशुपालक डेयरी गतिविधियों से जुड़ रहे हैं।

गुणवत्ता रखने पर जोर: दूध की गुणवत्ता और सुरक्षित संग्रहण सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में 153 नए बल्क मिल्क कूलर स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा दूध और दुग्ध उत्पादों की क्रेडिट पर बिक्री पूरी तरह बंद कर दी गई है, ताकि भुगतान व्यवस्था अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बन सके।

50 हजार से शुरू किया काम, आज हर महीने बढ़ रही आमदनी

धार की सुनीता लखपति दीदी बनी, दुग्ध उत्पादन से कमा रही हर माह 45 हजार रुपए

- दूध के साथ घी, पनीर, मक्खन से कमाई
- अन्य महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणा

धार जिले के उमरबन विकासखंड के मलनगांव की रहने वाली सुनीता धांगड़ ने मेहनत और हौसले के दम पर अलग पहचान बनाई है। कभी आर्थिक परेशानियों से जूझने वाली सुनीता आज सफल डेयरी व्यवसायी बन चुकी हैं। गांव में लोग अब उन्हें लखपति दीदी के नाम से पहचानते हैं। सुनीता साधारण ग्रामीण परिवार से हैं। 9 सदस्यों का परिवार खेती और थोड़े बहुत पशुपालन पर निर्भर था। कम आमदनी में परिवार चलाना मुश्किल हो रहा था। कई बार घर के खर्च पूरे करना भी चुनौती बन जाता था। सुनीता की जिंदगी में बड़ा बदलाव तब आया, जब वे बाबा रामदेव स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से उन्हें 50 हजार की आर्थिक मदद मिली। इस पैसे से उन्होंने एक भैंस खरीदी और दूध बेचने का काम शुरू किया। यहीं से उनकी सफलता की शुरुआत हुई।सुनीता हर महीने 40 हजार से 45 हजार तक की आय अर्जित कर रही हैं। वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

सरकारी योजना का लाभ मिला फिर लग गए कामयाबी के पंख

समूह के सहयोग और मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना की मदद से सुनीता को 2 लाख रुपए का ऋण मिला। इस राशि से उन्होंने तीन अच्छी नस्ल की भैंसें खरीदीं। धीरे-धीरे उनका डेयरी व्यवसाय बढ़ने लगा। अब वे स्थानीय बाजार के साथ डेयरी कंपनियों को भी दूध सप्लाई कर रही हैं। सुनीता ने घी, मक्खन और पनीर बनाकर बिक्री शुरू की। इससे उनकी आमदनी और बढ़ गई। सरकारी सहायता से पशुओं के लिए शेड भी बनवाया है।

D-16014/26

बच्चो, अगर तुम शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना चाहते हो तो तुम्हें नित्य योग करना होगा। इससे ना सिर्फ तुम्हारा दिमाग तेज होगा, मन भी शांत और प्रसन्न रहेगा। योग के और क्या-क्या फायदे हैं, जानो।

नियमित करोगे योग हमेशा रहोगे निरोग

प्रेरणा / डॉ. मोनिका शर्मा

प्यारे बच्चो, हम सब फिट रहना चाहते हैं। बीमारियों के चंगुल से दूर रहना चाहते हैं। मतलब शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ रहना चाहते हैं। यह नियमित योग करने से ही संभव है। बच्चो, एक बात और, योग एक संपूर्ण जीवनशैली है। इसमें व्यायाम के साथ ही अच्छी फूड हैबिट्स और सही दिनचर्या भी जरूरी है। ऐसा करने से ही योग करने के अनेक लाभ तुमको मिल पाएंगे।

फिट और एक्टिव रहोगे

बच्चो, नियमित योग करने से शारीरिक और मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रहने में बहुत मदद मिलती है। योग अभ्यास को अपने जीवन का हिस्सा बना लो तो तुम्हारे शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी के साथ ही इम्यूनिटी भी बढ़ेगी। योग से शरीर की मसल्स मजबूत बनती हैं। इसीलिए अपना मनपसंद खेल खेलते हुए तुम्हें थकान नहीं होगी। शारीरिक ताकत लगने वाली एक्टिविटीज करने में और आनंद आएगा। भारी बस्ता उठाने वाले कंधों में बल मिलेगा। योग अभ्यास करने से बॉडी का पोश्चर भी सही रहता है। स्कूल, ट्यूशन और घर में लंबे समय तक बैठकर पढ़ने या लैपटॉप पर काम करने से पोश्चर बिगड़ जाता है। खराब मुद्रा में बैठने, खड़े होने या लेटने से गर्दन, कंधे और बैक में पेन होने लगता है। ऐसे में रोजाना आधे घंटे भी योग को अपने रूटीन का हिस्सा बना लिया जाए तो बॉडी पोश्चर सही रखा जा सकता है।

मन रहता है शांत

योग करने से मन भी बहुत शांत रहता है। मस्तिष्क में एक संयत सक्रियता बनी रहती है, जिससे एग्जाम का स्ट्रेस, होमवर्क की टेंशन और किसी प्रतियोगिता में पीछे रह जाने का डर भी नहीं घेरता। योगासनों का अभ्यास तुम्हें पूरी एकाग्रता से अपना काम करने का मानसिक बल देता है।

बढ़ती है मेंटल स्ट्रेंथ

बच्चो, स्कूल की गतिविधियां हों या नियमित पढ़ाई। ट्यूशन के प्रोजेक्ट्स हों या क्लासरूम में मिला होमवर्क। ये सब कुछ करने के लिए मेंटल स्ट्रेंथ बहुत जरूरी है। तुम इस बात को खुद समझते हो कि बिना थके, बिना रुके, अपने रुटीन को फॉलो करना बहुत जरूरी है। मन की शक्ति से ही ऐसे हर फ्रंट पर अच्छे से परफॉर्म किया जा सकता है। योग करने से हमें यह सब करने का मानसिक बल भी मिलता है। योग से ही जुड़े प्राणायाम और मेडिटेशन के अभ्यास मन को शांत-सहज रखते हैं। किसी भी तरह के तनाव से दूर रखते हैं, जिससे अच्छी नींद आती है। चाइल्ड पोज (बालासन) नाम का आरामदायक आसन, हमारी नर्व्स को शांत कर थकान और एंग्जाइटी दूर करने में बहुत उपयोगी होता है। मस्तिष्क की कोशिकाओं को सक्रिय करने वाले योग आसनों से न केवल याददाश्त बढ़ती है, फोकस्ड रहने में भी मदद मिलती है।

बनते हैं इमोशनली स्ट्रॉन्ग

बच्चो, क्या तुम्हें भी जल्दी गुस्सा आ जाता है? कोई मजाक बनाए तो रो पड़ते हो? थोड़ी देर के लिए भी अकेले रहने में घबराहट होती है? स्विमिंग, साइकिलिंग, स्केटिंग जैसी किसी नई स्किल को सीखने में डर लगता है? अगर ऐसा है तो योग को अपने रुटीन का हिस्सा बनाकर तुम इमोशनली स्ट्रॉन्ग बन सकते हो। बच्चो, इमोशनल बैलेंस से हमें किसी भी एक्टिविटी को करने में डर नहीं लगता। इमोशनली स्ट्रॉन्ग होने से हर काम को रचनात्मक ढंग से सीखने-समझने की अप्रोच आती है।

असल में योग एक सधी हुई टेक्निक-सी है। यह हमें ऊर्जावान, खुशहाल और सकारात्मक सोच का धनी बनाता है। साथ ही गुस्सा, ईर्ष्या, उदासी और डर जैसी नकारात्मक भावनाओं से भी बचाती है। *

योग अपनाएं!

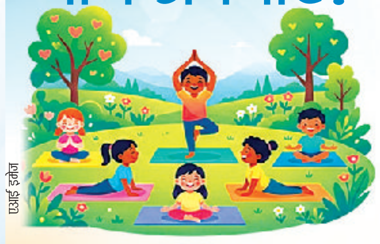

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

घोर तनाव सदा घटता है,
और लचीलापन बढ़ता है।
प्रतिरोधक क्षमता यह देता,
विकृतियों को है हर लेता।
मन-शरीर दोनों को जोड़े,
गलतफहमियां सारी तोड़े।
नियमित जब अभ्यास करेंगे,
तन में ऊर्जा नई भरेंगे।
ठीक देर तक कभी न सोना,
समय योग का तुम मत खोना।
सुंदर अपना स्वास्थ्य बनाएं,
बच्चो, चलो योग अपनाएं।
जीवन में हो योग योग का,
मिट जाएगा नाम रोग का।
अद्भुत शांति योग से मिलती,
खुशियाली की बगिया खिलती।

फीलिंग्स

लव यू पापा!

हमारे पापा हमें बहुत प्यार करते हैं। वे हर कदम पर हमारा हौसला बढ़ाते हैं, हमें मोटिवेट और इंस्पायर करते हैं। उनके साथ बिताए गए पल स्पेशल-मेमोरेबल हो जाते हैं। फादर्स-डे के अवसर पर टीवी के दो चाइल्ड आर्टिस्ट्स अपने पापा के साथ की स्पेशल मेमोरीज, उनकी सीख **बालभूमि** के साथ शेयर कर रहे हैं। यह भी बता रहे हैं, इस फादर्स-डे पर उनकी क्या खास प्लानिंग्स हैं।

मेरे लिए पापा से बेहतर कोई नहीं : अथर खान

सोनी सब चैनल पर हाल ही में शुरू हुए पौराणिक धारावाहिक 'हस्तिनापुर के वीर' में अथर खान किशोर युधिष्ठिर की भूमिका निभा रहा है। इस किरदार में वह दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। फादर्स-डे के खास मौके पर अथर अपने पिता से जुड़ी कुछ खूबसूरत यादों के बारे में बताता है, 'वैसे तो मेरे लिए पापा के साथ बिताया हुआ हर पल खास होता है। मेरी सबसे प्यारी यादों में से एक पल वह है, जब मेरी एक बर्थ-डे पर पापा के साथ मैंने जमकर डांस किया था। हमारे रिलेटिव्स और फ्रेंड्स ने हमें चीयर किया था। मेरे लिए मेरे पापा से बेहतर कोई और नहीं हो सकता।' अपने पापा की कही कुछ बातें अथर के लिए लाइफ लेसंस की तरह हैं, ये बातें कौन-सी हैं, वह बताता है, 'पापा ने मुझे दो बहुत जरूरी बातें सिखाई हैं। पहली, अपना काम हमेशा दिल और मेहनत से करो। साथ ही काम में एक ईमानदारी भी हो। पापा की दूसरी सीख यह है कि जिंदगी में सफलता के बाद कभी घमंड नहीं करो। घमंड में आकर इंसान नीचे आना शुरू कर देता है।' फादर्स-डे के लिए अथर का क्या स्पेशल प्लान है, वह बताता है, 'इस दिन मैं पापा के साथ पूरा डे-आउट प्लान करूंगा। उनके साथ घूमूंगा, लंच और डिनर भी करूंगा।' फादर्स-डे के मौके पर अथर का अपने पापा के लिए क्या मैसेज है, वह बताता है, 'पापा, मेरे लिए आप बहुत मेहनत करते हैं। हमेशा मेरा हौसला बढ़ाते हैं। पढ़ाई हो, शूटिंग हो या फिर कुछ और, हर परिस्थिति में मेरा साथ देते हैं। लव यू पापा! हैप्पी फादर्स-डे!' *

इंस्पायर करती हैं पापा की बातें : हरिति जोशी

सन नियो चैनल के शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' में तारा के किरदार में हरिति जोशी ने दर्शकों का दिल जीत रखा है। अपने पापा से जुड़ी स्पेशल मेमोरी शेयर करते हुए वह बताती है, 'एक बार मैं अपने पापा और पूरी फैमिली के साथ घूमने गई थी। उस दिन हमने साथ में गेम्स खेले, खूब मस्ती की। बहुत सारी तस्वीरें खिंचवाईं और अपनी पसंदीदा चीजें भी खाईं। हम सबने मिलकर इतना अच्छा टाइम स्पेंड किया कि वह दिन मेरी सबसे खूबसूरत यादों में शामिल हो गया।' हरिति को अपने पापा की कही बातें बहुत इंस्पायर करती हैं, वह बताती है, 'मेरे पापा कहते हैं, अपने काम हमेशा मेहनत और ईमानदारी से करना चाहिए। मेहनत और ईमानदारी से किया गया काम कभी बेकार नहीं जाता।' फादर्स-डे के लिए हरिति ने क्या कुछ स्पेशल प्लान किया है, वह बताती है, 'इस बार फादर्स-डे पर मैं अपने पापा के लिए हाथ से बनाया हुआ एक सुंदर-सा कार्ड और एक छोटा-सा गिफ्ट दूंगी। मैं उनके साथ पूरा दिन स्पेंड करूंगी ताकि उन्हें महसूस हो कि वे मेरे लिए कितने स्पेशल हैं।' फादर्स-डे पर हरिति का अपने पापा के लिए स्पेशल मैसेज है, 'पापा, आप मेरे सबसे बड़े हीरो हैं। आप हमेशा मेरा साथ देते हैं, मुझे हिम्मत देते हैं। मेरे हर सपनों पर फेथ करते हैं। इससे मुझे आगे बढ़ने की ताकत मिलती है। हैप्पी फादर्स-डे, पापा! आई लव यू!' *

प्रस्तुति : बालभूमि फीचर्स

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

पर्यावरण संरक्षण की सीख देती रोचक कहानियां

बच्चो, तुम्हारे लिए मजेदार शीर्षक वाली एक नई किताब आई है-'जंगल गाने लगा।' इस किताब में तुम्हारे लिए चार बड़ी रोचक कहानियां हैं। शीर्षक कहानी में हाथियों के आतंक से गांव वाले बहुत परेशान थे। एक दिन गांव वालों ने आपस में मिलकर तय किया कि वे रात में जागकर हाथियों को भगाने के लिए ढोल बजाएंगे और पटाखे छोड़ेंगे। उनकी तरकीब काम आई। हाथियों ने गांव में आना बंद कर दिया। इस तरह गांव वाले खुश थे। उन्हें लगने लगा जैसे कि पूरा जंगल गा रहा है, वे एकजुट होकर नाच रहे हैं। दूसरी कहानी 'हरियाली और खुशहाली' में दो भाइयों मोहन और सोहन ने मिलकर गांव में पहले तालाब खोदा फिर गांव के बुजुर्गों की सलाह और अन्य लोगों की मदद से पूरे गांव की तस्वीर ही बदल दी। अब गांव में हरियाली और खुशहाली दोनों एकसाथ दिखाई देने लगी। तीसरी कहानी 'बरगद की मौत' में बताया गया है कि शुद्ध पर्यावरण के लिए पेड़ों को न केवल लगाना जरूरी है, उनकी देखभाल करना भी जरूरी है ताकि वे बचे रहें। असल में गांव वालों की लापरवाही से हरा-भरा बरगद का पेड़ कटकर गिर गया था। इस घटना से गांव के बच्चों का मन बहुत आहत हुआ। उन्होंने मिलकर संकल्प लिया कि वे गांव में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाकर उसे हरा-भरा बनाएंगे। अंतिम कहानी 'पेड़ों से श्रृंगार' भी पर्यावरण संरक्षण पर आधारित है। कहानी कहती है कि अगर धरती पर पेड़ रहेंगे, तो न केवल हम स्वस्थ- सुरक्षित रहेंगे, हमारी अगली पीढ़ी को भी इसका लाभ मिलेगा। जानवरों पर केंद्रित मुखपृष्ठ तो इतना आकर्षक है कि किताब देखते ही इसे उठाकर पढ़ने का मन करता है। *

किताब: जंगल गाने लगा (बालकथा संग्रह), **लेखक:** अंकुश्री
मूल्य: 125 रुपए, **प्रकाशक:** साहित्यांजलि प्रकाशन, प्रयागराज

कहानी / हरीश कुमार 'अमित'

जरा-सी तबीयत बिगड़ी नहीं कि वैभव स्कूल जाना बंद कर देता। वह छोटी-छोटी तकलीफों को बहुत बड़ी तकलीफ मान लेता था। लेकिन एक दिन जब उसने देखा, पापा के हाथ में फ्रैक्चर होने पर भी उन्होंने अपने काम बंद नहीं किए, बोले, 'शो मस्ट गो ऑन!' वैभव को यह बात कितनी समझ में आई, क्या उसमें कोई बदलाव आया?

पापा ने कहा शो मस्ट गो ऑन!

वैभव पिछले दो दिनों से स्कूल नहीं जा रहा था, क्योंकि उसके दांत में दर्द था। हालांकि दर्द हल्का ही था, बहुत तेज नहीं था, लेकिन जब मम्मी ने दांत पर लौंग का तेल लगा दिया तो दर्द और कम हो गया था, लेकिन वैभव की आदत थी कि वह ऐसी छोटी-मोटी तकलीफों को भी बहुत बड़ी समस्या मान लेता था। अब दांत के इसी दर्द के कारण वह न सिर्फ स्कूल से छुट्टी पर था, बल्कि शाम को दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने भी नहीं जा रहा था।

वैभव को कभी हल्का-सा बुखार हो जाता या छोटी-मोटी चोट लग जाती या फिर हल्का-सा पेटदर्द हो जाता, वह स्कूल जाना और दोस्तों के साथ खेलना बंद कर देता था। सारा दिन बीमारों की तरह बिस्तर पर ही पड़ा रहता था। मम्मी-पापा उसे बहुत समझाते कि इस तरह की छोटी-मोटी तकलीफों को इतना बड़ा समझना ठीक नहीं है, मगर उनकी इन बातों का उस पर कोई असर नहीं होता था।

शाम को वैभव बिस्तर पर लेटकर टीवी देख रहा था, तभी पापा अपनी दुकान बंद करके घर वापस आए। उसके पापा संगमरमर की मूर्तियों का व्यापार करते थे। वैभव ने देखा कि उनकी दाईं कलाई पर प्लास्टर लगा हुआ है। मम्मी के पूछने पर पापा ने बताया, 'दोपहर को दुकान के शेल्फ में रखते वक्त एक बड़ी मूर्ति मेरी दाईं बांह पर गिर गई थी। खून तो नहीं निकला, लेकिन चोट के कारण कलाई में बहुत तेज दर्द होने लगा, मुझे डॉक्टर के पास जाना पड़ा। डॉक्टर ने मुआयना करके एक्स-रे करवाया तो पता चला कि मेरी दाईं कलाई में हल्का-सा फ्रैक्चर हो गया है। इसलिए डॉक्टर ने मेरी कलाई पर चार हफ्ते के लिए प्लास्टर लगा दिया है।' यह सब जानकर वैभव ने पूछा, 'पापा, अब तो चार हफ्ते तक दुकान बंद रहेगी न!'

'बंद क्यों रहेगी दुकान?' पापा हैरानी से बोले।

'क्योंकि, आप चार हफ्ते तक दुकान पर जा नहीं सकेंगे न।' वैभव बोला।

उसकी बात सुनकर पापा ने जानना चाहा, 'यह तुमसे किसने कहा कि मैं अगले चार हफ्ते तक दुकान पर नहीं जा पाऊंगा?'

'आपको चोट जो लगी है न पापा, आपको प्लास्टर भी लगा हुआ है।' वैभव ने जवाब दिया।

'ठीक है बेटा, चोट लगी है और प्लास्टर भी लगा है, लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि मैं चार हफ्ते के लिए दुकान बंद करके घर पर बैठ जाऊं।' पापा धीरज के साथ बोले।

'लेकिन पापा, फिर आप ठीक कैसे होंगे?' वैभव को पापा की बात समझ में नहीं आ रही थी।

'बेटा, डॉक्टर ने मुझे पूरे चार हफ्ते के लिए बिस्तर पर आराम करने के लिए थोड़ी न कहा है! बांह पर लगे प्लास्टर का ध्यान रखते हुए मैं सब काम करता रहूंगा। दुकान पर भी जाऊंगा। हां, अगर किसी से थोड़ी-बहुत मदद लेनी पड़ी तो जरूर लूंगा। बेटा, चाहे कैसी भी रुकावटें हों, कोई काम नहीं रुकना चाहिए। शो मस्ट गो ऑन!' पापा मुस्कराते हुए बोले।

थोड़ी देर बाद वैभव ने देखा कि पापा ने बाएं हाथ से अपने जूते उतारे और मुंह-हाथ धोकर कपड़े बदले। फिर टीवी का रिमोट उठाकर कुर्सी पर बैठ गए और बाएं हाथ से टीवी के चैनल बदलने लगे। मम्मी पानी का गिलास लेकर आईं तो उन्होंने बाएं हाथ से गिलास ले लिया। फिर थोड़ी देर बाद चाय के मग को भी बाएं हाथ से पकड़ा। रात का खाना भी उन्होंने उसी हाथ से खाया। पापा को अपना बायां हाथ इस्तेमाल करते हुए देख वैभव यही सोच रहा था कि दाईं कलाई पर चोट लगी होने के कारण पापा बाएं हाथ का प्रयोग कर रहे हैं।

अगली सुबह पापा को दुकान पर जाने के लिए तैयारी करते देख वैभव बिस्तर से उतरा और रसोई में काम कर रहीं मम्मी के पास जाकर बोला, 'मम्मी, मेरा स्कूल का टिफिन भी तैयार कर देना, मैं स्कूल जाऊंगा।'

'लेकिन तुम्हारे दांत का दर्द अब ठीक है क्या?' मम्मी को मालूम था कि ऐसी कोई छोटी-मोटी तकलीफ होने पर वैभव तीन-चार दिनों तक स्कूल नहीं जाता था।

'मम्मी, दर्द तो हल्का-सा है अभी, लेकिन मुझे पापा ने बहुत बड़ी सीख दे दी है। पापा बांह में फ्रैक्चर होने पर भी सभी काम कर रहे हैं, दुकान पर भी जा रहे हैं, तो फिर मैं इस हल्के-से दांत दर्द की वजह से क्यों घर बैठा रहूं? मुझे समझ आ गया है- शो मस्ट गो ऑन!'

बाहर वॉश बेसिन के सामने बाएं हाथ से दाढ़ी बनाते हुए पापा ने वैभव के मुंह से यह सब सुना तो मुस्कुरा पड़े। *

कविता / सिराज अहमद

मैं पापा की जान

पापा मेरे सच्चे साथी
मैं पापा की जान।
कभी-कभी गुस्सा करते हैं
जब गलती हो जाए
लेकिन अगले पल हंसकर
मुझको गले लगाएं
चीजें मुझे दिलाएं सारी
ले जाकर दुकान।
उनके कंधों पर मैं बैठूं
जब भी मेले जाऊं
दुनिया देखूं, ऐसी खुशियां
और कहीं न पाऊं
पापा अकसर कहते मुझसे
मैं उनकी पहचान।
मेहनत और मशक्कत से वह
बिल्कुल न घबराते
कभी टेंशन में रहते भी
हमको नहीं बताते
प्यारे पापा आप हमारे
इस घर की हैं शान।

जीके क्विज-210

1. देश के अगले आर्मी चीफ कौन होंगे?
2. 23वें फीफा वर्ल्ड कप 2026 का उद्घाटन कहां किया गया?
3. हाल में पीएम नरेंद्र मोदी को किस देश ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया?
4. भारतीय सेना में सर्वोच्च वीरता पुरस्कार कौन-सा है?
5. इसरो का मुख्यालय कहां स्थित है?
6. ताजमहल का निर्माण किस मुगल शासक ने करवाया था?
7. विश्व का सबसे छोटा महासागर कौन-सा है?
8. विद्युत धारा का एसआई मात्रक क्या है?
9. भारत का पहला सुपर कंप्यूटर कौन-सा था?
10. हॉकी में एक टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं?

बच्चो, जीके क्विज-210 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-209 का उत्तर : 1.आर. प्रज्ञानंदा, 2.डी.के. शिवकुमार, 3.ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया, 4.योगासन, 5.अश्विनी वैष्णव, 6.हाइड्रोजन, 7.कर्जन, 8.टोकोफेरॉल, 9.ग्यानिमिड, 10.21 जून

जीके क्विज-209 का सही उत्तर देने वाले : डिंपल-गरियाबंद, कबीर-हिसार, साहिल-ईमेल से, हरि कृष्ण-लुधियाना, कमल-रायपुर, सुदीप-बिलासपुर, प्रिया-बलौदा बाजार, सुमंत-महासमुंद, जिया-दुर्ग, किशन-रोहतक, संचिता-भोपाल

रंग भरो-204

रंग भरो-204 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

दिव्या, बिलासपुर

आयांश, दुर्ग

पलक, अटेली मंडी

नंदिनी, उमरिया

साक्षी, रायपुर

सिद्धि, राजनांदगांव

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

वर्णिका-खैरागढ़, दिशा-बिलासपुर, श्रेया-दुर्ग, सचिन-रोहतक, रोहित-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, डॉली-दुर्ग, दीपक-जांजगीर, सौम्या-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, कुणाल-करनाल, प्रिया-कोरबा

रंग भरो 205

बच्चो, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में हर्ष और खुशी अपने पापा को फादर्स-डे के मौके पर गिफ्ट दे रहे हैं। इस प्यारे-से चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

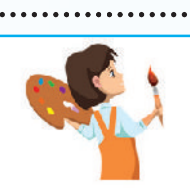

नागदा के श्री बालाजी धाम में होंगी सभी बुनियादी व्यवस्थाएं : मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण 12 वर्ष चित्रकूट में बिताए थे। राज्य सरकार दो हजार करोड़ रुपए की लागत से भव्य चित्रकूट धाम का निर्माण कर रही है। इसी प्रकार नागदा के बालाजी धाम में फर्श, बाउंड्रीवॉल और पेयजल जैसी सभी बुनियादी व्यवस्थाएं की जाएंगी। डॉ. यादव उज्जैन जिले के नागदा में बालाजी धाम में श्रीराम दरबार प्राण प्रतिष्ठा व ध्वज पूजा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि उज्जैन, इंदौर और आसपास के सभी जिलों में विकास को गति मिल रही है। इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन में धार, नागदा और रतलाम को भी शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन के लिए हजारों करोड़ के विकास कार्य तेजी से पूर्ण किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत विशेष रूप से उपस्थित थे।

कहा, इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन में शामिल हैं नागदा, धार और रतलाम

पूजा-अर्चना करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन।

मुख्यमंत्री नागदा में श्रीराम दरबार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में हुए शामिल

शांति के लिए विश्व की सनातन धर्म की ओर नजर

कर्नाटक के राज्यपाल गहलोत ने कहा कि डेलनपुर में भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है। विश्व कल्याण और शांति के लिए दुनिया आज सनातन धर्म की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। स्थानीय सांसद अनिल फिरोजिया ने श्री बालाजी धाम के निर्माण और मंदिर की विस्तार योजना पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में नारायण त्यागी महाराज, मधुसूदन त्यागी महाराज, विधायक डॉ. तेजबहादुर, विधायक सतीश मालवीय, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक दिनेश जैन, उज्जैन के महापौर मुकेश टटवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रदेश में दूध उत्पादन को 12 प्रतिशत से बढ़ा कर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा

राम राज्य की भावना से काम कर रही सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रामराज्य में नागरिकों को किसी चीज की कोई कमी नहीं थी। इसी भावना के साथ हमारी सरकार गरीब, किसान और नारी शक्ति के सशक्तिकरण द्वारा अंत्योदय के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। भगवान हनुमान के जीवन का प्रत्येक क्षण प्रभु श्रीराम के लिए समर्पित था। हमें हनुमान जी के जीवन की अच्छाईयों को धारण करना चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने गोपाल कृष्ण को आदर्श मानते हुए घर-घर गाय और दूध उत्पादन बढ़ाने का संकल्प लिया है। इसके लिए, डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना की शुरुआत की है। योजना अंतर्गत 10 लाख रुपए अनुदान का प्रावधान किया है। प्रदेश में दूध उत्पादन को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। राज्य में प्राकृतिक खेती और गौ-पालन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रति गाय 1100 रुपए महीना सहायता दी जाएगी।

महिदपुर को सामाकोटा बैराज और 13 उप स्वास्थ्य केंद्रों के लिए नए भवन की सौगात

सीएम बोले- डोंगला से गुजरने वाला नया फोरलेन लिखेगा महिदपुर की नई तकदीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सामाकोटा बैराज उज्जैन जिले में जल संरक्षण को नई ऊर्जा देगा। इससे भू-जल स्तर में सुधार होगा, जिससे हमारे अन्नदाता किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल और खेतों को नई संजीवनी मिलेगी। इतना ही नहीं, पानी की एक-एक बूंद को सहेजने का यह भागीरथ प्रयास आने वाले सिंहस्थ और उज्जैन के भविष्य के लिए मजबूत कवच बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को उज्जैन जिले की महिदपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से कुल 207 करोड़ 57 लाख रुपए की लागत वाले 19 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें करीब 188 करोड़ 42 लाख रुपए की लागत के सामाकोटा बैराज के लोकार्पण सहित क्षेत्र के 13 उप-स्वास्थ्य केंद्र के नए भवनों, महाविद्यालय एवं स्कूलों के नवीन भवनों तथा नवीन विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन सहित आसपास के क्षेत्र को मोक्षदायिनी मां क्षिप्रा जी का आशीर्वाद प्राप्त है। क्षिप्रा इस क्षेत्र के किसानों को अन्न पैदा करने के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराती है। महिदपुर भाग्यशाली है कि क्षिप्रा नदी पर बने लगभग सभी बांध और जलाशय महिदपुर में ही हैं।

मुख्यमंत्री ने महिदपुर में 207.57 करोड़ की लागत के 19 विकास कार्यों का किया लोकार्पण

कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते सीएम डॉ. यादव।

डोंगला में आधुनिक ऑब्जर्वेटरी का निर्माण कराया

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के भव्य आयोजन के लिए इन दिनों उज्जैन और आसपास हजारों करोड़ रुपए के विकास कार्य जारी हैं। डोंगला से गुजरने वाला नया फोरलेन महिदपुर की नई तकदीर लिखेगा। उन्होंने कहा कि महिदपुर शहर ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में भी अपनी अलग पहचान रखता है, इसमें भी और गति आएगी। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का स्थान महिदपुर में है। काल गणना में भी यहां के डोंगला का योगदान अतुलनीय है। राजा जयसिंह ने 300 साल पहले उज्जैन, बनारस, जयपुर, मथुरा और दिल्ली में वेधशालाओं (जंतर-मंतर) का निर्माण कराया। सम्राट विक्रमादित्य और आर्यभट्ट की विरासत को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने डोंगला में आधुनिक ऑब्जर्वेटरी का निर्माण कराया है। दुनिया अपनी घड़ी में डोंगला से स्टैंडर्ड टाइम तय करे, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

लाड़ली बहनों को अब तक 60 हजार करोड़ रुपए की राशि दी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को सम्मान निधि और लाड़ली बहनों को निरंतर राशि दी जा रही है। अब तक लाड़ली बहनों को 60 हजार करोड़ की राशि अंतरित कर चुकी है। हमारी सरकार प्रदेश के अन्नदाताओं और बहनों के सम्मान के लिए कृत संकल्पित होकर आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार ने पिछला वर्ष उद्योग और रोजगार को और यह वर्ष किसान कल्याण को समर्पित किया है। पहले सिंचित रकबा मात्र 7.5 लाख हेक्टेयर था। वर्ष 2002-03 से प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने की शुरुआत हुई। वर्ष 2023 में हमारी सरकार बनने तक प्रदेश की 44 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित थी। अब ढाई साल में ही यह आंकड़ा बढ़कर 65 लाख हेक्टेयर हो गया है। राज्य सरकार ने आगामी ढाई वर्ष में सिंचाई का रकबा बढ़ाकर 100 लाख हैक्टेयर करने का लक्ष्य रखा है।

हरियाणा के छात्रों ने सीखे खेल व टेक्नोलॉजी से जुड़े नए आइडिया

गुरुग्राम। सैमसंग इंडिया के खास प्रोग्राम 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' के तहत गुरुग्राम के ओडीएम इंटरनेशनल स्कूल में एक 'डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप' रखी गई। इस वर्कशॉप में 193 छात्रों ने हिस्सा लिया। यहाँ बच्चों को सिखाया गया कि कैसे वे टेक्नोलॉजी की मदद से समाज की समस्याओं को दूर कर सकते हैं।सैमसंग का यह प्रोग्राम देश के 100 शहरों में चलाया जा रहा है। इसका मकसद 14 से 22 साल के युवाओं को एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), सेहत, पढ़ाई और खेल के क्षेत्र में नए और अनोखे आइडियाज पर काम करने के लिए तैयार करना है।खेल की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोरवर्कशॉप में छात्रों ने इस बात पर चर्चा की कि हरियाणा खेल के मामले में देश का सबसे आगे रहने वाला राज्य है, फिर भी महंगे सामान और महंगी कोचिंग की वजह से कई होनहार खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ पाते।छात्र हर्ष गुप्ता (12वीं क्लास) ने बताया कि इस वर्कशॉप की मदद से उन्हें यह समझने में आसानी हुई कि खिलाड़ियों को असल में क्या परेशानियां आती हैं और उन्हें कैसे दूर किया जा सकता है।छात्र मोक्ष यादव (11वीं क्लास) ने कहा, ₹हम एक ऐसे सस्ते मॉडल पर काम कर रहे हैं।

एक सप्ताह लेट हो सकता है मानसून राजधानी में 40 डिग्री से नीचे गिरा पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के कई जिलों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है जिसके बाद लोगों को गर्मी से राहत मिली है। राजधानी रायपुर में भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे आ गया है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के मौसम में तेजी से बदलाव हो रहा है जिस कारण से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

हालांकि अभी राज्य में मानसून की एंट्री को लेकर विभाग की तरफ से आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बारिश का अलर्ट मौसम विभाग के अनुसार, मॉनसून की एंट्री से पहले राज्य के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। कहीं-कहीं बिजली गिरने की भी आशंका है।

मानसून की एंट्री के लिए सारे विकल्प खुले

मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों तक राज्य में ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। मानसून की एंट्री के लिए राज्य में सारे विकल्प खुले हैं। हालांकि आमतौर पर राज्य में 15 जून तक मानसून की एंट्री हो जाती है। इस बार 18 जून तक राज्य में मानसून के एंट्री की घोषणा नहीं की गई है। विभाग ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। राज्य में मानसून की एंट्री अभी नहीं हुई है उसके बाद भी प्रदेश में लगातार बारिश, आंधी तूफान का दौर जारी है। मानसूनी गतिविधियां आगे बढ़ने से प्रदेश में गर्मी से राहत मिलने लगी है। बीते 24 घंटों में तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस रायपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में रिकॉर्ड किया गया।

नीट परीक्षा के निर्विघ्न संचालन के लिए राज्य सरकार केंद्र के संपर्क में: सीएम

नीट परीक्षा के सुचारू और पारदर्शी आयोजन के लिए व्यवस्थाओं पर ध्यान

भोपाल-इंदौर सहित नीट के अधिक परीक्षा केंद्रों वाले शहरों के लिए चलाई जाएगी अतिरिक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी नीट अभ्यर्थियों को पुनः परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट परीक्षा के निर्विघ्न संचालन के लिए राज्य सरकार लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में है।

परीक्षा के सुचारु और पारदर्शी आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। व्यापक तैयारियों के साथ रोल नंबर वेरिफिकेशन भी सुनिश्चित किया जाएगा। नीट परीक्षा के लिए शहरों में अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की गई है। मुख्यमंत्री ने परीक्षा केंद्रों पर रिफ्रेशमेंट सेंटर शुरू करने के निर्देश भी दिए गए हैं। राज्य सरकार परीक्षार्थियों और अभिभावकों के आवागमन के लिए इंदौर, भोपाल सहित नीट के अधिक परीक्षा केंद्र वाले शहरों में अतिरिक्त बसों का संचालन कर रही है। परीक्षा केंद्रों पर पीने के पानी और अन्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। परीक्षार्थियों और अभिभावकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं।

ट्रेनों व रेलवे स्टेशन पर विशेष भीड़ प्रबंधन व्यवस्था

आगामी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 21 जून को आयोजित की जा रही है। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के आवागमन को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने यात्रियों एवं परीक्षार्थियों की सुविधा तथा सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक भीड़ प्रबंधन व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मंडल के क्षेत्राधिकार में स्थित परीक्षा केन्द्रों वाले प्रमुख शहरों में भोपाल, अशोकनगर, गुना, होशंगाबाद एवं विदिशा शामिल हैं। इनमें सर्वाधिक परीक्षार्थी भोपाल (13,774) में परीक्षा देंगे।

स्टेशन पर ऐसी रहेगी व्यवस्था

- वाणिज्यिक, रेलवे सुरक्षा परिचालन कर्मचारियों की अतिरिक्त तैनाती होगी।
- यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए घोषणा प्रणाली एवं पूछताछ काउंटर सक्रिय रहेंगे।
- कतार प्रबंधन एवं यात्रियों के सुचारु आवागमन के लिए आवश्यक बैरिकेडिंग एवं मार्गदर्शन व्यवस्था की जाएगी।
- परीक्षा केन्द्रों की ओर जाने वाले यात्रियों को आवश्यक जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।
- किसी भी अप्रत्याशित भीड़ अथवा विशेष स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

पेज एक का शेष

स्पष्ट किया भारत का ...

मिलकर विस्तार करेंगे। उन्होंने कहा, बीते एक दशक में भारत प्रौद्योगिकी के दम पर ही परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। वर्तमान समय में हमारे देश में सबसे बड़ी वैश्विक डिजिटल पहचान प्रणाली से लेकर भुगतान प्लेटफॉर्म तक वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, कृषि सहित अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तकनीक का व्यापक स्तर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। हमारी नजर में एआई को जीवन को बेहतर बनाना, अवसरों का विस्तार करना और विकास को गति देने के अलावा पृथ्वी को सुरक्षित रखने में मदद करनी चाहिए। इस आयोजन में भारत एआई कंट्री भागीदार के रूप में शामिल हुआ।

भारत संग साझेदारी का किया आह्वान : उन्होंने वैश्विक निवेशकों, तकनीकी कंपनियों और स्टार्टअप से यह आह्वान किया कि वह भारत के साथ साझेदारी करें। इनोवेश+इनक्लुजन+पार्टनरशिप के माध्यम से तकनीक को सभी के लिए उपयोगी बनाने पर भी पीएम ने जोर देते हुए कहा कि भारत के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास को आगे बढ़ाया जाए। गतिशक्ति, स्वामित्व योजना के गिनाए फायदेः प्रधानमंत्री ने गतिशक्ति प्लेटफार्म और स्वामित्व योजना का जिक्र करते हुए कहा कि गतिशक्ति तकनीक की मदद से जीआईएस आधारित एक मानचित्र है। जिस पर 1600 से ज्यादा भौगोलिक डेटा लेयर को एकीकृत किया गया है। जिससे पूर्व में कई महीनों में पूरी होने वाली अवसंरचना परियोजनाओं की योजना बनाने और सर्वेक्षण के कार्य को कुछ सप्ताह के भीतर ही संपन्न कर लिया जाता है। जबकि स्वामित्व योजना की शुरुआत 6 साल पहले की गई थी।

जमीनी स्तर पर बढ़ती समृद्धि : उन्होंने कहा कि भारत के तकनीकी समाधान जमीनी स्तर पर समृद्धि ला रहे हैं। 'सरलाबेन' नामक एक एआई आधारित अनुप्रयोग लाखों महिला दुग्ध उत्पादकों से उनकी अपनी भाषा में बातचीत करता है। साथ ही उन्हें सभी जरूरी विषयों को लेकर सलाह देता है। भारत में महिलाओं को ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे वह उर्वरक छिड़काव, फसल निगरानी का कार्य कर रही हैं। इसके अलावा हमारा उपग्रह डेटा मछुआरों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। जो कि उन्हें बेहतर मत्स्य क्षेत्रों की जानकारी देकर उनके ईंधन, समय और लागत की बचत करने में मददगार है।

स्थापित होती मानव क्षमता की नई सीमाएं : भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से लेकर परमाणु ऊर्जा तक मानव क्षमता की नई सीमाएं स्थापित कर रहा है। हमारा देश ही चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला सबसे पहला देश बना है। बीते समय में हमारे प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटीकेलिटी हासिल की है। जिससे भारत की त्रिस्तरीय परमाणु ऊर्जा दृष्टि, विशाल थोरियम भंडारों के उपयोग की दिशा में जरूरी प्रगति हुई है।

भारत मंडप देखने की अपील की : प्रधानमंत्री ने सम्मेलन में शामिल हुए सभी भागीदारों, आगंतुकों से वीवाटेक में लगाए गए भारत मंडप को देखने का अनुरोध किया। साथ ही कहा वहां हमारे देश की अपार ऊर्जा के अलावा आपको विश्व का पहला एकल टुकड़ा 3डी प्रिंटेड रॉकेट इंजन, उन्नत आनुवंशिक उपचार, कैंसर तथा अन्य गंभीर बीमारियों का पहचान करने वाले एआई समाधान, स्वायत्त रोबोट, साइबर-नेटवर्क सुरक्षा तकनीक, स्मार्ट शहर तथा गतिशीलता समाधान देखने को मिलेंगे।

एफिल टॉवर, पेरिस...

उपलब्ध हैं। इतना ही नहीं अब भारत में वाहन इस्तेमाल के लिए जरूरी ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेजों को भी भौतिक रूप से अपने पास रखने की कोई आवश्यकता नहीं है।

4 महीने बाद ट्रंप ने ...

समझौते का औपचारिक ऐलान किया गया, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इस अहम समझौते के तहत ईरान और लेबनान में सभी सैन्य कार्रवाइयां तुरंत रोक दी जाएंगी। साथ ही, बंद पड़े होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोला जाएगा और अमेरिका ईरान पर लगी अपनी नौसैनिक नाकेबंदी को खत्म करेगा। दिलचस्प बात यह है कि इस समझौते पर 19 जून को स्विट्जरलैंड के लूसर्न शहर में दस्तखत होने थे, लेकिन दोनों देशों ने निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही इस शांति समझौते को अंतिम रूप दे दिया।

डील से भारत में ...

को ईरान में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह के विकास को तेजी से पूरा करने का मौका मिलेगा। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा के सुचारू होने से भारत, रूस और मध्य एशिया के बीच सुरक्षित व्यापार मार्ग बहाल होगा, जिससे व्यापार लागत और समय में भारी कटौती होगी।

ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर...

अब कच्चा तेल करीब 35 डॉलर सस्ता हो चुका है। वहीं, अमेरिका का वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड भी गिरकर करीब 74 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जो पिछले तीन महीनों का इसका सबसे निचला स्तर है।

जनजातीय समुदायों की ...

की जीवनशैली स्वाभाविक रूप से आध्यात्मिक मूल्यों के अनुरूप होती है। उनका प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों से गहरा जुड़ाव उनकी सबसे बड़ी ताकत है, जो उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में सार्वभौमिक कल्याण की भावना के साथ जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने खुशी जताई कि ब्रह्माकुमारी संस्था लंबे समय से इसी सोच के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में जनजातीय समुदायों के साथ मिलकर महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

विकास और पारंपरिक मूल्यों के बीच संतुलन होना चाहिए: राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारतीय जीवन मूल्यों के अनुरूप काम करने वाले किसी भी संगठन को यह समझना चाहिए कि समाज के किसी वर्ग का सशक्तिकरण केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं हो सकता। सच्चा सशक्तिकरण तब होता है जब व्यक्ति आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और जागरूकता के साथ कार्य करे और साथ ही अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति भी सचेत रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि आध्यात्मिक जागरण व्यक्ति को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने में मदद करता है और उसे सकारात्मक सोच व जीवन के उच्च उद्देश्यों से जोड़ता है।

राष्ट्रपति का मप्र आगमन उत्साह-उमंग बढ़ाने वाला : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मध्यप्रदेश आगमन हम सबके लिए गर्व का विषय है। प्रदेश की आर्थिक राजधानी और लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की नगरी इंदौर में राष्ट्रपति का आत्मीय स्वागत और अभिनंदन है। राष्ट्रपति की इंदौर एयरपोर्ट में अगवानी के बाद मीडिया से चर्चा हुए डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रपति प्रदेश के सफल चीता प्रोजेक्ट का अवलोकन करेंगी। वे सिकलसेल एनीमिया की चुनौती का सामना करने के लिए राज्य सरकार द्वारा विकसित रणनीति के क्रियान्वयन से भी अवगत होंगी। उनका आगमन प्रदेश के लिए उत्साह और उमंग बढ़ाने वाला होगा।

अगले सप्ताह भारत ...

जुड़ी तैयारियों पर भी सभी भागीदार पक्षों से विचार-विमर्श करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता लिन जियान ने गुरुवार को बीजिंग में हुई मीडिया ब्रीफिंग में वांग यी भारत यात्रा की घोषणा की है। जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि बैठक में शामिल होने के लिए विदेश मंत्री वांग यी को भारत के एनएसए अजीत डोभाल ने आमंत्रित किया था। जिसे चीन ने स्वीकार कर लिया है। वहीं, भारत से एनएसए अजीत डोभाल ही इस अहम आयोजन में शामिल होंगे। मालूम हो कि ब्रिक्स एनएसए की पिछली बैठक 2025 में ब्राजील में हुई थी।

11 ब्रिक्स देशों के एनएसए करेंगे मंथन : यह बैठक ब्रिक्स देशों के एनएसए को एक ऐसा अहम मंच प्रदान करती है। जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण-अफ्रीका सहित समूह के सभी 11 सदस्य देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार प्रमुख सुरक्षा चुनौतियों पर विस्तृत रूप से विचार-विमर्श करेंगे। 2026 में भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता की जिम्मेदारी संभाल रहा है। जिसकी वजह से उसके नेतृत्व में यह बैठक हो रही है।

पीएम, जयशंकर संग होगी मुलाकात : चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा, विदेश मंत्री वांग यी ब्रिक्स सदस्य देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा हालात, प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मामलों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। पारंपरिक और गैर पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों के खिलाफ संयुक्त प्रतिक्रिया के मामले पर भी बैठक में चर्चा की जाएगी। इन सबके बीच यहां भारत में भी यह संभावना जताई जा रही है कि चीन के विदेश मंत्री एनएसए की बैठक से इतर अपने भारतीय समकक्ष और विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर से भी मुलाकात कर सकते हैं। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वांग यी की शिष्टाचार भेंट संभव है।

विश्व में शांति, विकास के लिए प्रतिबद्ध ब्रिक्स : लिन जियान के मुताबिक, वर्तमान में एक परिवर्तनकारी और अस्थिर दुनिया में कई सारी सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं। लेकिन ब्रिक्स देश न केवल ग्लोबल साउथ देशों के सामने अग्रणी भूमिका में खड़े हैं। बल्कि वैश्विक शांति, समान विकास, बहुपक्षवाद और अधिक वैश्विक अंतरराष्ट्रीय प्रशासन को बनाए रखने को लेकर भी प्रतिबद्ध हैं। चीन समूह देशों के बीच संचार, समन्वय को बढ़ावा देने के पक्ष है। जिससे राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा। जो कि अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता में योगदान देगा। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री वांग यी चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और सेंट्रल फॉरेन अफेयर्स कमीशन कार्यालय के निदेशक भी हैं। वह भारत-चीन सीमा विवाद के मामले में चीन के विशेष प्रतिनिधि का दायित्व भी संभाल रहे हैं। उधर, अधिकारियों ने कहा कि एनएसए डोभाल के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक हो सकती है। जिसमें एलएसी विवाद समाप्ति के बाद पूर्वी लद्दाख में सैन्य तैनाती ढांचे की रूपरेखा से लेकर हिंद महासागर क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है।

सहकारिता क्षेत्र में ...

अमित शाह ने निर्देश दिया कि ग्रामीण सहकारी बैंक 'सहकार सारथी' प्लेटफॉर्म से और शहरी सहकारी बैंक 'एनयूसीएफडीसी' से जुड़ें। इससे सहकारी बैंकिंग व्यवस्था को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम, सुरक्षित और एकीकृत बनाया जा सकेगा। बैठक में साइबर सुरक्षा को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। बताया गया कि मूल हंटर एआई को भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के साथ एकीकृत किया जा रहा है। इससे सहकारी बैंकों की धोखाधड़ी पहचान क्षमता, जोखिम प्रबंधन व्यवस्था और साइबर सुरक्षा तैयारियां मजबूत होंगी। डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते दायरे को देखते हुए इस पहल को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सहकार सारथी प्लेटफॉर्म के तहत आधार सक्षम भुगतान प्रणाली सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। इसके अलावा चुनिंदा सहकारी बैंकों में ई-केवाईसी सेवाएं भी लाइव हो चुकी हैं। सरकार ने अगस्त तक 100 सहकारी बैंकों को इस व्यवस्था से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बैठक में यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम देश के सभी शहरी सहकारी बैंकों को एक साझा तकनीकी मंच पर लाने के लिए काम कर रहा है।

बैठक में 'को-ऑप मार्क', डिजिटल मार्केटप्लेस और अंतरराष्ट्रीय विस्तार रणनीति पर भी चर्चा हुई। सरकार का मानना है कि इन पहलों के माध्यम से सहकारी उत्पादों की एक अलग पहचान बनेगी, उनकी बाजार पहुंच बढ़ेगी और वे घरेलू तथा वैश्विक बाजारों में अधिक मजबूती से टिक पाएंगे।अमित शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र को आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सक्षम और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित संस्थाओं से तय समय सीमा के भीतर रोडमैप के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने का आह्वान किया, ताकि सहकारिता आंदोलन को नई गति मिल सके और किसानों, ग्रामीण समुदायों तथा छोटे उद्यमों को इसका अधिकतम लाभ प्राप्त हो।

अभूतपूर्व बदलाव ...

साथ ही अन्य विषयों पर चर्चा की है। पीएम ने कहा कि हमारे देश की विविधता और विस्तार वैश्विक दक्षिण के लिए निर्माण समाधानों के विकास के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करते हैं।

एआई समाधानों का करेंगे विकास: उन्होंने बताया कि मिस्ट्रल एआई के आर्थर मेनश से बातचीत में एआई के तेजी से विकसित होते वैश्विक परिदृश्य पर मंथन किया। बैठक में हमने विश्वसनीय एआई, नवाचार के साथ यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि एआई मानव केंद्रित और समावेशी बनी रहे। इसके अलावा हमने भारत में विभिन्न क्षेत्रों में एआई की संभावनाओं पर भी चर्चा की है। पीएम ने बताया कि भारत मानवता की सेवा करने वाले एआई समाधानों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही नवाचार, विश्वास और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देता है।

इन कंपनियों के प्रमुखों ...

रोडोल्फ सादे के साथ हुई बातचीत में समुद्री कनेक्टिविटी, वैश्विक समुद्री परिवहन और तेजी से बढ़ते भारत के समुद्री क्षेत्र में उभरते हुए अवसरों पर चर्चा की है। जहाज-कंटेनर निर्माण, डिजिटल समुद्री नवाचार, लॉजिस्टिक्स व कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को विस्तार देने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया है। उन्होंने ये भी कहा कि तेजी से बढ़ती भारतीय बंदरगाह अवसंरचना, वैश्विक समुद्री क्षेत्र के प्रमुख खिलाड़ियों के लिए आशाजनक अवसर प्रदान करती है।

चिंतन

यूएस-ईरान डीलः दुनिया ने ली राहत की सांस

आखिरकार 111 दिनों तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान युद्ध खत्म करने पर सहमत हो गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियानने अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए। खाड़ी संकट दूर होने से दुनिया ने राहत की सांस ली है। अब उम्मीद की जा सकती है कि तेल के दाम कम होंगे, महंगाई घटेगी और सप्लाई चेन बाधित नहीं होगी। महंगाई बढ़ने की आशंकाओं पर रोक लगेगी। हालांकि सफर लंबा है। युद्ध पूर्व के हालात बहाल होने में अभी समय लगेगा। अब देखा जाए जो इस संघष में अमेरिका ने अपना नुकसान ही किया है। उसे कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। वहीं, ईरान ने भी इस युद्ध में काफी नुकसान झेला है। यहां तक की अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई तक को खो दिया। इसके अलावा भी कई बड़े नेता भी इसमें मारे गए हैं। इसके बावजूद वार्ता की मेज पर ईरान अपनी कई प्रमुख मांगों को आगे बढ़ाने में सफल दिखाई देता है। उसने इस समझौते में अपनी लगभग सभी शर्तें मनवा ली हैं। अब वह होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से पैसा वसूल सकेगा। अमेरिका उसके सभी फ्रीज खाते खोलेगा और पुनर्निर्माण में भी मदद करेगा। साथ ही ईरान पर लगा तेल बेचने का बैन भी खत्म होगा। कुल मिलाकर ईरान के लिए यह समझौता काफी मददगार साबित होगा। बिना सोचे समझे फैसला करने के आदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे अपनी जीत ही बताएंगे, लेकिन वह ऐसा कुछ भी हासिल नहीं कर सके, जिसे उनकी उपलब्धि कहा जाए। अमेरिका ने इन हमलों पर भारी भरकम खर्च किया। दूसरी तरफ ईरान ने जवाबी कार्रवाई से मुंहतोड़ जवाब दिया और खाड़ी देशों में उसके एयरबेसों को भारी नुकसान पहुंचाया। इस युद्ध से अमेरिका को अपनी सीमा भी पता चल गई। चूंकि वह ईरान में न तो सत्ता परिवर्तन करवा पाया और न ही उसके मौजूदा शासन को झटका दे पाया। इस संघर्ष ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया है। आधुनिक युद्ध केवल सैन्य ताकत का प्रदर्शन नहीं होते, बल्कि उनकी आर्थिक और राजनीतिक कीमत भी बहुत अधिक होती है। अमेरिका जैसी महाशक्ति को भी यह एहसास हुआ कि किसी देश की सरकार को केवल सैन्य कार्रवाई के जरिए बदलना आसान नहीं है। वहीं, ईरान ने भी यह दिखाया कि वह दबाव के सामने पूरी तरह झुकने को तैयार नहीं है। यही कारण रहा कि अंततः दोनों पक्षों को बातचीत का रास्ता चुनना पड़ा। फिर भी इस समझौते को अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। यह केवल एक अंतरिम व्यवस्था है, जिसके बाद कई जटिल मुद्दों पर आगे बातचीत होनी बाकी है। क्षेत्रीय सुरक्षा, प्रतिबंधों की स्थायी समाप्ति, परमाणु कार्यक्रम और पारस्परिक विश्वास बहाली जैसे विषय अभी भी चुनौती बने हुए हैं। यदि इन मुद्दों पर संतुलित समाधान नहीं निकलता, तो भविष्य में तनाव फिर बढ़ सकता है। फिलहाल इतना निश्चित है कि युद्ध की आग पर कूटनीति ने पानी डालने का काम किया है। दुनिया ने राहत की सांस ली है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक बड़े संकट से बचने का अवसर मिला है। लेकिन स्थायी शांति केवल समझौते पर हस्ताक्षर करने से नहीं आएगी। इसके लिए दोनों देशों को संयम, विश्वास और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना होगा। आने वाला समय बताएगा कि यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनता है या केवल संघर्ष के बीच एक अस्थायी विराम साबित होता है।

विश्व परिदृश्य
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

व्यापार समझौतों से विकास की इबारत

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत तेजी से व्यापार कूटनीति को अपनी विकास रणनीति का प्रमुख आधार बना रहा है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, ओमान और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की दिशा में बढ़ती प्रगति भारत के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही है। पश्चिम एशिया संकट के समाधान के बाद वैश्विक व्यापारिक माहौल में आई सकारात्मकता भी भारत के पक्ष में दिखाई दे रही है। नए व्यापार समझौते जहां निर्यात, निवेश और विनिर्माण को गति देंगे, वहीं सरल श्रम कानूनों के साथ मिलकर रोजगार सृजन और विकसित भारत के लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेंगे।

फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता जल्द आकार लेगा। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ करते कहा कि मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं, वे मेरे अच्छे दोस्त हैं और भविष्य में मैं भारत जा सकता हूं। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब दोनों देश व्यापार समझौते के लिए अपने आर्थिक-व्यापारिक मुद्दों को सुलझाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों 1 जून से 4 जून के बीच नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के बीच महत्वपूर्ण व्यापार वार्ता संपन्न हुई है। इस वार्ता के बाद दोनों देशों ने कहा कि उनके बीच द्विपक्षीय व्यापार वार्ता से संबंधित 99 प्रतिशत मुद्दे तय हो चुके हैं और दोनों देश एक पारस्परिक रूप से लाभकारी अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की राह पर हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि जी 7 सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री मोदी के साथ यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने वार्ता के दौरान कहा कि यूरोपीय संघ के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता(एफटीए) इसी वर्ष 2026 के अंत तक कार्यान्वित होने लगेगा। इतना ही नहीं, ब्रिटेन के साथ एफटीए भी आगामी 15 जुलाई से कार्यान्वित होना सुनिश्चित हो गया है।

उल्लेखनीय है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत आगामी 10 महीनों में 9 एफटीए लागू करेगा। इससे देश निर्यात, विनिर्माण और निवेश का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा। 17 जून को पश्चिम एशिया संकट के समाधान से भारत से निर्यात बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के मद्देनजर व्यापार समझौतों की अहम भूमिका उभरकर दिखाई दे रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जब इस समय वैश्विक निर्यात का ग्राफ तेजी से घट रहा है, वहीं हाल ही में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-मई माह 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले करीब 15 प्रतिशत बढ़ गया है और भारत की विकास दर भी उभरते हुए देशों में सबसे अधिक है। ऐसे में अब नए व्यापार समझौतों से इस वित्तीय वर्ष 2026-27 में जहां भारत के निर्यात तेजी से बढ़ेंगे, वहीं अर्थव्यवस्था की रफ्तार और तेज होगी। विगत एक जून को भारत और ओमान के बीच वृहद आर्थिक एवं साझेदारी समझौता (सीईपीए) लागू हो गया है। इससे आगामी पांच वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 20 अरब डॉलर के पार पहुंचने का अनुमान है। ओमान में भारत के 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों को शुल्क मुक्त प्रवेश मिलेगा। इसके जरिये ओमान में भारत के कृषि, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र, प्लास्टिक, कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान, फुटवियर व ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों को पूर्ण शुल्क समाप्ति और निर्यात विस्तार का अवसर मिलेगा। खास बात यह है कि यह समझौता दक्षिण एशिया, खाड़ी क्षेत्र और पूर्वी अफ्रीका को जोड़ने वाला एक रणनीतिक आर्थिक गलियारा स्थापित करेगा। इससे कारोबार बढ़ने के साथ रोजगार मौके भी बढ़ेंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनो 19वें रोजगार मेले में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विभिन्न देशों के साथ भारत के तेजी से आकार ले रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते और मुक्त व्यापार समझौते तथा भारत में लागू किए जा रहे सरल कानूनों से देश के तेज विकास के साथ युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर निर्मित होंगे। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि व्यापार समझौतों को भारत के हित में अधिक लाभप्रद बनाने के मद्देनजर हाल ही में पूरे देश में जमीनी स्तर पर लागू की गई चार नई श्रम संहिताएं (लेबर कोड) अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। इन चार श्रम संहिताओं-मज़दूरी संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता के तहत नए सरल श्रम कानून उद्योग-कारोबार की मजबूती और विकास की नई संभावनाओं को आकार देते हुए दिखाई देंगे। पिछले माह 15 से 20 मई तक प्रधानमंत्री मोदी ने पांच देशों-संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की आधिकारिक यात्रा के दौरान इन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार के महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। इनमें सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, रक्षा और क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौते प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता के दौरान इन देशों की 50 बड़ी वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के द्वारा भारत में अपनी व्यापार विस्तार योजनाओं के लिए लगभग 40 अरब डॉलर की राशि का निवेश संकल्प जताया गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस यात्रा के दौरान 19 मई को ओस्लो में संपन्न भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन यूरोप के नॉर्डिक क्षेत्र के साथ भारत के रिश्तों को व्यापक बनाने के मामले में अहम रहा है। नॉर्डिक देशों में उत्तरी यूरोप के डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन जैसे देश शामिल हैं। नार्डिक देशों ने अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है और इसके बदले में भारत ने इन देशों की रक्षा कंपनियों को रक्षा उद्योग गलियारे में 100 फीसदी विदेशी निवेश पहुंच प्रदान करना सुनिश्चित किया है। उल्लेखनीय है कि भारत एफटीए की डगर पर तेजी से बढ़ रहा है। विगत 27 अप्रैल को भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक एफटीए पर हस्ताक्षर हुए हैं और यह जल्द ही पूर्णतया लागू होगा। न्यूजीलैंड के साथ किए गए इस एफटीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह एफटीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत-यूरोपीय संघ के बीच हुए एफटीए को सभी समझौतों की जननी कहा गया है। साथ ही अब मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। इतना ही नहीं इस समय कनाडा, इस्राइल, रूस, पेरू, चिली, दक्षिण अफ्रीका और मेक्सिको के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर काम में तेजी आ रही है। अमेरिका और इरान के बीच शांति समझौते और पश्चिम एशिया संकट के समाधान के बाद सरकार व्यापार समझौतों के प्रभावी क्रियान्वयन की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगी। उम्मीद करें कि प्रभावी व्यापार समझौतों के आधार पर डॉलर की तुलना में रुपये की गिरावट थमेगी और रुपया मजबूत होगा। साथ ही भारत आगामी 4-5 वर्षों में दुनिया के सबसे आकर्षक शेयर बाजारों में से एक होगा और अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी। इससे भारत के द्वारा उत्पादन वृद्धि, निर्यात वृद्धि, रोजगार वृद्धि और विकास दर वृद्धि के नए अध्यायय लिखे जा सकेंगे।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विश्व सिकल दिवस
लेखक डॉ .ए .आर .दल्ला

समानता का हकदार

प्रति वर्ष 19 जून को विश्व सिकल दिवस मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वर्ष 2026 के लिए एक थीम चर्चा का विषय दी है। जीवन रक्षा की खाई को भरें सिकल सेल पर समानता सुनिश्चित करें। यह दिन जीवन के प्रबंधन की गुणवत्ता में सुधार लाने और बेहतर सुविधाओं की वकालत करने का एक वैश्विक अभियान भी है। पहले इसे सिर्फ अश्वेत अफ्रीकन (नीग्रो) लोगो का रोग माना जाता था। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से मालूम हुआ कि यह भारत, अरब, और मेडीटेरियन अफ्रीका के अन्य देशों में भी व्याप्त है। रोजी-रोटी की तलाश में जाने वाले प्रवासी अश्वेत नीग्रो के माध्यम से यह रोग अमेरिका और यूरोप के अन्य देशों में भी पहुंचा।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे एक घातक आनुवांशिक रोग चिन्हीत करते हुए कहा है कि इस रोग के प्रबंधन और जनजागरण के चलते मलेरिया, कुपोषण एवं

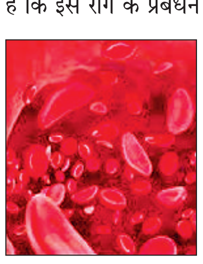

एनीमिया से होने वाली बीमारी से शिशु मृत्यू दर में कमी लाई जा सकती है। यहां यह जानना जरूरी है कि विश्व के विकसित और विकासशील देशों में स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर में बहुत अंतर है-इसमें आर्थिक संसाधनो की एक बड़ी कमी की समस्या भी सामने आती है। इसी संदर्भ मे इस वर्ष 2026 में विश्व-स्वास्थ संगठन ने एक सामायिक थीम दी है। 'जीवन रक्षा की खाई को भरे। समानता सुनिश्चित करें।' सिकल सेल एक ऐसा अनुवांशिक रोग है, जिस पर सदियों तक भ्रांतियां बनी रहीं। पहले यह रोग अश्वेत अफ्रीकन लोगों का विकार माना जाता था। विज्ञान की प्रगति के साथ मालूम हुआ कि यह भारतवर्ष, अरब और मेडेटेरियन अफ्रीका के ऐसे देशों में व्याप्त है, जहां घने जंगल है और मलेरिया का प्रकोप है। आगे चलकर यह रोग रोजी-रोटी के तलाश में जाने वाले प्रवासी अश्वेत लोगों के माध्यम से अमेरिका और यूरोप तक पहुंचा। विश्व सिकल दिवस के अवसर विश्व समुदाय एकजुट होकर लाखों सिकल ग्रसित परिवारों को संबल प्रदान करता है-जो इस अनुवांषिक व्याधि से व्यथित है। संयुक्त राष्ट्र संगठन ने विशेष रुप से कहता है कि सभी प्रभावित देशों एवं पंजीकृत सेवा संस्थाओं को एकजुट होकर सिकल रोग पर जन-चेतना का प्रसार और इलाज का प्रयास करना होगा। हमें सब मिलकर अनुसंधान, नवाचार और आवष्यक वित्तीय सहायता को बढ़ावा देना होगा।

भारतवर्ष में सिकल सेलः वर्ष 1952 तक भारतवर्ष में इस बीमारी पर जानकारी का अभाव था। समय के साथ ज्ञात हुआ कि भारत के कुछ प्रदेशों के अदिवासी पिछड़े और वंचित लोगों का एक बड़ा वर्ग इस अनुवांशिक व्याधि से प्रभावित है। यहां यह बतलाना आवश्यक है कि विकसीत और विकासशील देशों में स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक बजट में एक बहुत बड़ा गेप या अन्तर है। हमें एकजुट होकर सिकल रोग से व्याधित व्यक्तियों के परिवारों को संबल और सहायता पहुंचाना है-जो इस वंशानुगत रक्त विकार के साथ जी रहे हैं। वर्ष 2026 का विश्व सिकल दिवस का दिन सिर्फ जनजागरण का दिन नही हैं बल्कि जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और बेहतर सुविधाओं की वकालत के लिए एक वैश्विक अभियान भी है।

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के साथ ही राज्य में सिकल सेल व्याधि पर संज्ञान लिया गया। छत्तीसगढ़ की विधानसभा में वर्ष 2008 को सर्वसम्मति से सिकल सेल पर नियंत्रण का संकल्प भी सर्वसम्मति से पास हुआ। रायपुर में सिकल सेल रोग पर एक अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस के आयोजन में विश्व का ध्यान आकर्षित करने का प्रस्ताव पारित कर भारत के महामहिम राष्ट्रपति को सौंपा गया। भारत में राष्ट्रीय स्तर पर सिकल कार्यो को प्रगति तब मिली जब भारत के आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसका संज्ञान लिया। विगत वर्ष सिकल सेल की रोकथाम के लिये ''मिशन मोड'' पर वृहत प्रयास का प्रारंभ करते हुये, आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने मध्यप्रदेश के शहडोल में एक विशेष ''सिकल नियंत्रण केन्द्र'' की स्थापना की। प्रारंभिक तौर पर यह भारतवर्ष के 17 प्रभावित राज्य के 275 जिलो के आदिवासी क्षेत्रे में सिकल रोग सर्वेक्षण रोकथाम एव जनजागरण का प्रयास मिशन मोड में करेगा।

प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल व्याधि के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। भविष्य में हम सिकल गाथा की पूर्ण समाप्ति की ओर बढ़ रहे। आइए हम सब मिलकर अनुसंधान, नवाचार, और आवश्यक वित्तीय सहायता को बढ़ावा देने का प्रयास करें ताकि प्रत्येक रोगी को वह गुणवत्ता पूर्ण देखभाल और उपचार मिल सके-जिसका वह हकदार है।

लेखक- पूर्व अध्यक्ष, प्रोजेक्ट सिकल छत्तीसगढ़ एवं पूर्व चेयरमेन भारतीय रेड क्रास सोयायटी छत्तीसगढ़ प्रदेश

प्रसन्नता बन जाए परमात्मा

संकलित
दर्शन

व्यक्ति का चित्त प्रसन्न रहे तो परमात्मा के दर्शन हो जाएं। यह प्रसन्नता ही परमात्मा बन जाए। मगर आज के भागदौड़ भरे और तनाव के दौर में यह प्रसन्नता आए कैसे? तमाम लोग पैसा कमाने की भागदौड़ में लगे हैं। कोई भी ग्रंथ हो, धर्म हो, अध्यात्म हो, पैसा कमाने के लिए मना नहीं करता, लेकिन धन कमाते हुए भी यदि प्रसन्नता नहीं है तो कहीं पर ठहर कर कुछ विचार तो करना ही चाहिए। कथाओं में एक बात मैं अक्सर कहता रहता हूं। हमारे ग्रंथों में अपनी कुल आय का दशांश निकालने पर बल दिया गया। दशांश यानी जो भी आप महीने में कमा रहे हैं, उसका दस प्रतिशत हिस्सा समाज के लिए, जरूरतमंद लोगों के लिए खर्च किया जाना चाहिए। आप दो लाख रुपये कमा रहे हैं तो 20 हजार निकाल दें। आपको लगता है कि 20 हज़ार ज्यादा हैं, आप नहीं निकाल पाएंगे तो एक लाख ही कमाएं। फिर दस हजार ही निकालने होंगे। आपाधापी में लोग प्रसन्न रहना तो जैसे भूलते जा रहे हैं। अध्यात्म में प्रसन्न रहने का बहुत महत्व बताया गया है। हर व्यक्ति को प्रसन्न रहना चाहिए, क्योंकि प्रसन्नता परमात्मा तक पहुंचने का द्वार है। हमें प्रसन्न रहते हुए स्वयं की खोज करनी चाहिए। हम दूसरों को ढूंढ़ने और उनमें कमियां व खूबियाँ खोजने में लगे रहते हैं। एक नजर हमें खुद पर भी डालनी चाहिए। व्यक्ति स्वयं की खोज करें, समाज की सेवा करे और परमात्मा से प्रेम करे, उसका भजन करें, आज के समय में प्रसन्न रहने के लिए यह पर्याप्त है। बहुत ज्यादा साधनों में उलझने की आवश्यकता नहीं है।

विद्वत्ता पर कभी घमंड न करें

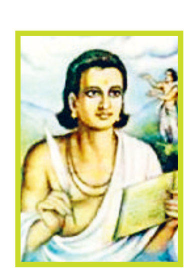

संकलित
प्रेरणा

महाकवि कालिदास रास्ते में थे। प्यास लगी। वहां एक पनिहारिन पानी भर रही थी। कालिदास बोले- माते! पानी पिला दीजिए बड़ा पुण्य होगा। पनिहारिन बोली- बेटा मैं तुम्हें जानती नहीं। अपना परिचय दो। मैं पानी पिला दूंगी। कालिदास ने कहा- मैं मेहमान हूँ, कृपया पानी पिला दें। पनिहारिन बोली- तुम मेहमान कैसे हो सकते हो ? संसार में दो ही मेहमान हैं। पहला धन और दूसरा यौवन। इन्हें जाने में समय नहीं लगता। सत्य बताओ कौन हो तुम ? तर्क से पराजित कालीदास अवाक रह गए। कालिदास बोले- मैं सहनशील हूं। अब आप पानी पिला दें। पनिहारिन ने कहाः नहीं, सहनशील तो दो ही हैं। पहली, धरती जो पापी-पुण्यात्मा सबका बोझ सहती है। उसकी छाती चीरकर बीज बो देने से भी अनाज के भंडार देती है, दूसरे पेड़ जिनको पत्थर मारो फिर भी मीठे फल देते हैं। तुम सहनशील नहीं। सच बताओ तुम कौन हो? कालिदास मूर्च्छा की स्थिति में आ गए और तर्क-वितर्क से झल्ला उठे! कुछ बोल न सकने की स्थिति में कालिदास वृद्धा पनिहारिन के पैर पर गिर पड़े और पानी की याचना में गिड़गिड़ाने लगे! वृद्धा ने कहा- उठो वत्स! आवाज़ सुनकर कालिदास ने ऊपर देखा तो साक्षात माता सरस्वती वहां खड़ी थी, कालिदास पुनः नतमस्तक हो गए। मां ने कहा- शिक्षा से ज्ञान आता है न कि अहंकार से। तूने शिक्षा के बल पर प्राप्त मान और प्रतिष्ठा को ही अपनी उपलब्धि मान लिया और अहंकार कर बैठे इसलिए मुझे तुम्हारे चक्षु खोलने के लिए ये स्वांग करना पड़ा।

अंतर्मन

आज की पाती

पूजा स्थलों का धन चुराना महापाप

चोरी को अपने आप में ही महापातक माना जाता है। बताते हैं कि चोरी करने से मिलने वाला पाप लगभग ब्रह्महत्या, गुरुहत्या, गौहत्या के ही बराबर होता है। और जो धार्मिक, आध्यात्मिक स्थल (मंदिर) में चोरी करे, उसके पापों का हिसाब लगाया जा सकता है। लेकिन कुछ और तथ्यों की जांच-पड़ताल और जानकारी भी बहुत जरूरी है। सामान्य और विशेष, सभी परिस्थितियों में मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा, गोम्पा व अन्य पूजा स्थल पर चढ़ावे के रूप में प्राप्त होने वाले करोड़ों-अरबों रुपए का लोग क्या करते हैं, कितना धन जनसेवा, लोक कल्याण में लगता है, और कितना व्यक्तिगत रूप से प्रयोग/दुरुपयोग किया जाता है। ऐसा भी अक्सर देखने में आता है कि बहुत सारे लोग इस प्रकार के धन से अपने संपूर्ण परिवार को न सिर्फ पालते ही हैं, बल्कि ऐश्वर्य, वैभव की जिंदगी जीते हैं।

- विवेक चौहान, बिलासपुर

करंट अफेयर

हाल के वर्षों में 'योग' चीन में काफी लोकप्रिय हो गया

चीन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की प्राचीन आध्यात्मिक व शारीरिक स्वास्थ्य पद्धति योग और चीन की 'एक्यूपंक्चर' और मार्शल आर्ट्स दोनों देशों के बीच साझा सभ्यतागत संबंधों को दर्शाते हैं। चीन अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी (सीआईडीसीए) के अध्यक्ष लूओ जोहुई ने बुधवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा- हाल के वर्षों में योग चीन में बहुत लोकप्रिय हो गया है। इसी तरह, चीन की एक्यूपंक्चर और मार्शल आर्ट्स भारत में काफी मशहूर है। उन्होंने इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजनयिक सिद्धार्थ चटर्जी की पुस्तक 'माय फाइव टू थ्राइव' का विमोचन किया। यह पुस्तक श्वास तकनीकों और योग पर आधारित है। लुओ ने यह टिप्पणी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले की, जो हर वर्ष चीन में उत्साह के साथ मनाया जाता है। योग दिवस हर साल 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने 2014 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी थी। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास शुक्रवार को एक बड़ा योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा। इसके बाद चीन में भारत के अन्य मिशन भी कार्यक्रम आयोजित करेंगे। चटर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि सांस लेना मानव जीवन का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है और श्वास संबंधी तकनीकें बेहतर जीवन जीने में मदद करती हैं।

ऑफ बीट

विश्व का सबसे बड़ा जलवायु खतरा जो दिखता नहीं

अटलांटिक महासागर की गहराइयों में पानी का एक विशाल प्रवाह उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से गर्मी को ग्रीनलैंड की ओर ले जाता है। इसे 'अटलांटिक मेरिडियोनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन' कहा जाता है। यह पूरी प्रक्रिया अधिकांशतः हमारी नजरों से दूर होती है, इसलिए वर्षावनों, ध्रुवीय हिम आवरण या जलवायु को नियंत्रित करने वाली अन्य विशाल प्रणालियों जैसी सार्वजनिक पहचान इसे नहीं मिली। हाल के अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि यह प्रणाली कमजोर पड़ रही है। यदि इसकी गति और धीमी होती है तो दुनिया के लगातार गर्म होने के बावजूद उत्तरी यूरोप में सर्दियां कहीं अधिक ठंडी हो सकती हैं। इसके साथ ही उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की मानसून प्रणालियों में बदलाव हो सकते हैं और अमेरिका के पूर्वी तट पर समुद्र का स्तर अचानक बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों की लगातार चेतावनियों के बावजूद एएमओसी बिरले ही सुर्खियों में आ पाता है। इसका एक कारण मीडिया स्वामित्व और संपादकीय सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन इसके पीछे एक और वजह भी है। दरअसल, एएमओसी आधुनिक पत्रकारिता के सामने एक अनोखी चुनौती पेश करता है। इसे समझना ही नहीं, इसकी कल्पना करना भी कई लोगों के लिए मुश्किल है, क्योंकि अटलांटिक महासागर की गहराइयों में धीरे-धीरे और लगभग खामोशी से संचालित होता है।

ट्रेंड

विकास यात्रा को अभूतपूर्व गति

मोदी सरकार के 12 वर्ष विकास व विरासत के संगम का स्वर्णिम कालखंड रहे हैं। इन वर्षों में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण हुआ व पीएम आवास, आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने विकास यात्रा को अभूतपूर्व गति दी। **-अमित शाह,** केंद्रीय गृहमंत्री

शानदार हज

इस साल का हज इतिहास का सबसे शानदार हज था। हजारों की संख्या में हाजियों ने सरकार का शुक्रिया अदा किया है...इस शानदार हज के कारण भारत को दो पुरस्कार मिले हैं। 1.75 लाख हाजियों का फीडबैक अच्छा रहा...सब काम समय पर हुआ। पहली बार 'शॉर्ट ड्यूरेशन हज' की शुरुआत की गई। **-किरेन रीजीजू,** केंद्रीय मंत्री

नीटः 1.32 लाख करोड़ खर्च

हर साल नीट परीक्षा देने वाले 22 लाख छात्रों से सिस्टम के जरिए 1.32 लाख करोड़ खर्च कराए जाते हैं। यह रकम देश के शिक्षा बजट 1.40 लाख करोड़ के लगभग बराबर है। मैं एक बात और जोड़ना चाहती हूं कि सरकार ने पसंदीदा कारोबारियों के जो लोन माफ किए, वे 16 लाख करोड़ रुपये हैं। **-प्रियंका गांधी,** सांसद, कांग्रेस

भ्रष्टाचार खत्म होगा

पश्चिम बंगाल कर नई भाजपा सरकार ने उन असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है, जिन्हें पिछली सरकार का संरक्षण प्राप्त था। सरकार धमकाने की संस्कृति और भ्रष्टाचार के गिरोहों को भी खत्म करेगी।' प्रदेश का संपूर्ण विकास होगा। **-आर. एन. रवि,** राज्यपाल, बंगाल

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

राज्यों को अंतिम-मील संपर्क में तेजी लाने, गुणवत्ता निगरानी को मजबूत करने और ई-मार्ग प्लेटफॉर्म को अपनाने को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए

26,000 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों को पूरा करने का लक्ष्य, केंद्र ने राज्यों के साथ योजना की समीक्षा की

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) और संबंधित ग्रामीण संपर्क पहलों के अंतर्गत 26,474 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान 18,907 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा पीएमजीएसवाई और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क संपर्क परियोजना (आरसीपीएलडब्ल्यूईए) के तहत राज्यवार भौतिक और वित्तीय प्रगति का आकलन करने के लिए आयोजित एक व्यापक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान इस इसकी जानकारी दी गई। बैठक की अध्यक्षता ग्रामीण विकास विभाग के सचिव रोहित कंसल ने की। इस समीक्षा में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, राजस्थान और तेलंगाना के अपर मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और राज्य ग्रामीण सड़क विकास एजेंसियों (एसआरआरडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

अंतिम-मील कनेक्टिविटी पर ध्यान

सचिव ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्यवार लक्ष्यों और कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की, जिसमें छूटे हुए क्षेत्रों में ग्रामीण संपर्क का पूर्ण लक्ष्य प्राप्त करने पर विशेष जोर दिया गया। राज्यों को पीएमजीएसवाई-I और पीएम-जनमन के अंतर्गत शेष सभी असंबद्ध बस्तियों के निर्माण को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया, जिसमें विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह (पीवीटीजी) बस्तियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। सचिव ने हर मौसम के अनुकूल सुगम सड़क संपर्क की आवश्यकता पर जोर देते हुए राज्यों से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में तेजी लाने, कार्यान्वयन में आ रही बाधाओं को दूर करने और लंबित सड़क परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का आग्रह किया।

बैठक में आरसीपीएलडब्ल्यूईए के तहत हुई प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। सचिव ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में सड़क अवसंरचना के रणनीतिक महत्व को समझते हुए संबंधित राज्यों को कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने और सभी स्वीकृत कार्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। राज्यों ने लक्षित कार्य योजनाएं प्रस्तुत कीं और मंत्रालय को आश्वासन दिया कि सभी लंबित कार्य और वार्षिक लक्ष्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे कर लिए जाएंगे।

इस समीक्षा का मुख्य केंद्र, ग्रामीण सड़क संपत्तियों की गुणवत्ता और दीर्घकालिक स्थिरता था। सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि टिकाऊ और विश्वसनीय ग्रामीण संपर्क सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन और प्रभावी रखरखाव तंत्र आवश्यक हैं। राज्यों से आग्रह किया गया कि वे जमीनी स्तर पर निरीक्षण को मजबूत करें, गुणवत्ता निगरानी प्रणालियों को बढ़ाएं और परियोजना निष्पादन के दौरान मजबूत निगरानी सुनिश्चित करें।

बैठक में ई-मार्ग (पीएमजीएसवाई के तहत ग्रामीण सड़कों का इलेक्ट्रॉनिक रखरखाव) प्लेटफॉर्म के व्यापक उपयोग पर भी जोर दिया गया, जिससे रखरखाव गतिविधियों की निगरानी, प्रदर्शन मूल्यांकन और भुगतान ट्रैकिंग संभव हो सकेगी। प्लेटफॉर्म को व्यापक रूप से अपनाने से ग्रामीण सड़क रखरखाव में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता में सुधार होने की उम्मीद है।

खबर संक्षेप

चंबा में एसयूवी खाई में गिरी, 7 लोगों की मौत

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में मसरूंड-हमाल मार्ग पर छत्रुंड के निकट एक एसयूवी के खाई में गिर जाने से 7 लोगों की मौत हो गई। हादसा तड़के करीब 2 बजे हुआ, जब तीन महिलाओं समेत सभी व्यक्ति महल गांव लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके चलते एसयूवी खाई में जा गिरी। एसयूवी में सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक

सूडान से आई महिला को इबोला जांच के लिए भेजा

कोट्टायम। दक्षिण सूडान से आई एक महिला को बुखार आने के बाद इबोला जांच के लिए कोट्टायम मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। स्वास्थ्य महिला बुखार के कारण बुधवार को यहां पाला के एक निजी अस्पताल में पहुंची। महिला इबोला वायरस से संक्रमित है या नहीं, उसके रक्त के नमूने एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

लापता अग्निवीर का शव खाली बैरक में मिला

फर्रुखाबाद। तीन दिन से लापता 22 वर्षीय अग्निवीर का शव यूपी के फर्रुखाबाद जिले के फतेहगढ़ में सिख लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट सेंटर के एक खाली बैरक में फंदे से लटका हुआ मिला। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान जसनप्रीत सिंह के रूप में हुई है।

रविवार को होने वाली परीक्षा के पूर्व में हुई समीक्षा बैठक में बोले केंद्रीय शिक्षा मंत्री

नीट परीक्षा में निष्पक्षता, पारदर्शिता संग दक्षता के उच्चतम मानकों पर रहे पूरा जोर: प्रधान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को एक उच्च-स्तरीय बैठक में नीट-यूजी की 21 जून को होने वाली पुनः परीक्षा की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की है। जिसमें उन्होंने मंत्रालय, राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए), राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों और विभिन्न उच्च-शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि परीक्षा प्रक्रिया में निष्पक्षता, पारदर्शिता और दक्षता के उच्चतम मानकों के साथ आवश्यक तैयारी को बनाए रखें। सभी स्तर पर समन्वय को भी मजबूत बनाए रखने पर भी उन्होंने जोर दिया है।

साथ ही राज्य सरकारों के नामित नोडल अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि छात्रों को तनाव मुक्त माहौल में परीक्षा में बैठने में सक्षम बनाने के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। शिक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी साझा की है।

21 जून को 550 शहरों में बनाए गए 5,400 केंद्रों पर परीक्षा में बैठेंगे 23 लाख छात्र

प्रधानमंत्री की परीक्षा पर पैनी नजर

इस साल नीट-यूजी की परीक्षा 3 मई को देश भर में आयोजित की गई थी। लेकिन कुछ ही दिनों के अंदर इसका पेपर लीक हो गया था। सरकार ने इस महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षा को रविवार (21 जून) को फिर से कराने का ऐलान किया है। इस बार परीक्षा के लिए सरकार ने 550 शहरों में 5 हजार 400 से अधिक केंद्र बनाए हैं। जिनमें 23 लाख छात्र नीट-यूजी की परीक्षा देंगे। वहीं, पेपर लीक के बाद पुनः परीक्षा को लेकर छात्रों और उनके माता-पिता के मन में तनाव और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कुछ छात्रों के आत्महत्या करने की दुखद खबर भी सामने आई है। पूरे हालात को देखते हुए मंत्रालय भी मामले में फिर से कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके निर्देश पर शिक्षा मंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय के चुनिंदा वरिष्ठ अधिकारी परीक्षा से जुड़ी हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। बीते कुछ वक्त से केंद्र के स्तर पर लगातार उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठकों का सिलसिला चल रहा है। परीक्षा प्रश्न पत्रों के सेट वायुसेना के मी-17 हेलिकॉप्टरों की मदद से परीक्षा केंद्रों पर भेजे जा रहे हैं।

हर स्तर पर मजबूत हो समन्वय

उन्होंने सभी स्तरों पर मजबूत समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा नामित अधिकारी मेडिकल की इस फिर से होने वाली परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी हुई गतिविधियों को लेकर सभी राज्यों में जाएंगे और एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह के नेतृत्व वाले कमांड सेंटर को रिपोर्ट करेंगे। बैठक में परीक्षा की तैयारियों, समन्वय तंत्र, सुरक्षा प्रोटोकॉल, रसद व्यवस्था, शिकायत निवारण तंत्र के साथ परीक्षा दिशानिर्देशों के पालन पर व्यापक रूप से चर्चा की गई।

222 प्रतिभागी हुए शामिल

मंत्रालय के मुताबिक, हाइब्रिड मोड में हुई इस बैठक में कुल 222 प्रतिभागियों ने भाग लिया। राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्र द्वारा वित्त पोषित संस्थानों के नोडल अधिकारी, कुलपति और देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों के निदेशकों की भागीदारी रही। सभी ने शिक्षा मंत्रालय को पूरी तरह से सहयोग देने का आश्वासन दिया और कहा कि वे परीक्षा के सुचारू संचालन, उम्मीदवारों के लिए सुगम, परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करने के लिए तमाम आवश्यक उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रोटोकॉल के पालन में न हो कोई चूक

मंत्रालय में उच्च-शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी ने कहा कि 18 से 21 जून तक यानी आज से परीक्षा वाले दिन तक का समय बेहद महत्वपूर्ण है। जिसे लेकर सभी निर्धारित प्रोटोकॉल के सख्त अनुपालन की आवश्यकता है। साथ ही सक्रिय समन्वय, निर्देशों का समय पर प्रसार किया जाना भी बेहद जरूरी है। बैठक में मौजूद स्कूली शिक्षा-साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने नीट-यूजी पुनः परीक्षा को सुगम बनाने पर जोर देते हुए कहा कि छात्रों को परीक्षा में बैठने से लेकर पीने के पानी के साथ ही अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने राज्य सरकारों के नोडल अधिकारियों से इस संबंध में पर्याप्त कदम सुनिश्चित करने का आग्रह किया। एनटीए महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा, एजेंसी जिला स्तरीय समन्वय समितियों, राज्य पुलिस विभागों, खुफिया एजेंसियों और सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रही है। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि पुनः परीक्षा का सुचारू रूप से आयोजन हो सके।

वनों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, झारखंड के जंगलों को बचाना जरूरी: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया

वन सीमाओं के आसपास निर्धारित दूरी के भीतर खनन संचालन पर रोक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में वनों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा है कि झारखंड जैसे राज्य प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हैं और इन संसाधनों को हर हाल में संरक्षित किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ झारखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें वन क्षेत्रों के निकट पत्थर खनन और स्टोन क्रशर इकाइयों के संचालन पर दूरी संबंधी प्रतिबंध लगाए गए थे।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। अदालत ने विशेष रूप से झारखंड का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के पास प्रचुर मात्रा में वन संपदा और प्राकृतिक संसाधन हैं, जिनका संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के लिए आवश्यक है। पीठ ने यह भी कहा कि पत्थर खनन और स्टोन क्रशर संचालन से संबंधित दूरी के मानकों में अचानक कमी किए जाने का मुद्दा गंभीर है और इस मामले की जांच पहले से ही झारखंड हाईकोर्ट द्वारा की जा रही है। अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालयों को संविधान के तहत विशेष दर्जा प्राप्त है और जब कोई मामला वहां विचाराधीन है, तब सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।

उल्लेखनीय है कि झारखंड हाईकोर्ट ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पहले ही वन सीमाओं के आसपास निर्धारित दूरी के भीतर पत्थर खनन और स्टोन क्रशर इकाइयों के संचालन पर रोक लगाने या प्रतिबंध लगाने संबंधी निर्देश जारी किए थे। हाईकोर्ट का उद्देश्य वन क्षेत्रों को होने वाले संभावित नुकसान को रोकना और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना था।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब देश के विभिन्न हिस्सों में खनन गतिविधियों और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने को लेकर बहस जारी है। अदालत के रुख को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के पक्ष में एक महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में पुराने ट्रकों और बसों को बदलने पर छूट देने वाली योजना में टाटा मोटर्स भी शामिल हुई, एमओयू किया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पुराने ट्रकों और बसों को बदलने की भारत सरकार की योजना के तहत, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) और टाटा मोटर्स के बीच बृहस्पतिवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत, ओईएम इस योजना के अंतर्गत खरीदे गए पात्र ट्रकों और बसों की एक्स-शोरूम कीमत पर 8 प्रतिशत की छूट देगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में, छूट की सीमा उतनी ही होगी जितनी समतुल्य सकल वाहन भार (जीवीडब्लू) श्रेणी के आतंरिक दहन इंजन (आईसीई) वाहन पर लागू होती है। भाग लेने वाले ओईएम द्वारा दी गयी 8 प्रतिशत छूट के अलावा, केंद्र सरकार 5 प्रतिशत ब्याज छूट और पांच साल की अवधि के लिए निर्धारित मासिक ईंधन वाउचर प्रदान करेगी। भाग लेने वाली राज्य सरकारें दस साल की अवधि के लिए मोटर वाहन टैक्स पर 100 प्रतिशत तक की छूट और योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के लिए पंजीकरण शुल्क में शत-प्रतिशत छूट देंगी।

सप्ताह की शुरुआत में, अशोक लीलैंड और स्विच मोबिलिटी ने भी योजना के कार्यान्वयन के लिए सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। ट्रकों और बसों के बाजार में इन कंपनियों की कुल 50% की हिस्सेदारी है।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने एमएसपी पर दालों की बड़ी खरीद को दी मंजूरी, 1,490 करोड़ रु. से अधिक का यूपी पैकेज

केंद्र का बड़ा कदम: पीएसएस के तहत चार राज्यों में दाल और तिलहन की खरीद होगी

▶▶ गुजरात में 18,250 मीट्रिक टन मूंग खरीदी को स्वीकृति, 160 करोड़ रु. से ज्यादा का प्रावधान

▶▶ हरियाणा में 2,115 मीट्रिक टन मूंग खरीदने की मंजूरी

तमिलनाडु में 990 मीट्रिक टन मूंग की खरीद होगी, पिछले साल से 105 एमटी ज्यादा

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चार राज्यों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर दालों एवं तिलहन की बड़े पैमाने पर खरीद को मंजूरी दी। मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में यह खरीद की जाएगी जिससे किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होगा और उन्हें अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने से राहत मिलेगी।

चौहान के इस फैसले के तहत उत्तर प्रदेश को सबसे बड़ा लाभ मिला है, जहां ग्रीष्म 2026 सीजन के लिए 48,298 मीट्रिक टन मूंग, 97,970 मीट्रिक टन उड़द और 41,718 मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद को मंजूरी दी गई है। इन स्वीकृतियों का कुल एमएसपी मूल्य 1,490 करोड़ रुपये से अधिक है। इससे राज्य के दाल और तिलहन उत्पादक किसानों को बड़ा सहारा मिलेगा।

शिवराज सिंह द्वारा गुजरात में ग्रीष्म 2026 सीजन के लिए 18,250 मीट्रिक टन मूंग की खरीद को मंजूरी दी गई है। यह खरीद भी पीएसएस के तहत की जाएगी और इसका कुल एमएसपी मूल्य 160 करोड़ रु. से अधिक होगा। इस निर्णय से राज्य के मूंग उत्पादक किसानों को बाजार में बेहतर मूल्य मिल सकेगा।

तमिलनाडु के मामले में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 के लिए मूंग की खरीद सीमा को 885 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 990 मीट्रिक टन कर दिया है। यानी अतिरिक्त 105 मीट्रिक टन मूंग की खरीद की जाएगी। इस स्वीकृति का कुल एमएसपी मूल्य 8.68 करोड़ रु. होगा जिससे राज्य के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। वहीं, हरियाणा में ग्रीष्म 2026 सीजन के लिए 2,115 मीट्रिक टन मूंग की खरीद को मंजूरी दी गई है जिसका कुल एमएसपी मूल्य 18 करोड़ रु. से अधिक होगा। यह निर्णय राज्य के किसानों को मूल्य समर्थन देने में अहम भूमिका निभाएगा। केंद्र सरकार का यह कदम दाल एवं तिलहन उत्पादक किसानों के हित में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिससे उन्हें एमएसपी का लाभ सुनिश्चित होगा और बाजार में कीमतों के दबाव से राहत मिलेगी।

पंजाब में संपर्क, पर्यटन एवं विकास को मिलेगा बड़ा बढ़ावा

लगभग 100 वर्षों बाद पुनर्जीवित हुआ ऐतिहासिक कादियां-ब्यास रेल परियोजना : रवनीत सिंह बिट्टू

स्थानीय लोगों की आवाजाही और परिवहन सुविधाओं में सुधार होगा

39.68 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉडगेज रेल लाइन पर लगभग 1,400 करोड़ की लागत आएगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब के माझा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में भारत सरकार ने लंबे समय से लंबित कादियां–ब्यास नई रेल लाइन परियोजना को पुनर्जीवित कर दिया है। रेल भवन में रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कादियां–ब्यास रेल लिंक के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि प्रस्तावित रेल लाइन गुरदासपुर जिले के कादियां को अमृतसर जिले के ब्यास से जोड़ेगी। लगभग 39.68 किलोमीटर लंबी इस ब्रॉडगेज रेल लाइन की अनुमानित लागत करीब 1,400 करोड़ है। इस परियोजना का क्रियान्वयन उत्तरी रेलवे द्वारा किया जाएगा। प्रस्तावित रेल मार्ग कादियां, धपाई, घुमान, बुटाला, सठियाला और ब्यास जैसे महत्वपूर्ण कस्बों एवं गांवों से होकर गुजरेगा। इससे माझा क्षेत्र के अनेक इलाकों को पहली बार रेल नेटवर्क से सीधा जुड़ाव मिलेगा तथा स्थानीय लोगों की आवाजाही और परिवहन सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। परियोजना के अंतर्गत अत्याधुनिक रेलवे अवसंरचना विकसित की जाएगी, जिसमें घुमान और बुटाला में दो क्रॉसिंग स्टेशन, 11 प्रमुख पुल, 121 लघु पुल, 54 रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी), आधुनिक सिग्नलिंग एवं दूरसंचार प्रणाली तथा भारत की स्वदेशी ट्रेन टक्कर-रोधी प्रणाली 'कवच' का प्रावधान शामिल है। परियोजना के इतिहास का उल्लेख करते हुए बिट्टू ने कहा कि कादियां-ब्यास रेल लिंक की परिकल्पना ब्रिटिश काल में की गई थी। वर्ष 1928–29 में तत्कालीन नॉर्थ-वेस्टर्न रेलवे द्वारा इस परियोजना को स्वीकृति दी गई थी तथा 1930 के दशक के प्रारंभ तक निर्माण कार्य का एक बड़ा हिस्सा पूरा भी कर लिया गया था। हालांकि बाद में बदलती परिस्थितियों और विकास प्राथमिकताओं के कारण यह परियोजना बंद कर दी गई।

191 करोड़ के पीएनबी बैंक घोटाले में सीबीआई का ताबड़तोड़ छापा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सीबीआई ने पंजाब नेशनल बैंक को कुल 191 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने से जुड़े तीन अलग-अलग बैंक धोखाधड़ी मामलों में कोलकाता में आठ स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। ये मामले टैंटिया कंस्ट्रक्शन लिमिटेड, ब्रह्म अलॉयज लिमिटेड और अमृत फीड्स लिमिटेड से संबंधित हैं। सीबीआई ने टैंटिया कंस्ट्रक्शन लिमिटेड मामले में कंपनी के निदेशकों के आवासीय परिसरों पर तलाशी ली। जांच एजेंसी के अनुसार, इस मामले में कंपनी ने पंजाब नेशनल बैंक से प्राप्त नकद ऋण (कैश क्रेडिट) और टर्म लोन सुविधाओं के जरिए करीब 73 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। आरोप है कि कंपनी ने अपनी सहायक और संबद्ध कंपनियों की दीर्घकालिक पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा गैर-मानक खातों के माध्यम से धनराशि को डायवर्ट कर बैंक के धन का दुरुपयोग किया। तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इसी तरह ब्रह्म अलॉयज लिमिटेड मामले में भी कंपनी के निदेशकों के आवासीय परिसरों पर छापेमारी की गई। यह मामला पंजाब नेशनल बैंक से प्राप्त कैश क्रेडिट सुविधा में 58 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ा है। जांच में सामने आया है कि कंपनी ने समूह की अन्य कंपनियों में इक्विटी निवेश, अन्य बैंकों में चालू खाते संचालित करने तथा लेखा पुस्तकों में हेराफेरी कर बैंक के धन का दुरुपयोग किया। इस मामले में भी तलाशी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं। वहीं, अमृत फीड्स लिमिटेड मामले में सीबीआई ने कंपनी के निदेशकों के आवासीय परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया। यह मामला पंजाब नेशनल बैंक से प्राप्त कैश क्रेडिट और टर्म लोन सुविधाओं के तहत 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से संबंधित है। आरोप है कि कंपनी ने बैंक से प्राप्त धनराशि का गबन और दुरुपयोग किया तथा संबद्ध और सहयोगी कंपनियों के लाभ के लिए धन को डायवर्ट किया। इसके अलावा कंपनी ने ऋणदाताओं की अनुमति के बिना अपनी मूर्त परिसंपत्तियां भी बेच दीं।

स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक स्विस नेशनल बैंक ने जारी किए आंकड़े

स्विस बैंकों में जमा भारतीय धन 2025 में आठ प्रतिशत गिरकर 36,793 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/ ज्यूरिख

स्विस बैंकों में जमा भारतीय धन वर्ष 2025 में आठ प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 36,793 करोड़ रुपये) रह गया। यह गिरावट स्थानीय शाखाओं और अन्य बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखी गई राशि में कमी के कारण हुई। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) की तरफ से बृहस्पतिवार को जारी वार्षिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इन आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट आने के बावजूद व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (करीब 6,000 करोड़ रुपये) हो गया।

जमाओं की हिस्सेदारी सिर्फ 16 प्रतिशत रही

हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा 'बैंकों को देय राशि' के रूप में रहा, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही।

सन 2018 से भारत के साथ सूचना का आदान-प्रदान

अंतरराष्ट्रीय निपटान बैंक (बीआईएस) के 'लोकेशनल बैंकिंग स्टैटिस्टिक्स' के मुताबिक, स्विस बैंकों में भारतीय व्यक्तियों के जमा धन में 2025 के दौरान 20 प्रतिशत बढ़कर 8.97 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 780 करोड़ रुपये) हो गया। स्विट्जरलैंड और भारत के बीच 2018 से कर मामलों में स्वतः सूचना आदान-प्रदान व्यवस्था लागू है, जिसके तहत स्विस वित्तीय संस्थानों में खाताधारकों से जुड़ी विस्तृत जानकारी हर साल भारतीय कर अधिकारियों के साथ साझा की जाती है।

52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक ग्राहक जमा

एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 के अंत में मौजूद कुल 325.05 करोड़ स्विस फ्रैंक की देनदारियों में से 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक ग्राहक जमा, 2.6 अरब स्विस फ्रैंक अन्य बैंकों के जरिये, 1.86 करोड़ स्विस फ्रैंक विश्वस्त संस्था या ट्रस्ट के जरिये और 10.57 करोड़ स्विस फ्रैंक बॉन्ड एवं प्रतिभूतियों जैसे अन्य वित्तीय साधनों के रूप में थे।

- कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद व्यक्तिगत खातों में धन बढ़ा
- व्यक्तिगत और संस्थागत खातों में धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ा
- कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा 'बैंकों को देय राशि' के रूप में रहा

तीसरे देशों के नाम पर रखे गए धन को शामिल नहीं किया जाता

एसएनबी ने स्पष्ट किया कि ये आंकड़े बैंकों द्वारा रिपोर्ट की गई कुल देनदारियों को दर्शाते हैं और इन्हें स्विस बैंकों में कथित काले धन का प्रत्यक्ष संकेतक नहीं माना जा सकता। साथ ही, इनमें तीसरे देशों की इकाइयों के नाम पर रखे गए धन को शामिल नहीं किया जाता।

धन जमा के मामले में ब्रिटेन पहले स्थान पर

वैश्विक स्तर पर स्विस बैंकों में विदेशी ग्राहकों की कुल जमा राशि 2025 में करीब आठ प्रतिशत घटकर 1.05 लाख करोड़ स्विस फ्रैंक रही। देशवार आंकड़ों में स्विस बैंकों में मौजूद विदेशी ग्राहकों के धन के मामले में ब्रिटेन 192 अरब स्विस फ्रैंक के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि अमेरिका (75 अरब स्विस फ्रैंक) और फ्रांस (63 अरब स्विस फ्रैंक) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। हालांकि, भारत वर्ष 2024 के 48वें स्थान से सुधरकर 2025 में 46वें स्थान पर पहुंच गया।

पाकिस्तान रैंकिंग में 108वें स्थान पर

पाकिस्तान की जमा राशि 27.2 करोड़ स्विस फ्रैंक से घटकर 25.7 करोड़ स्विस फ्रैंक रह गई, जबकि बांग्लादेश की जमा राशि 43 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी के साथ 84.2 करोड़ स्विस फ्रैंक पहुंच गई। रैंकिंग में बांग्लादेश 81वें स्थान पर रहा जबकि पाकिस्तान 108वें स्थान पर है।

अमित शाह ने राष्ट्रीय रोडमैप की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्री य स्तर की सहका री पहलों पर समीक्षा बैठकों की शृंखला की अध्यक्षता की। इन पहलों का उद्देश्य सहकारी बैंकिंबैं किं ग व्यवस्था को मजबूत करना, सहकारी संस्थाओं के माध्यम से जैविक उत्पादों को बढ़ावा देना और सहकारी उत्पादों की वैश्विक पहुंच को निर्यात के माध्यम से विस्तार देना है। इन बैठकों में सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर, सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी, नाबार्ड के अध्यक्ष श्री शाजी के.वी., मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा प्रस्तावित को ऑपरेटिव बैंक ऑफ इंडिया (कोबी), सहकार सारथी प्राइवेट लिमिटेड, नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनयूसीएफडीसी), नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक लिमिटेड और नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमटेड सहित प्रमुख सहकारी संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र सूचना

पत्र सं. 365135 — दिनांक: 18.06.2026

शुद्धिपत्र विवरण	शुद्धिपत्र प्रकाशन तिथि
शुद्धिपत्र संख्या 4	18.06.2026

निविदा विवरण — समापन तिथि/समय 08.07.2026, 15:00
निविदा संख्या 365135 (खुली निविदा)
कार्य का नाम: वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनसेट का व्यापक रखरखाव अनुबंध।

संशोधित मदें एनआईटी हेडर

फील्ड का नाम	मौजूदा मान	संशोधित मान
निविदा समापन तिथि और समय	24.06.2026, 15:00	08.07.2026, 15:00

2093/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल इंजीनियर-चतुर्थ, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	(1) दिल्ली भटिंडा सेक्शन पर जींद नरवाना के बीच किलोमीटर 141/27-29 पर रेलवे ट्रैक के नीचे पानी/ सीवरेज के लिए 1x600 mm व्यास वाले MS केसिंग पाइप के जरिए 1x450mm व्यास वाला DI कैरियर पाइप बिछाना; धरोदी-नरवाना के बीच किलोमीटर 162/3-5 पर ट्रैक के नीचे पानी/ सीवेज के लिए 400 mm व्यास वाले MS केसिंग पाइप के जरिए 1x250 mm व्यास वाला DI कैरियर पाइप बिछाना; और धरोदी-नरवाना के बीच km 162/4-6 पर रेलवे ट्रैक के नीचे 600 mm व्यास वाले MS केसिंग पाइप के जरिए 1x400 mm व्यास वाला कैरियर पाइप बिछाना। (निविदा संख्या 17-26-27-W-IV).		
अनुमानित लागत	₹1,18,10,443.76	धरोहर राशि	₹2,36,200.00
ई–निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	ई–निविदा भरने का समय कार्य 26.06.2026 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 10.07.2026 को 15:00 बजे		
निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।		

पत्र संख्या: 128-डब्लू/260/निविदा सूचना/ NIT 17-26-26-डब्लू-4 — दिनांक: 17.06.2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ — 2089/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **अब्दुल जब्बार उर्फ जब्बार पुत्रः** सिराजुद्दीन **पताः** मकान नंबर 1/229, गली नंबर 2, तकिया गुल्ला शाह श्री राम नगर शाहदरा दिल्ली, ने **FIR No. 595/2021 U/s 323/341 IPC, थानाः हरि नगर, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अब्दुल जब्बार उर्फ जब्बार** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अब्दुल जब्बार उर्फ जब्बार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 595/2021 U/s. 323/341 IPC, थानाः हरि नगर, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **अब्दुल जब्बार उर्फ जब्बार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री मोक्षा बैंस
जेएमएफसी–11, कमरा नंबर 31
तीस हजारी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/7998/WD/2026
(Court Matter)

शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी, सेंसेक्स 254 अंक चढ़ा

- भू-राजनीतित मोर्चे पर सकारात्मक रुख रहा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

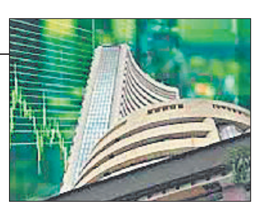

भू-राजनीतिक मोर्चे पर सकारात्मक घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों में जारी नरमी से स्थानीय शेयर बाजार बृहस्पतिवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 254 अंक और निफ्टी में 82 अंक की बढ़त दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 254.36 अंक की बढ़त के साथ 77,409.98 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 77,492.33 अंक के उच्चतम और 76,953 के निचले स्तर तक गया। इसी तरह निफ्टी भी 82.30 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 24,168 अंक पर बंद हुआ।

बृहस्पतिवार को सेंसेक्स की कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से बढ़त में रहीं। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, मारुति और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट रही।

ब्रेंट क्रूड गिरकर 77.78 प्रति बैरल पर : पश्चिम एशिया में तनाव थमने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 2.23 प्रतिशत गिरकर 77.78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस में ईरान के साथ शांति स्थापना के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इससे तीन महीने से अधिक समय से जारी युद्ध समाप्त होने की उम्मीद बनी है।

मांग घटने से सोना 960 रुपया घटा, चांदी 6,660 रुपये टूटी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 960 रुपये टूटकर 1.53 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं, शेयर बाजार में तेजी के बीच सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में कीमती धातुओं की मांग घटने से चांदी की कीमत 6,660 रुपये लुढ़क गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार के 1,54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 960 रुपये टूटकर 1,53,440 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। चांदी में भी भारी बिकवाली का दबाव देखा गया और इसकी कीमत 6,660 रुपये लुढ़ककर 2,48,740 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। पिछले सत्र में यह 2,55,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि यह गिरावट घरेलू शेयर बाजार के मजबूत रहने और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने की वजह से आई। इससे निवेशकों ने वैश्विक स्तर पर कीमती धातुओं की कीमतों में मामूली सुधार के बावजूद सर्राफा से अपना पैसा निकालकर दूसरी जगह लगाना शुरू कर दिया।

अद्वित ज्वेल्स का इनिशियल पब्लिक ऑफर, प्राइस बैंड 130 से 138 रुपये प्रति इक्विटी शेयर

कोच्चि/मुंबई। अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड ने अपने पहले इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के लिए 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 130 से 138 रुपये तय कर दिया है। कंपनी का यह इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग ('आईपीओ' या 'इश्यू') सब्सक्रिप्शन के लिए मंगलवार, 23 जून 2026 को खुलेगा और गुरुवार, 25 जून 2026 को बंद हो जाएगा। इन्वेस्टर कम से कम 100 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। और उसके बाद 100 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल्स में ही दांव लगा पाएंगे। आज की तारीख में कंपनी के कुल 3,38,42,000 इक्विटी शेयर आउटस्टैंडिंग हैं, जिनकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर है। इस आईपीओ के तहत 1,19,68,000 इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू (नए शेयर) जारी किए जा रहा हैं। इस फ्रेश इश्यू से मिलने वाले पैसों में से 65 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी की वर्किंग कैपिटल (रोजमर्रा के कामकाज के खर्च) की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। वहीं, 65 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी पर बकाया कुछ कर्जों को पूरा या आंशिक चुकाने के लिए होगा। बाकी बची रकम सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों (जनरल कॉर्पोरेट पर्पज) पर खर्च की जाएगी।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **भीम कौशल पुत्रः** श्री सूरज लाल कौशल **पताः** झुग्गी नंबर एल–514, जे.जे. कॉलोनी, वज़ीरपुर, दिल्ली, ने **FIR No. 378/2023 U/s 323/341/34 IPC थानाः केशव पुरम, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **भीम कौशल** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **भीम कौशल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 378/2023 U/s 323/341/34 IPC थानाः केशव पुरम, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **भीम कौशल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री संयम जैन
जेएमएफसी–04, कमरा नंबर 112, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/8015/NW/2026
(Court Matter)

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कामकाज के नौवें साल में पार किया 50,000 करोड़ के बिज़नेस का माइलस्टोन

कोच्चि। ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कुल 50,000 करोड़ रुपये के बिज़नेस का अहम माइलस्टोन पार कर लिया है। यह बैंक के कामकाज के नौवें साल में एक बड़ी उपलब्धि है और देश भर के एक करोड़ से ज़्यादा ग्राहकों द्वारा बैंक पर दिखाए गए भरोसे को दर्शाता है।

यह माइलस्टोन बैंक की लगातार हो रही तरक्की और फाइनेंशियल इन्क्लूजन (वित्तीय समावेशन), ज़िम्मेदार बैंकिंग और कम्युनिटी डेवलपमेंट (सामुदायिक विकास) के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है। सामाजिक प्रभाव (सोशल इम्पैक्ट) पर आधारित अपनी शुरुआत से लेकर, ईएसएएफ एक पैन-इंडिया बैंकिंग संस्थान के रूप में विकसित हुआ है, साथ ही यह उन समुदायों के लिए अवसर पैदा करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है जिनकी बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच कम है या जो बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं। इस उपलब्धि पर बोलते हुए हुए, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के एमडी और सीईओ के. पॉल थॉमस ने कहा कि 50,000 करोड़ के बिज़नेस का माइलस्टोन पार करना ईएसएएफ की यात्रा में गर्व का क्षण है।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव 21 जून को जयपुर-दरभंगा अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव 21 जून 2026 को जयपुर से जयपुर (खातीपुरा)-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस नई रेल सेवा (सप्ताह में छः दिन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। जयपुर (खातीपुरा)-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस राजस्थान और बिहार के बीच संपर्क को नई गति प्रदान करने वाली एक महत्वपूर्ण रेल सेवा है।

राशिफल

मेष — वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

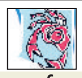
मिथुन — माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क — आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह — पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या — स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा।पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला — वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान–सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

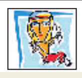
धनु — कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

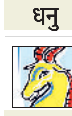
मकर — कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ — कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान–सम्मान बढ़ेगा।

बक्सर के किसान-पुत्र ने लिखी अपनी पहली किताब

नई दिल्ली। 14 जून 2026 को दिल्ली में आयोजित एक समारोह में सीआईएसएफ के सहायक महानिरीक्षक श्री जयप्रकाश आज़ाद की पहली पुस्तक "होगी जय... हे पुरुषोत्तम नवीन!" का विमोचन हुआ। बिहार के बक्सर जिले के डुमरांव अनुमंडल स्थित डुभूकी गांव के रहने वाले श्री आज़ाद के लिए यह दिन एक किसान परिवार से निकलकर लेखक के रूप में पहचान बनाने की उनकी यात्रा का नया पड़ाव बन गया। पुस्तक की प्रेरणा महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कालजयी कविता "राम की शक्ति पूजा" से ली गई है, और इसी से पुस्तक का शीर्षक भी लिया गया है। राम को केंद्र में रखकर लिखी गई यह पुस्तक हर व्यक्ति के भीतर छिपी संभावनाओं, साहस और कभी हार न मानने के जज्बे की तलाश करती है। लेखक के अनुसार असफलता का अर्थ केवल प्रयास छोड़ देना है, और जब तक व्यक्ति प्रयासरत रहता है, सफलता की संभावना बनी रहती है। श्री आज़ाद का बचपन डुभूकी गांव में बीता, जहां उनके पिता श्री यमुना सिंह खेती करते हैं और माता श्रीमती धनमूखा देवी गृहिणी हैं। प्राथमिक शिक्षा गांव के विद्यालय से लेने के बाद उन्होंने उच्च माध्यमिक शिक्षा बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के बगहा उच्च विद्यालय से प्राप्त की और मनोविज्ञान में स्नातक की उपाधि हासिल की। वर्ष 2003 में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर वे सहायक कमांडेंट (ग्रुप ए) के पद पर सीआईएसएफ में चयनित हुए। बीते 20 वर्षों के सेवाकाल में उन्होंने देश के कई महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में अपनी सेवाएं दी हैं। उन्हें वर्ष 2023 में महानिदेशक डिस्क से और वर्ष 2025 में राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है, इसके अलावा कई प्रशस्ति पत्र भी उनके नाम हैं।

भारत में 37 प्रतिशत कार्य पहले ही एआई कर रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 'प्रवेश स्तर' की नौकरियों के लगभग 37 प्रतिशत कार्य पहले से ही कृत्रिम मेधा (एआई) कर रहा है जबकि वैश्विक स्तर पर यह औसत 33 प्रतिशत से अधिक है। एक संयुक्त अध्ययन में यह बात सामने आई।'एंट्री-लेवल' भूमिकाएं से तात्पर्य उन कार्यों से है जिनके लिए बहुत ज्यादा अनुभव की जरूरत नहीं होती। कॉग्निजेंट एवं पियर्सन की रिपोर्ट अनुसार, 'प्रवेश स्तर' की भूमिकाएं अब तेजी से बदल रही हैं और कंपनियां कार्य निष्पादन से आगे बढ़कर एआई प्रणाली के साथ काम करने की दिशा में जा रही हैं। यह सर्वेक्षण अमेरिका, ब्रिटेन और भारत के 750 एचआर दिग्गजों पर आधारित है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)
दूरभाष - 0788-2210876

दुर्ग, दिनांक 15.06.2026

-:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ::-

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 30.06.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र. / सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)	आमंत्रण
156/193477	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत खनिज प्रभावित क्षेत्र के लोगो के लिये वेटिंग हॉल निर्माण कार्य	18.44	द्वितीय
157/193480	कबीरधाम के कवर्धा शहर के अंतर्गत आंतरिक पहुंच मार्ग लं. 4.50 कि.मी. सुखताल से सारंगपुर मार्ग लं. 4.50 कि.मी. कुरूवा से कामनबोड मार्ग लं. 2.00 कि.मी. सुकतरा सिंघनगढ़ मार्ग लं. 4.00 से 6.00 कि.मी. खम्हरिया मुख्य मार्ग से पैलपार मार्ग लं. 1.00 कि.मी. गैंदपुर से गातापार मार्ग लं. 3.20 कि.मी. कुल लं. 18.20 कि.मी. कार्य का नवीनीकरण	134.07	चतुर्थ
158/193481	जिला दुर्ग के अंतर्गत जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय दुर्ग भवन मरम्मत	11.19	तृतीय
159/193482	जिला बालोद के टेकवाडीह से बोहरडीह मार्ग लं. 1.30 कि.मी. का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य	140.25	चतुर्थ
160/193483	डोंगरगढ़ में न्यायिक अधिकारी/कर्मचारी हेतु ई टाईप आवासगृह का गृह का निर्माण कार्य	49.58	चतुर्थ

टीप 1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
2.पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

G-262701531/5

शब्द पहेली - 6261

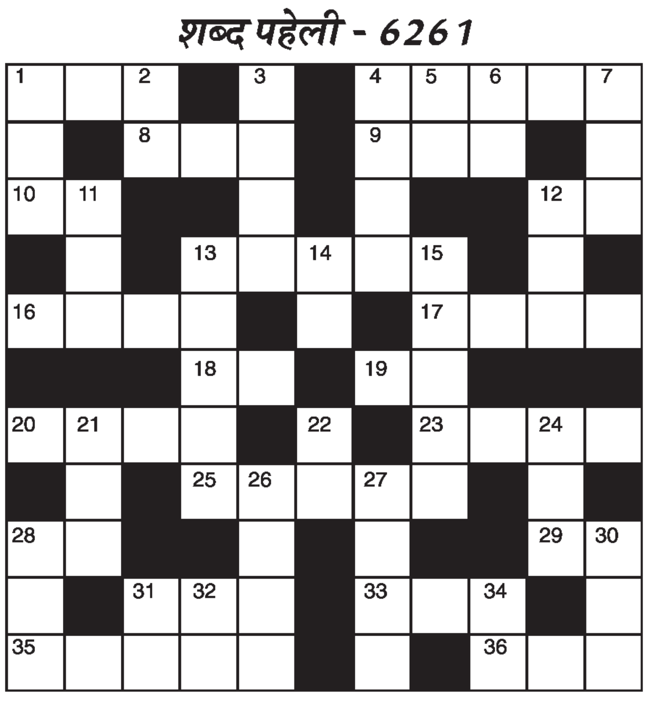

बाएँसेदाए±
1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे
1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -6260 का हल

म	न	मो	ह	न		र	वा	ना	हो	ना
न		म	क	र		त	ल	ना		का
मो	ह			गि		ज			क	म
ह	म		आ	स	ल	गा	ना		मा	या
क	ल	र	व		क्ष		म	त	ल	ब
			भ	ला		जो	र			
ज	ग	म	ग		मौ		ख	चा	ख	च
मी	ल		त	म	त	मा	ना		र	म
न	त			हा		ल			ल	क
दा		म	चा	न		खा	रि	श		दा
र	म	णी	य	ता		ना	ट	क	का	र

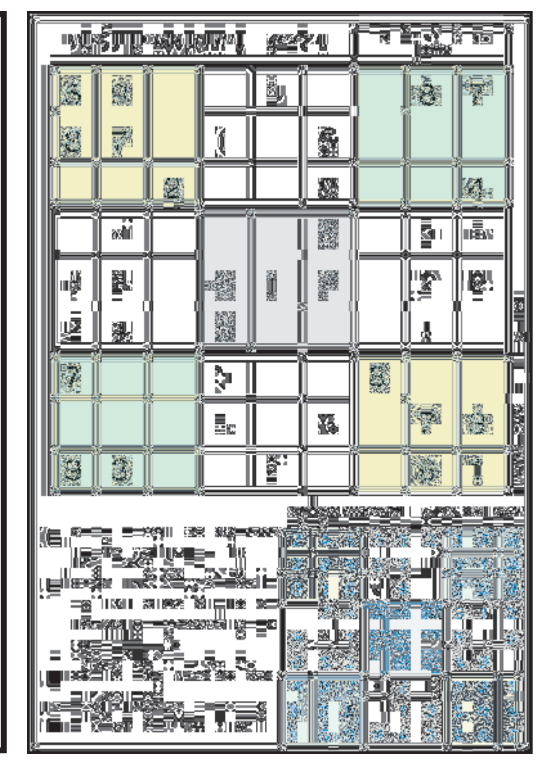

कालेब यिरेनकी के अंतिम क्षणों के गोल से घाना जीता

एजेंसी ▶▶| टोरंटो

कालेब यिरेनकी के दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम के पांचवें मिनट में किए गए गोल की मदद से घाना ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप एल के मैच में पनामा को 1-0 से हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए। जब लग रहा था कि मैच गोलरहित बराबरी पर छूटेगा तब यिरेनकी ने ब्रैंडन थॉमस असांटे के क्रॉस पर गोल किया। थॉमस असांटे को बायीं ओर से गोल करने का मौका मिला और उन्होंने करारा शॉट जमाया जिसे यिरेनकी ने सही दिशा देकर गोल में डाल दिया। इस मैच में दोनों टीम को गोल करने के बहुत कम मौके मिले थे। ऐसे में पनामा को उम्मीद थी कि वह विश्व कप में अपना पहला अंक हासिल करने में सफल रहेगा लेकिन यिरेनकी के गोल ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

घाना ने 65वें मिनट पर किया गोल

घाना को 65वें मिनट में गोल करने का मौका मिला था जब थॉमस असांटे ने पनामा की रक्षापंक्ति को भेदते हुए बॉक्स के अंदर जॉर्डन अय्यू को पास दिया, लेकिन जियोवानी रामोस ने पीछे से आकर यह प्रयास नाकाम कर दिया। इस जीत से घाना ग्रुप एल में इंग्लैंड के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है।

गोलकीपर ने रोका शानदार पहला शॉट

पहले हाफ में गोल पर एकमात्र शॉट खेल शुरू होने के दो मिनट बाद लगाया गया। तब पनामा के फॉरवर्ड सेसिलियो वाटरमैन ने आमिर मुरिलो के एक निचले क्रॉस पर गेंद पर बॉक्स के बीच से शॉट लगाया लेकिन गोलकीपर एटिजिगी ने दायीं ओर डाइव लगाकर उसे रोक दिया। एटिजिगी चोटिल होने के कारण हाफटाइम के बाद मैदान पर नहीं उतरे। उनकी जगह बेंजामिन असारे ने ली।

डेब्यू मैच में डियाज़ ने ठोका गोल, कोलंबिया ने उज्बेकिस्तान को दी मात

मैक्सिको सिटी। लुई डियाज ने फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर अपने पदार्पण मैच में एक गोल किया और एक गोल करने में मदद की, जिससे कोलंबिया ने विश्व कप के ग्रुप के अपने पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 3-1 से शानदार जीत हासिल की। विश्व कप में अपना पहला मैच खेल रहे एक अन्य खिलाड़ी डेनियल मुनोज 40वें मिनट में डियाज के पास पर कोलंबिया के लिए पहला गोल किया। डियाज ने 65वें मिनट में निर्णायक गोल दागा जब उनका करीब से लगाया गया शॉट गोता लगाकर रोकने की कोशिश कर रहे गोलकीपर उत्किर युसुपोव के हाथों को स्पर्श करके गोल लाइन के पार चला गया। उज्बेकिस्तान के लिए फैजुल्लायेव अब्बोसबेक ने 60वें मिनट में गोल किया। उज्बेकिस्तान ने एस्टाडियो एज्टेका में 80,824 दर्शकों के सामने विश्व कप में अपना पदार्पण किया।

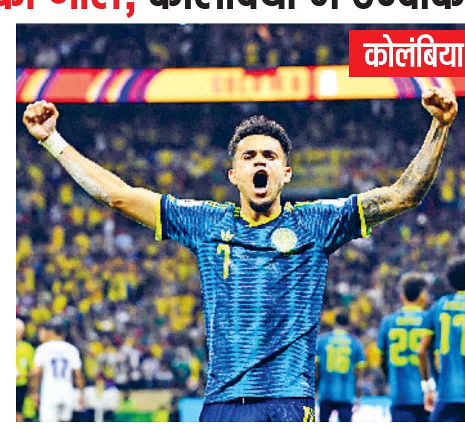

कोलंबिया ने किया शानदार प्रदर्शन

विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज कोलंबियाई टीम को 50वें स्थान की टीम उज्बेकिस्तान पर जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। कोलंबिया ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया। उसकी तरफ से जैमिंटन कैम्पाज ने दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में तीसरा गोल किया। इस जीत से कोलंबिया ग्रुप के में पुर्तगाल और कांगो से आगे निकलकर शीर्ष पर पहुंच गया है।

नहीं चला रोनाल्डो का जादू, कांगो ने पुर्तगाल को बराबरी पर रोका

एजेंसी ▶▶| ह्यूस्टन

अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी ने हैट्रिक बनाकर अपनी टीम को विश्व कप फुटबॉल में शानदार शुरुआत दिलाई थी लेकिन उन्हीं की तरह छठी बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे एक अन्य दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ऐसा कोई कमाल नहीं दिखा पाए और उनकी टीम पुर्तगाल को कांगो के खिलाफ अप्रत्याशित रूप से 1-1 से ड्रॉ खेलना पड़ा।

रोनाल्डो और पुर्तगाल अपने पहले विश्व कप खिताब की कवायद में हैं लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और यह किसी बड़े उलटफेर से कम नहीं है। यह कांगो के इतिहास में विश्व कप का पहला गोल था। कांगो ने इससे पहले 1974 में विश्व कप में भाग लिया था लेकिन तब वह अपने तीनों मैच हार गया था।

कांगो 52 वर्ष में पहली बार हिस्सा ले रहा

कांगो 52 वर्ष में पहली बार विश्व कप में भाग ले रहा है। वह अफ्रीका की दूसरी टीम है जिसने यूरोप की किसी मजबूत टीम को बराबरी पर रोका। इससे पहले सोमवार को केप वर्डे ने स्पेन को गोलरहित बराबरी पर रोका था। एनआरजी स्टेडियम में 68,777 दर्शकों में पुर्तगाल के समर्थकों की संख्या काफी अधिक थी। उसकी टीम ने अच्छी शुरुआत की थी। जोआओ नेवेस ने छठे मिनट में पुर्तगाल को शुरुआती बढ़त दिलाई। पांच फुट सात इंच लंबे इस मिडफील्डर ने पेड्रो नेटो के क्रॉस पर हेडर से गोल किया लेकिन पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में आर्थर मासुअकू के क्रॉस पर योआने विस्सा ने हेडर से गोल करके कांगो को बराबरी पर ला दिया, जिससे नीली जर्सी पहने उसके मुट्ठी भर प्रशंसक खुशी से झूम उठे।

पुर्तगाल कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाया

दूसरी तरफ पुर्तगाल खिताब का प्रबल दावेदार है। सभी की नजरें रोनाल्डो पर टिकी थी। उन्हें दो अवसरों पर गोल करने का मौका मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए। रोनाल्डो 68वें और 73वें मिनट में दाहिनी ओर से शॉट नहीं लगा पाए। दोनों ही मौकों पर उन्होंने निराशा में अपना सिर हिलाया। रोनाल्डो के प्रयासों के अलावा ब्रूनो फर्नांडिस के पास 90वें मिनट में पुर्तगाल को बढ़त दिलाने का मौका था, लेकिन उनका शॉट भी दाईं ओर से बाहर चला गया। पुर्तगाल ने 55वें मिनट में जोआओ कैंसलो के बाइसाइकिल किक से बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन उन्हें ऑफसाइड करार दिया गया।

हैरी ने दागे दो गोल, इंग्लैंड ने क्रोएशिया को हराया

आर्लिंगटन। हैरी केन ने दो गोल करके विश्व कप फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने के इंग्लैंड के रिकॉर्ड की बराबरी की जिससे उनकी टीम ने ग्रुप एल के अपने पहले मैच में क्रोएशिया पर 4-2 की जीत से अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। केन ने 12वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। उन्होंने इसके बाद 42वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। मार्टिन बटुरिना (36वें) और पीटर मूसा ने पहले हाफ में गोल करके क्रोएशिया को मुकाबले में बनाए रखा। मूसा ने अपना गोल पहले हाफ के इंजरी टाइम के अंतिम क्षणों में किया।

खबर संक्षेप

इनियान पा ग्लोबल शतरंज महोत्सव में खिताब जीतने के करीब

मुंबई। ग्रैंडमास्टर इनियान पा को ग्लोबल शतरंज महोत्सव के मास्टर वर्ग में खिताब जीतने के लिए अब केवल ड्रॉ की जरूरत है। इनियान अन्य खिलाड़ियों से एक अंक आगे शीर्ष पर काबिज हैं जबकि अब केवल एक दौर की बाजी खेली जानी बाकी है। उन्होंने बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय मास्टर हर्ष सुरेश के खिलाफ बाजी ड्रॉ कराई। इनियान के अब सात अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर काबिज बोरिस सावचेंको, सुरेश, आकाश शरदचंद्र दलवी, अपूर्व कांबले और अजय संतोष परवथारेड्डी पर एक अंक की बढ़त बनाए हुए हैं। इनियान नौवें दौर में परवथारेड्डी का सामना करेंगे।

मुक्केबाजी विश्व कप : मीनाक्षी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

गुइयांग (चीन)। भारतीय मुक्केबाज मीनाक्षी ने बृहस्पतिवार को यहां मुक्केबाजी विश्व कप के दूसरे चरण में महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा 48 किग्रा विश्व चैंपियन और इस वर्ग में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज मीनाक्षी इस टूर्नामेंट में ओलंपिक 51 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने पोलैंड की नतालिया कुचेव्स्का के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत हासिल करके अगले दौर में जगह बनाई।चौथे दिन हुए एक और मुकाबले में अविनाश जमवाल (65 किग्रा) किर्गिस्तान के मिर्जोखिद इमामनाजारोव से 0-5 से हारकर बाहर हो गए। टूर्नामेंट में अब तक पांच भारतीय मुक्केबाज निखिल (55 किग्रा), दीपक (70 किग्रा), मीनाक्षी (51 किग्रा), प्राची (57 किग्रा) और स्नेह (65किग्रा) क्वार्टरफाइनल में पहुच चुके हैं।

एफआईएच नेशंस कप

उरुग्वे को हराकर भारत ने सेमीफाइनल में मारी एंट्री, दीपिका रहीं मैच की हीरो

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच महिला नेशंस कप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए उरुग्वे को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारत की जीत की सबसे बड़ी हीरो दीपिका रहीं, जिन्होंने दो अहम गोल दागे। वहीं दीपिका सोरेंग ने भी एक शानदार मैदानी गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले भारतीय टीम अमेरिका और जापान को भी मात दे चुकी है।

उरुग्वे ने बनाई शुरुआती बढ़त

मैच के 13वें मिनट में उरुग्वे की चियारा एपेनिनो ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने जल्द ही वापसी करते हुए 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दीपिका के गोल की बदौलत स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने पलटा मैच

तीसरे क्वार्टर के 43वें मिनट में दीपिका सोरेंग ने शानदार फील्ड गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद मुकाबला रोमांचक हो गया। मैच के 55वें मिनट में उरुग्वे की कप्तान मैनुएला विलार ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। लेकिन अगले ही मिनट दीपिका ने अपना दूसरा गोल दागते हुए भारत को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिलाई, जो अंत तक कायम रही।

नेहा के लिए भी खास रहा मुकाबला

यह मुकाबला भारतीय खिलाड़ी नेहा के लिए भी बेहद यादगार रहा। उन्होंने इस मैच के साथ भारत के लिए अपने करियर का 200वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। अब भारतीय टीम 20 जून को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में चिली या दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी।

डायमंड लीग : नीरज का मुकाबला श्रीलंका के रुमेश पथिरागे से होगा

एजेंसी ▶▶| दोहा

भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा को उम्मीद होगी कि जब वह शुक्रवार को यहां दोहा डायमंड लीग में फॉर्म में चल रहे शीर्ष प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ वापसी करेंगे तो चोट के कारण प्रतियोगिताओं से अनुपस्थिति उनकी लय को प्रभावित नहीं करेगी।

इसमें भाग लेने वाले शीर्ष स्तरीय खिलाड़ियों में श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश थरंगा पथिरागे भी शामिल होंगे जिन्होंने कुछ दिन पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार किया है। दूसरी ओर 28 वर्षीय चोपड़ा पीठ की चोट से उबर रहे हैं लेकिन उन्हें उम्मीद है कि कतर स्पोर्ट्स क्लब में वह शुरुआत से ही अपनी लय हासिल कर लेंगे। दोहा उनके लिए भाग्यशाली रहा है। यहीं पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा ने पिछले साल मई में 90 मीटर का थ्रो किया था। वह 90.23 मीटर के थ्रो से जर्मनी के जूलियन वेबर (91.06 मीटर) के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। इस सत्र में पथिरागे ने दो बार 89 मीटर से ज्यादा का थ्रो किया है। वह प्रतिष्ठित गोल्डन स्पाइक मीट में 86.57 मीटर के थ्रो के साथ जीत हासिल करने के बाद दोहा डायमंड लीग में आए हैं।

एशियाई युगल स्क्वाश चैंपियनशिप

अभय-वेलावन की जोड़ी की जीत से शुरूआत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने बृहस्पतिवार को मलेशिया के सारावाक में चल रही तीसरी एशियाई युगल स्क्वाश चैंपियनशिप में दक्षिण कोरिया के ओ सियोजिन और मिनवू ली की जोड़ी पर सीधे सेट में मिली जीत से खिताब बचाने का अभियान शुरू किया।

गत चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने पूल ए में कोरियाई जोड़ी पर 11-7, 11-10 से जीत दर्ज की। भारत के राहुल बैथा और सूरज चंद ने पूल बी में सिंगापुर के सैमुअल क्यूएक वेई यि और जस्टिन याप पर 11-3 11-3 से शुरूआत की लेकिन जापान के नाओकी हयाशी और रेन माकिनो से 8-11 11-8 6-11 से हार गए।

युगल खिलाड़ियों का प्रदर्शन

मिश्रित युगल में वेलावन और जोशना चिनप्पा की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने चीनी ताइपे के कोर्डिला सु और पान होंग रूई को पूल बी में 11-2 11-3 से हराया। महिला युगल में जोशना और रथिका सीलन की दूसरी वरीय जोड़ी ने छह टीम के पूल बी में अपने सभी तीनों मुकाबले जीत लिए। उन्होंने सिंगापुर की जयना लिम और जसिंथा हान को 11-5 11-5, सुगिमोटो रिसा और एरिसा सानो की जापानी जोड़ी को 11-9 11-8 और हमवतन जानेट विधि और पूजा आरथी को 11-5 11-8 से शिकस्त दी।

गर्मी को देखते हुए 10 मार्च से शुरू हो सकता है आईपीएल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड देश के अधिकांश हिस्सों में मई में पड़ने वाली भीषण गर्मी से बचने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अगले साल से 10 मार्च से 15 मई तक आयोजित करने पर विचार कर रहा है। बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने यह जानकारी दी।

उन्होंने हालांकि स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए मैचों की संख्या 74 ही रहेगी और इसे बढ़ाकर 94 नहीं किया जाएगा। आईपीएल आमतौर पर मार्च के आखिरी सप्ताह में शुरू होता है और मई के अंत तक चलता है। सैकिया ने कहा कि आईपीएल को जल्दी शुरू करने से खिलाड़ी ही नहीं दर्शकों को भी फायदा होगा। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट में बारिश के दखल को कम करने के लिए ये बड़ा कदम उठाया जा सकता है।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग

भारत ने जर्मनी को हराया मनप्रीत ने बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| रॉटरडम

मनप्रीत सिंह ने अपना 413वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर सबसे अधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड बनाया, जबकि भारत ने यहां एफआईएच हॉकी प्रो लीग के अपने दूसरे मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी को 3-1 से हराया।

भारत की ओर से मनदीप सिंह (सातवें), शिलानंद लाकड़ा (13वें) और नीलकांत शर्मा (35वें) ने एक-एक गोल दागा, जबकि जर्मनी की तरफ से एकमात्र गोल राफेल हार्टकॉफ (45वें) ने किया। भारतीय मिडफील्डर हार्दिक सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत ने शुरू से ही बनाए रखा दबाव

भारत ने अच्छी शुरुआत की और शुरू से ही गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा जिसका फायदा उसे सातवें मिनट में मिला जब मनदीप ने गोल करके टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। लाकड़ा ने पहला क्वार्टर खत्म होने से पहले ही शानदार शॉट लगाकर जर्मन गोलकीपर अलेक्जेंडर स्टैडलर को हतप्रभ किया और भारत को 2-0 से आगे कर दिया। दूसरे क्वार्टर में जर्मनी ने भारत के हाफ में घुसने की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने दमदार खेल का नजारा पेश किया। जर्मनी को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन पहला अमित रोहिदास ने बचा दिया और दूसरा गोलकीपर मोहित ने नाकाम कर दिया, जिससे भारत की बढ़त बरकरार रही।

तीसरा गोल नीलकांत ने ठोक दिया

भारत ने तब अपनी बढ़त को 3-0 तक कर दिया जब नीलकांत ने अकेले ही दौड़ते हुए जर्मन डिफेंडरों को पछाड़कर गेंद को गोल में डाल दिया। तीसरे क्वार्टर में महज 20 सेकंड शेष रहते हुए हार्टकोफ ने 45वें मिनट में अपनी टीम के लिए पहला गोल दागा। जर्मनी की टीम ने इसके बाद आक्रामक रवैया अपनाया और चौथे क्वार्टर में लगातार हमले किए लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उन्हें नाकाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार पारी खेल कोहली का 'विराट' रिकॉर्ड किया ध्वस्त

श्रेयस अय्यर ने पलट दिया भारत के वनडे क्रिकेट का इतिहास

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में 3000 रन पूरे करते हुए विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अय्यर ने यह उपलब्धि 72 पारियों में हासिल की और भारत के लिए सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 170 रन से बड़ी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। मुकाबले में जहां कप्तान शुभमन गिल और ईशान किशन ने शतक लगाए, वहीं उपकप्तान श्रेयस अय्यर ने एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली।

गेंदों के हिसाब से भी खास उपलब्धि

अगर सबसे कम गेंदों में 3000 वनडे रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो श्रेयस अय्यर तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 3049 गेंदों का सामना किया। इस सूची में शीर्ष स्थान पर पूर्व कप्तान और 1983 विश्व कप विजेता कपिल देव हैं। उन्होंने सिर्फ 2995 गेंदों में 3000 रन पूरे किए थे। खास बात यह है कि वह ऐसे इकलौते भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने 3000 रन तक पहुंचने के लिए 3000 से कम गेंदों का इस्तेमाल किया। शुभमन गिल 3016 गेंदों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने वाले खिलाड़ी

3000 वनडे रन तक सबसे कम पारियों में पहुंचने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में अब श्रेयस अय्यर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भी 72 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

- 62 पारियां – शुभमन गिल
- 72 पारियां – शिखर धवन
- 72 पारियां – श्रेयस अय्यर
- 75 पारियां – विराट कोहली
- 78 पारियां – केएल राहुल
- 79 पारियां – नवजोत सिंह सिद्धू

800 शब्दों की सहमति बनने में लगे 108 दिन खो दिए 122 लाख करोड़ और 10 हजार लोग

महायुद्ध का अधूरा अंत ईरान के आगे झुके ट्रंप

दुनिया को तरक्की के ऐसे पंख लगे कि देखते ही देखते धरती के किसी भी कौने से बैठकर कहीं भी तबाही मचाई जा सकती है। लेकिन शांति की चौखट पर हमारा दिमाग क्यों कुंद हो जाता है इसका जवाब किसी के पास नहीं है। अमेरिका-ईरान और इजराइल की इस जंग में इसे बखूबी देखा गया। मात्र 800 शब्दों और डेढ़ पन्ने के समझौते पर सहमति बनने में 108 दिन लग गए। जहां तक जंग में किसे क्या हासिल हुआ इसके जबवा को तलाशेंगे तो 10 हजार लोगों की मौते और 48 हजार घायल और 122 लाख करोड़ का खर्चा ही दिखाई देता है। अंततः यह महायुद्ध का अधूरा अंत हुआ और न तो ट्रंप ईरान की सत्ता बदल पाए और न ही यूरेनियम पर पूरी तरह काबू कर पाए। अंततः उन्हे ईरान के आगे सरेंडर करना पड़ा।

जंग चली 108 दिन

घायल 48 हजार

जंग का खर्चा

- अमेरिका- 9.51 लाख करोड़ रुपए
- ईरान- 22.50 लाख करोड़ रुपए
- इजराइल- 96,600 करोड़ रुपए

कुल मौतें 10 हजार

ट्रंप ने जंग के लक्ष्य तय किए, फेल

1. ईरान में इस्लामिक सत्ता उखाड़ फेंकना

अमेरिका-इजराइल ने अपने पहले ही हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिया। उसी दिन ट्रंप ने कहा- ईरान के महान लोगों, आपकी आजादी का समय आ गया है... जब हम अपना काम पूरा कर लेंगे, तो अपनी सरकार पर कब्जा कर लीजिए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उल्टा सुप्रीम लीडर की मौत के बाद ईरान के लोग एकजुट हो गए। खामेनेई के बेटे मुजतबा को नया सुप्रीम लीडर बना दिया। यानी ट्रंप ने पहला लक्ष्य खो दिया।

ईरान जंग से भारत पर 6 बड़े असर दिखे

1. क्रूड ऑयल महंगा होने से इम्पोर्ट बिल बढ़ा
2. विदेशी मुद्रा भंडार घटा, रुपया कमजोर
3. जीडीपी की रफ्तार पर असर
4. थोक महंगाई 43 महीने में सबसे ज्यादा
5. उर्वरकों के उत्पादन में गिरावट
6. भारतीय मारे गए, डिप्लोमेटिक नुकसान

होर्मुज सिर्फ 60 दिन फ्री, ईरान को 28 लाख करोड़ हर्जाना मिलेगा

अमेरिका और ईरान के बीच एक अंतरिम समझौता हुआ है। इस समझौते से दोनों देशों के बीच जारी युद्ध पर फिलहाल रोक लग जाएगी। खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होगा। दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल गया है। दोनों देश ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दोबारा बातचीत शुरू करेंगे। इस डील से ईरान को तुरंत बड़ा फायदा होगा। वह दुनिया में फिर से अपना तेल बेच सकेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस के वर्साय पैलेस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैकों के साथ डिनर के दौरान इस पर दस्तखत किए। तेहरान में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने भी इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों देश अब 60 दिनों तक नए सिरे से बातचीत करेंगे। वहीं, अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप साल 2015 के परमाणु समझौते से बेहतर डील करा पाएंगे? इस पुरानी डील को उन्होंने खुद रद्द कर दिया था।

ये हैं समझौते के पॉइंट, जिसके लिए 108 दिन हुई तबाही

होर्मुज स्ट्रेट फिर से खोला जाएगा : ईरान ने वादा किया है कि वह होर्मुज स्ट्रेट फिर से खोल देगा। यह व्यवस्था 60 दिनों तक लागू रहेगी। इस दौरान जहाजों से एक्स्ट्रा टैक्स नहीं लिया जाएगा। इस समझौते की सबसे अहम लाइन है- सिर्फ 60 दिनों तक बिना किसी फीस के। इसका मतलब है कि 60 दिन पूरे होने के बाद ईरान जहाजों पर शुल्क या फीस लगा सकता है। युद्ध से पहले ईरान आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय जहाजों से इस तरह का पैसा नहीं लेता था। अब टैक्स लगाने से वैश्विक समुद्री व्यापार की लागत बढ़ सकती है।

ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा : समझौते में ईरान ने एक बार फिर भरोसा दिया है कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और न ही उन्हें हासिल करने की कोशिश करेगा।

इस्लामाबाद एमओयू : जयराम ने उछाले केंद्र की तरफ सवाल 'पाकिस्तान की बढ़ी वैश्विक हैसियत, मोदी की विदेश नीति फेल'

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14 सूत्रीय इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा है कि इस समझौते को इस्लामाबाद एमओयू के नाम से जाना जाना पाकिस्तान की बढ़ती क्षेत्रीय और वैश्विक भूमिका का संकेत है, जो भारत के लिए चिंता का विषय है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक विस्तृत टिप्पणी में जयराम रमेश ने कहा कि यह वही पाकिस्तान है, जिसे वर्ष 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान परिस्थितियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की विषयवस्तु और उसकी कार्यशैली दोनों के लिए एक बड़ा झटका हैं। उनका कहना था कि पाकिस्तान अब पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक और सुरक्षा संरचना में पहले से कहीं अधिक गहराई से शामिल हो रहा है, जिसके भारत की रणनीतिक और सुरक्षा चिंताओं पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यदि यह समझौता अपने शब्दों और मूल भावना के अनुरूप लागू होता है, तो इसे एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि माना जा सकता है। हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि यह समझौता भविष्य में मेमोरेंडम ऑफ मिसअंडरस्टैंडिंग भी साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि समझौते के बाद आने वाले 60 दिन बेहद महत्वपूर्ण होंगे और इसी दौरान इसके वास्तविक प्रभाव और सफलता का आकलन किया जा सकेगा। जयराम रमेश ने दावा किया कि इस समझौते से ईरान को कुछ ऐसे लाभ प्राप्त हुए हैं, जिनकी व्यापक रूप से अपेक्षा नहीं की जा रही थी। उनके अनुसार, ईरान ने इस पूरे घटनाक्रम के दौरान अपने प्रतिरोध और दृढ़ता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद के देशों ने समझौते का सतर्क स्वागत किया है, लेकिन वे क्षेत्रीय परिस्थितियों को देखते हुए अपने रणनीतिक संबंधों की पुनर्समीक्षा भी कर सकते हैं। अपने बयान में कांग्रेस नेता ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भी निशाने पर लिया।

कूटनीतिक हार के समान

उन्होंने कहा कि यह समझौता नेतन्याहू के लिए एक राजनीतिक और कूटनीतिक हार के समान है, हालांकि उनके पास अभी भी इसे प्रभावित करने या पटरी से उतारने के विभिन्न विकल्प मौजूद हैं। जयराम रमेश का आरोप था कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ गए हैं और यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सार्वजनिक रूप से उनके प्रति नाराजगी और निराशा जाहिर की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में इजराइल की नीतियों और कार्रवाइयों का लगातार समर्थन करते रहे हैं। जयराम रमेश के अनुसार, लेबनान, गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैंक से जुड़े मुद्दों पर भारत का रुख देश के दीर्घकालिक हितों के अनुरूप नहीं है और इसकी कीमत भारत को चुकानी पड़ सकती है। कांग्रेस नेता ने अमेरिका की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

उद्देश्य व्यापक थे

उन्होंने दावा किया कि अमेरिका और इजराइल ने मिलकर 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ व्यापक उद्देश्यों के साथ अभियान शुरू किया था, लेकिन वे अपने घोषित लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सके। उनके अनुसार, इस घटनाक्रम ने एक बार फिर सैन्य शक्ति की सीमाओं को उजागर कर दिया है। जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति अत्यधिक नरम रुख अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि हाल ही में हुई ट्रंप-मोदी द्विपक्षीय बैठक के संबंध में विदेश मंत्रालय का बयान भी इसी प्रवृत्ति को दर्शाता है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए केंद्र सरकार की विदेश नीति की आलोचना की।

भारत की मेजबानी में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे ट्रंप!

पीएम मोदी के साथ फ्रांस में हुई द्विपक्षीय बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान से मिले इस बाबत जरूरी संकेत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मौजूदा वर्ष 2026 में भारत की मेजबानी में आयोजित किए जाने वाले चतुष्कोणीय देशों के समूह क्वाड के शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शिरकत कर सकते हैं। बीते बुधवार को उनकी फ्रांस के एवियन शहर में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक से इसके संकेत मिले हैं। जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि वह भावी वक्त में भारत की यात्रा पर जा सकते हैं। ज्ञात हो कि क्वाड समूह का गठन एक प्रकार से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती चीन की आक्रामकता के मद्देनजर किया गया है। जिसमें अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। यह वो चारों देश हैं, जिनका क्षेत्र में कहीं न कहीं, किसी न किसी रूप में चीन के साथ विवाद की स्थिति बनी हुई है। बीते मई महीने में नई दिल्ली

क्वाड समूह देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक भी हुई थी। जिसमें अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भाग लिया था।

अगले सप्ताह होगी ग्रीर की भारत यात्रा

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक में अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर जारी वार्ताओं में हुई प्रगति को लेकर संतोष प्रकट किया गया। साथ ही पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह जल्द से जल्द एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभप्रद, व्यावसायिक दृष्टिकोण से सार्थक समझौते को अंतिम रूप देने के लिए काम करें। बीटीए पर जारी वार्ताओं के संदर्भ में अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ली ग्रीर अगले सप्ताह भारत की यात्रा करेंगे। दोनों नेताओं के बीच बातचीत में भारत-अमेरिका कॉम्पैक्ट यानी केटेलाइजिंग ऑपर्च्युनिटीज फॉर मिलिट्री पार्टनरशिप, एक्लिरेटेड कॉमर्स एंड टेक्नोलॉजी का मुद्दा शामिल रहा।

सहयोग बढ़ाने की जताई प्रतिबद्धता

उन्होंने रक्षा, सामरिक प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और द्विपक्षीय व्यापार के क्षेत्रों में हुई उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति ट्रंप ने दोनों देशों के बीच स्थापित व्यापक वैश्विक सामरिक साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ बनाने, दोनों देशों और उनके नागरिकों के पारस्परिक हितों से जुड़े हुए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई है।

लघु उद्योगों के भविष्य पर होगा मंथन

आगरा बनेगा वैश्विक एमएसएमई संवाद का केंद्र, ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधि आज जुटेंगे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एमएसएमई क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से भारत आज आगरा में प्रथम ब्रिक्स एमएसएमई फोरम और तृतीय एसएमई वर्किंग ग्रुप बैठक की मेजबानी करेगा। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा आयोजित इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का विषय है बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी।

यह आयोजन ब्रिक्स और उसके साझेदार देशों के बीच एमएसएमई क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहन देने, सतत विकास को बढ़ावा देने और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच लघु एवं मध्यम उद्योगों को अधिक सक्षम और प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। सम्मेलन में विभिन्न देशों के नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, उद्यमी, व्यापार विशेषज्ञ और एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े प्रमुख हितधारक भाग लेंगे। बैठक के दौरान एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने, तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने, वित्तीय पहुंच बढ़ाने, डिजिटल परिवर्तन, हरित विकास और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में छोटे उद्यमों की भागीदारी बढ़ाने जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर ब्रिक्स सदस्य देशों के साथ-साथ कई साझेदार देशों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे। भाग लेने वाले देशों में ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एमएसएमई क्षेत्र रोजगार सृजन, नवाचार और समावेशी विकास का प्रमुख आधार है। ऐसे में ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग बढ़ने से छोटे और मध्यम उद्यमों को नए बाजार, तकनीक, निवेश और व्यापारिक अवसर उपलब्ध हो सकते हैं।

भारत के लिए यह आयोजन विशेष महत्व रखता है क्योंकि देश छोटे और मंझोले उद्योग क्षेत्र को आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन मानता है। भारत में यह क्षेत्र करोड़ों लोगों को रोजगार प्रदान करता है और विनिर्माण तथा निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देता है। ऐसे में आगरा में आयोजित होने वाला यह सम्मेलन वैश्विक स्तर पर भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को भी मजबूत करेगा। सम्मेलन से यह उम्मीद की जा रही है कि सदस्य और साझेदार देशों के बीच एमएसएमई क्षेत्र को अधिक लचीला, नवोन्मेषी और टिकाऊ बनाने के लिए साझा रणनीतियां तैयार की जाएंगी, जिससे वैश्विक आर्थिक विकास को नई गति मिल सके।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109